फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 11 प्रभात जयपुर, मंगलवार 11 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

From Rig Veda To Indian Navy — Maurya, Satavahana, Chola, Vijayanagara, Kalinga, Maratha and Mughal empires had powerful navies, it was the Cholas who did very well in foreign trade

An Iron Age Hoard — The researchers are fascinated by the bronze boar's head in the hoard. Experts think it is "similar to a modern-day flagpole"

संसद के मानसून सत्र में मात्र 3 दिन बचे हैं

गतिरोध खत्म होने की कोई उम्मीद नज़र नहीं आ रही है

- संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि विपक्ष अमित शाह के बयान की मांग कर रहा है और गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर बात करने को तैयार हैं, बशर्ते विपक्षी दल उनका पक्ष सुनें।
- लेकिन, राहुल गांधी ने तीन शर्तें रखी हैं, जिन पर वे झुकने को तैयार नहीं हैं। पहली शर्त है, छात्रों पर पैलैट गन चलाने की अनुमति किसने दी, दूसरी शर्त, अखिलेश यादव की मांग पर है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का जिम्मेवार कौन है, तीसरी शर्त यह कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री 20 जुलाई की घटना के लिए देश से माफी मांगें।
- सरकार की कोशिश है कि वह अपने दो महत्वपूर्ण बिल, परिसीमन बिल और एफसीआरए पारित करा ले। सरकार का जोर परिसीमन बिल पर है और इसके लिए वह एफसीआरए के कुछ प्रावधानों को हल्का कर सकती है ताकि द्रमुक जैसे दल समर्थन दे दें।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अगस्त। संसद का मानसून सत्र 16 दिनों से अवरूद्ध है और अब सत्र समाप्त होने में सिर्फ तीन दिन बाकी हैं। ऐसे में फिलहाल किसी बड़े समाधान की संभावना नज़र नहीं आ रही है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि अमित शाह सदन में आने और बोलने के लिए तैयार हैं, बशर्ते विपक्ष उनकी बात सुने और उन्हें बोलने दे।

एफसीआरए और परिसीमन विधेयक अब भी अनिश्चितता के घेरे में हैं। भाजपा का दावा है कि उसके पास परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या में सांसदों का समर्थन है।

इस बीच, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला एक समझौता कराने की कोशिश कर रहे हैं। इसके तहत सरकार एफसीआरए विधेयक में बदलाव कर सकती है या उसे वापस ले सकती है, ताकि विपक्ष, खासकर डीएमके, को संतुष्ट किया जा सके और परिसीमन विधेयक पर उसका समर्थन हासिल किया जा सके।

तमिलनाडु के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "डीएमके के लिए परिसीमन विधेयक का समर्थन करना आत्मघाती होगा।"

राहुल गांधी ने सदन चलाने के लिए तीन ऐसी शर्तें रखी हैं, जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता।

पहली, अमित शाह को सदन में आकर यह बताना होगा कि क्या उन्होंने छात्रों पर पैलैट चलाने की अनुमति दी थी। अगर नहीं, तो फिर इसकी अनुमति किसने दी?

दूसरी, अखिलेश यादव के आग्रह पर कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए कि राम मंदिर में "चढ़ावे की चोरी" के लिए कौन जिम्मेदार है और इसके पीछे कौन-कौन लोग हैं

तीसरी, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों को राष्ट्र से माफी मांगनी चाहिए कि पुलिस और सरकार ने छात्रों के साथ किस तरह का व्यवहार किया।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों के बार-बार सदन में आने की मांग के बावजूद सदन से दूर रहने के कारण विपक्ष ने यह नैरेटिव स्थापित कर दिया है कि दोनों अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने से बच रहे हैं और सदन में होने वाली नारेबाजी तथा आलोचना का सामना करने को तैयार नहीं हैं।

फिलहाल संसद में भारी गतिरोध में है।

जब तक अमित शाह सदन में आकर इस बात की जानकारी नहीं देते कि 20 जुलाई को वास्तव में क्या हुआ, इसकी पूरी जानकारी नहीं देते, तब तक सदन के सुचारू रूप से चलने की संभावना नहीं है।

और जब तक सदन की कार्यवाही नहीं चलती, तब तक परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं किया जा सकता।

निकाय प्रमुखों व जिला प्रमुखों के आरक्षण की लॉटरी 13 को

जयपुर, 10 अगस्त। राजस्थान में आगामी नगरीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव से पहले प्रमुख पदों के आरक्षण की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। प्रदेश के नगरीय निकायों में मेयर, सभापति और चेयरमैन के पदों के आरक्षण की लॉटरी 13 अगस्त को निकाली जाएगी। इसी दिन प्रदेश के 41 जिला प्रमुखों के पदों के आरक्षण की लॉटरी भी होगी।

- लॉटरी प्रक्रिया में शामिल होने के लिए राज्य सरकार ने प्रमुख राजनीतिक दलों को आमंत्रण भेजा।

लॉटरी प्रक्रिया में शामिल होने के लिए राज्य सरकार की ओर से प्रदेश के प्रमुख राजनीतिक दलों को पत्र भेजकर आमंत्रित किया गया है।

स्वायत्त शासन निदेशालय के निदेशक की ओर से जारी आदेश के अनुसार, नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं के प्रमुख पदों के आरक्षण की लॉटरी 13 अगस्त को सुबह 10:30 बजे स्वायत्त शासन निदेशालय में निकाली जाएगी।

इस प्रक्रिया के जरिए यह तय होगा कि किस नगरीय निकाय में मेयर, सभापति अथवा चेयरमैन का पद किस वर्ग के लिए आरक्षित रहेगा।

ईरान की कूटनीति में कट्टरपंथियों का दबदबा बढ़ रहा है

कट्टरपंथी गुट ने अमेरिका से अरबों डॉलर का युद्ध हर्जाना मांगा है, जिसे मानना अमेरिका के लिए संभव नहीं लग रहा

- ईरान ने मांग की है कि अमेरिका होर्मुज़ और हिंद महासागर में ईरान के खिलाफ की गई तमाम घेराबंदी हटा दिया जाए। ईरान का फ्रीज़ किया हुआ फंड लौटाया जाए और अमेरिका अरबों डॉलर का हर्जाना भी दे।
- ईरान की तरफ से यह मांग ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के एक पूर्व कमांडर ने रखी है, जिसे मोज़तबा खामनेई ने कूटनीति वार्ताओं को हैंडल करने के लिए नियुक्त किया है।
- ट्रंप के दोनों लक्ष्य, पहला होर्मुज़ स्ट्रेट को खोलना व दूसरा ईरान न्यूक्लियर कार्यक्रम पर नियंत्रण करना, न केवल दूर होते लग रहे हैं, बल्कि मिडिल ईस्ट से अमेरिका का दबदबा भी कम होता लग रहा है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अगस्त। ईरान की घरेलू राजनीतिक स्थिति एक नए दौर की ओर बढ़ती दिख रही है और कट्टरपंथी ताकतें कूटनीतिक पहल अपने हाथ में ले रही हैं। ऐसे में किसी समझौते की संभावना लगातार कम होती जा रही है।

ईरान अब अपनी मांगों को बहुत बढ़ा रहा है, जिन्हें मानना अमेरिकियों के लिए लगभग असंभव है। ईरान की नई मांगें ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के एक पूर्व कमांडर की ओर से आई हैं, जिन्होंने एक अधिक नरम रुख वाले अधिकारी की जगह ली हैं। नए नेता की नियुक्ति कथित तौर पर मोजतबा खामेनेई ने अपने छिपने के स्थान से की है।

ईरान मांग कर रहा है कि हिंद महासागर जाने वाले होर्मुज़ जलडमरूमध्य के रास्ते पर ईरानी जहाजों, खासकर ईरान से तेल ले जाने वाले जहाजों पर लगी अमेरिकी नाकाबंदी को तुरंत हटाया जाए। असल में होर्मुज़ से निकलने वाले सभी ईरानी जहाजों पर अमेरिकी नाकाबंदी ईरान की अर्थव्यवस्था का गला घोंट रही है।

ईरान यह भी मांग कर रहा है कि उसके फ्रोज़न फंड को तुरंत जारी किया जाए, देश पर लगाए गए प्रतिबंध हटाए जाएं और युद्ध के कारण अमेरिका से मुआवज़ा देने की आगे की प्रतिबद्धता ली जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जर्जर हो रहा गुंबद हजारों की जान के लिए खतरा है'

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार एवं प्रशासन को घेरा और जवाब मांगा, हजारों लोगों की सुरक्षा को क्यों अनदेखा किया जा रहा है

- अदालत ने अगली सुनवाई पर राज्य सरकार के मुख्य सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव, डीजीपी पुलिस और आरएसआरडीसी के मुख्य निदेशक को अदालत में जवाब सहित प्रस्तुत रहने को कहा है।
- आईआईटी जोधपुर और बॉम्बे की दो रिपोर्ट यह स्पष्ट दर्शाती है कि हाईकोर्ट की बिल्डिंग पर बने गुम्बद की हालत जर्जर है, वह कभी भी गिर सकता है।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 10 अगस्त। जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट की प्रधान पीठ की बिल्डिंग पर बने गुम्बद के ढांचे में संरचनात्मक दोष पाए जाने के मुद्दे पर सुनवाई हुई। न्यायधीश पुष्पेन्द्र भाटी और न्यायधीश प्रवीन भटनागर ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए, इस मामले को जनहित याचिका के रूप में सुनने का फैसला लिया। अदालत ने मामले में राज्य सरकार, सार्वजनिक निर्माण विभाग, कानून विभाग, केन्द्र सरकार, राजस्थान पुलिस और राजस्थान राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम लिमिटेड और हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार को पक्षकार बनाकर नोटिस जारी किए। अदालत ने पक्षकारों को शपथ पत्र पर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है कि हाईकोर्ट की इमारत की "सेफ्टी ऑडिट", संरचनात्मक ढांचे के सुरक्षात्मक मापदंड और भार सहने की क्षमता पर जवाब पेश करें। अदालत ने यह भी कहा है कि पक्षकार बताएं कि ढांचे में त्रुटियां रह जाने के बाद भी प्रशासन सोता क्यों रहा और क्यों इस गंभीर मुद्दे से हजारों लोगों की जान हर रोज जोखिम में डाली जा रही है। अदालत ने पूछा है कि प्रशासन अब गुम्बद के ढांचे में सुधार करने व मजबूती देने के लिए क्या करेगा। अदालत ने कहा है कि जब तक प्रशासन अपना जवाब प्रस्तुत करता है और सुनवाई आगे बढ़ती है, उससे पूर्व पक्षकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि अस्थाई तौर पर ऐसे निवारक कदम उठाए जाएं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि गुम्बद अकस्मात नीचे न गिर जाए और लोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उच्चतम न्यायालय की समिति ने उदयपुर में अरावली पर जन संवाद किया

उदयपुर, 10 अगस्त (निसं)। अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण एवं सतत विकास को लेकर सोमवार को जिला परिषद सभागार में व्यापक जन संवाद आयोजित हुआ। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशन में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) की महानिदेशक कंचन देवी की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति ने जनप्रतिनिधियों, खनन पट्टा धारकों, स्वयंसेवी संगठनों, पर्यावरणविदों, पशुपालकों एवं विभिन्न हितधारकों से अरावली संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से परामर्श किया। सवेदनशील मुद्दे पर आयोजित संवाद मात्र दो घंटे में समाप्त किये जाने पर कमेटी के सामने लोगों का गुस्सा भी फूट पड़ा।

- मात्र दो घंटे में जन संवाद पूरा किये जाने पर लोगों ने नाराज़गी जताई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर वरुण गांधी के कांग्रेस में जाने की चर्चा तेज हुई

इलाहाबाद में राहुल के "छात्रों की गूंज" कार्यक्रम में ऐसे पोस्टर देखे गए, जिनमें राहुल, वरुण और प्रियंका गांधी को दिखाया गया था

- पता चला है कि ये पोस्टर इलाहाबाद हाई कोर्ट के दो वकीलों ने लगाए थे, जिन्हें बाद में हटा दिया गया था।
- गांधी परिवार के इन दोनों गुटों के पुनः एक होने की चर्चा अक्सर होती रहती है। वर्ष 2023 में केदारनाथ में राहुल और वरुण की अचानक मुलाकात हुई, दोनों गर्म जोशी से मिले, तब भी वरुण के कांग्रेस में आने की अटकलों को बढ़ावा मिला था।
- पीलीभीत से भाजपा के सांसद रहे वरुण अक्सर विभिन्न मंचों से भाजपा की आलोचना करते रहे हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अगस्त। ऐसी अटकलें फिर तेज हो गई हैं कि फ़िरोज़ वरुण गांधी कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। इन अटकलों को प्रयागराज में राहुल गांधी के हालिया "छात्रों की गूंज" संवाद के दौरान लगाए गए पोस्टरों से और बल मिला। केपी ग्राउंड के मुख्य द्वार के बाहर लगाए गए पोस्टरों में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और वरुण गांधी को एक साथ दिखाया गया था। एक पोस्टर में राहुल और वरुण को हाथ मिलाते हुए भी दिखाया गया था। पोस्टर पर संदेश लिखा था "अगर 'भारत को एकजुट' करने का संदेश देना है, तो शुरुआत अपने परिवार को एकजुट करने से करें।" इसके साथ नारा था- "साथ आइए, नए भारत की शुरुआत करें।"

ये पोस्टर इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं -संतोष सिंह और रवि सोनकर (गोलू) ने लगाए थे। बताया जाता है कि अज्ञात लोगों ने कुछ ही समय बाद इन्हें फाड़ दिया।

इन तस्वीरों ने लंबे समय से चली आ रही उन चर्चाओं को फिर हवा दे दी है कि राजनीतिक विभाजन के बावजूद गांधी परिवार के दोनों गुटों के बीच पुनर्मिलन हो सकता है। पीलीभीत से तीन बार भाजपा सांसद रह चुके वरुण को 2024 में लोकसभा चुनाव का टिकट नहीं दिया गया था। वे सार्वजनिक मंचों पर कई बार अपनी पार्टी भाजपा की नीतियों की आलोचना भी कर चुके हैं। इसके चलते कम से कम 2016-18 से ही उनके कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें लगती रही हैं।

2021 में इन अटकलों को तब और बल मिला, जब वरुण और उनकी मां मेनका गांधी को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी से बाहर कर दिया गया। इसके बाद नवंबर 2023 में केदारनाथ में राहुल गांधी से उनकी अचानक हुई मुलाकात और फिर 2024 में टिकट से वंचित किए जाने के बाद भी कांग्रेस में उनके जाने की चर्चाएं तेज हुईं। 2026 की शुरुआत में मीडिया रिपोर्टों में प्रियंका गांधी के साथ उनके संपर्क या मुलाकात के दावे भी सामने आए, हालांकि दोनों पक्षों ने किसी औपचारिक बातचीत की पुष्टि नहीं की है।

पिछले पांच वर्षों में वरुण और उनके चचेरे भाई-बहनों के बीच सार्वजनिक रूप से सुपुष्ट की गई मुलाकातें सीमित रही हैं। सबसे उल्लेखनीय घटना नवंबर 2023 में केदारनाथ मंदिर के बाहर राहुल गांधी के साथ उनकी संक्षिप्त और गर्मजोशी भरी अचानक हुई मुलाकात थी, जिसमें दोनों ने एक-दूसरे का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार की पार्टी परिसीमन बिल का समर्थन करेगी?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अगस्त। शरद पवार की एनसीपी के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने, वरिष्ठ नेता सुप्रिया सुले के नेतृत्व में, सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब अटकलें लगाई जा रही

- एनसीपी का एक प्रतिनिधिमंडल आज सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिला और इसके बाद से यह सवाल पूछा जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ईरान वॉर से सम्मानजनक तरीके से निकलना चाहते हैं

उनकी कोशिश है कि होर्मुज़ स्ट्रेट खुल जाए ताकि वे अमेरिका के मिड टर्म चुनाव में इसे बतौर उपलब्धि पेश कर सकें

- वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया कि ट्रंप ने निजी तौर पर अपने वरिष्ठ सलाहकारों से कहा है कि अगर तेहरान होर्मुज़ स्ट्रेट खोल देता है तो वे ईरान पर नए न्यूक्लियर एग्रीमैंट के लिए भी दबाव नहीं डालेंगे और ईरान वॉर से हट जाएंगे।
- इससे स्पष्ट है कि वॉशिंगटन के युद्ध संबंधी लक्ष्यों में भारी बदलाव आया है। अब वह न्यूक्लियर समझौते पर दबाव नहीं डाल रहा है और मौजूदा सैन्य टकराव को ईरान के न्यूक्लियर कार्यक्रम पर चले आ रहे दीर्घकालीन विवाद से अलग रखने को भी तैयार है।
- वॉशिंगटन के लिए राजनीतिक स्थिति भी आर्थिक हालात जितनी ही महत्वपूर्ण है, ट्रंप नहीं चाहते कि ईरान के साथ उनका संघर्ष एक अंतहीन सैन्य टकराव में बदल जाए। अगर युद्ध लंबा चला तो उनका प्रभाव कम हो जाएगा और अगर उन्होंने तेहरान के साथ समझौता कर लिया तो ईरान पर जीत दर्ज करने का उनका दावा हल्का पड़ जाएगा।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अगस्त। ईरान युद्ध से सम्मानजनक तरीके से बाहर निकलने की राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की कोशिशों को एक बड़ी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। तेहरान ने बातचीत में अपना रुख कड़ा कर लिया है और युद्ध से हुए नुकसान के लिए अरबों डॉलर के मुआवजे और अमेरिकी सैनिकों की पूरी तरह वापसी की मांग की है। इन शर्तों के कारण वॉशिंगटन के लिए अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले युद्ध में जीत का ऐलान करना और संघर्ष को खत्म करना मुश्किल हो सकता है।

ट्रंप स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को फिर से खोलने को सफलता के सबसे बड़े सबूत के तौर पर पेश करने की तैयारी कर रहे थे। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने निजी तौर पर अपने वरिष्ठ सहयोगियों से कहा था कि अगर तेहरान रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण इस जलमार्ग को पूरी तरह से फिर से खोल देता है, तो वह ईरान के साथ नए परमाणु समझौते के बिना भी युद्ध से पीछे हटने के लिए तैयार हो सकते हैं।

यह वॉशिंगटन के युद्ध के उद्देश्यों में एक संभावित बड़ा बदलाव हो सकता था। संघर्ष खत्म करने से पहले व्यापक परमाणु समझौते पर जोर देने के बजाय, ट्रंप प्रशासन ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद से तत्काल सैन्य टकराव को अलग करने के लिए अधिक इच्छुक दिख रहा था।

लेकिन तेहरान की नई मांगों ने उस हिसाब- किताब को मुश्किल बना दिया है।

रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को फिर से खोलने को एक बड़े समझौते से जोड़ दिया है, जिसमें युद्ध से हुए नुकसान के लिए अरबों डॉलर का मुआवजा, अमेरिकी सैनिकों की पूरी वापसी, अमेरिकी सैन्य दबाव को खत्म करना और प्रतिबंधों में राहत शामिल हैं। इन मांगों से जलमार्ग को फिर से खोलना महज विश्वास बढ़ाने वाला कदम नहीं रह जाता, बल्कि अमेरिका और ईरान के भविष्य के संबंधों को लेकर एक बड़े समझौते का हिस्सा बन जाता है।

इससे ट्रंप के सामने एक मुश्किल विकल्प खड़ा हो गया है। ईरान की बड़ी मांगों को मानने पर उन्हें इस आलोचना का सामना करना पड़ सकता है कि अमेरिका ने संघर्ष खत्म करने के लिए बहुत बड़ी कीमत चुकाई। वहीं, मांगों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जंतर मंतर पर न गोली चली न ऐसा कोई आदेश दिया गया'

नई दिल्ली, 10 अगस्त। केन्द्रीय मंत्री और राज्य सभा में सत्ता पक्ष के नेता जेपी नड्डा ने राहुल गांधी को आड़े लेते हुए उन्हें सदन में चर्चा के लिए चुनौती दी। जे पी नड्डा ने कहा कि सरकार सदन में चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष को उचित जवाब दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विपक्ष को गलत जानकारी नहीं फैलानी चाहिए, क्योंकि जंतर-मंतर पर न तो कोई गोली चलाई गई थी और न ही वहां गोली चलाने का कोई आदेश दिया गया था।

सोमवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी संसद में और जनता के बीच अपनी बात लगातार बदलते रहते हैं। उनका उद्देश्य बातचीत करना नहीं, बल्कि अराजकता फैलाना है।

सत्र की शुरुआत में उन्होंने नीट पर चर्चा की मांग की। जब हम उस पर चर्चा के लिए तैयार हुए, तो उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट का मुद्दा उठा दिया।

विचार बिन्दु

बुद्धि से विचार कर किए गए कर्म ही सफल होते हैं। –महाभारत

सरकार की समस्या पैसे की कमी नहीं, अपितु उसका अपव्यय है

किसी भी लोकतंत्र में कल्याणकारी राज्य का पहला दायित्व होता है कि वह जनता की बेहतरी के लिए कार्य करे, क्योंकि वही शासन में लोगों को बिठाती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जब भी सरकार का प्रावधान बढ़ाने की बात होती है तो एक ही बहाना दिया जाता है कि सरकार के पास पैसे की कमी है। उल्लेखनीय है कि कई दशकों से जी डी पी का कम से कम 6 प्रतिशत प्रावधान शिक्षा के लिए करने की बात की जा रही है किंतु यह अब भी 3-4 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

सरकार विभिन्न योजनाओं के लिए विदेशी कर्ज लेने में लगी है। वर्तमान एनडीए सरकार जब 2014 में सत्ता में आई तो देश के ऊपर कुल कर्ज लगभग 55 लाख करोड़ था, जो 2024 में बढ़कर 200 लाख करोड़ हो गया। इसका मतलब यह कि 10 साल में देश पर ऋण तीन गुणा से भी अधिक हो गया।कर्ज लेने का एक ही कारण बताया जाता है कि देश की आय बहुत कम है और सरकार के पास आय के पर्याप्त स्त्रोत नहीं हैं।

इस लेख में हम यह समझने का प्रयास करेंगे कि क्या वास्तव में सरकार के पास पैसे की कमी है या सरकार की प्राथमिकताएं गलत हैं और वह अनावश्यक कामों पर अनाप शनाप पैसा खर्च कर रही है ? इसके कुछ उदाहरण निम्न हैं।

पहले हम जयपुर की ही बात करते हैं। कुछ वर्षों में जयपुर में ऐसे फ्लाईओवर बनाए गए जो काम नहीं आ रहे हैं, ऐसे अंडरपास बनाए गए जो आसामाजिक तत्वों के लिए ही काम आ रहे हैं, ऐसे फुट ओवर ब्रिज बनाए गए जिन का उपयोग नगण्य है। ताजा उदाहरण जो आजकल मीडिया में छाया हुआ है, वह खासा कोठी के पास बने फ्लाईओवर का है। यह फ्लाईओवर एम आई रोड से कलेक्ट्रेट की तरफ बनना था किंतु उसे कुछ स्वार्थी तत्वों के दबाव में स्टेशन से पोलो विक्ट्री की तरफ बना दिया गया। इस फ्लाईओवर पर वर्तमान में ट्रैफिक का 10 प्रतिशत भी होकर नहीं निकलता है और फ्लाईओवर के नीचे वाली सड़कों पर लगातार जाम लगा रहता है। जिस भी व्यक्ति ने इस फ्लाईओवर की अनुमति दी, क्या उस के ऊपर कार्रवाई नहीं होनी चाहिए? क्या उस पर आपराधिक मुकदमा नहीं चलना चाहिए? सरकार के पैसे को इस प्रकार निरर्थक काम पर खर्च करना, क्या अपराध नहीं कहा जाएगा?

लगभग 20-25 वर्ष पूर्व अजमेरी गेट पर एक अंडर पास बनाया गया, जिस पर लाखों रुपए खर्च हुए। उसे शायद ही किसी ने काम में लिया होगा और यह आसामाजिक तत्वों का अड्डा बन कर रह गया है। कोई शरीफ व्यक्ति तो इसमें उतरने का साहस ही नहीं कर सकता। इस अनुभव के बावजूद जयपुर विकास प्राधिकरण ने दो अंडर पास जवाहर सर्कल पर और बना दिए जो आज तक बिना उपयोग के वैसे ही पड़े हैं । इनके लिए किसी पर कार्यवाही या वसूली की बात नहीं हुई।

जयपुर के 14125 सरकारी विद्यालयों के लिए 18135 स्मार्ट बोर्ड, 350 करोड़ रुपए में खरीदे गए। इनमें से अधिकांश बिजली की नियमित आपूर्ति नहीं होने, इंटरनेट कनेक्शन नहीं होने और अन्य आधारभूत सुविधाएं न होने के कारण कपड़े से ढककर रखे हुए हैं ताकि उन पर धूल न लगे। विद्यालयों के लिए करोड़ों रुपए के स्मार्ट बोर्ड खरीद लिए लेकिन प्रशिक्षित अध्यापकों के अभाव और बिजली कनेक्शन नहीं होने के कारण ये अनुपयोगी पड़े हैं। इस प्रकार बिना तैयारी के की गई इस खरीद के कारण 350 करोड़ रुपए व्यर्थ हो गए हैं।इस बारे में मीडिया में प्रमुख समाचार भी प्रकाशित हुए हैं ।

जयपुर के गांधी सर्किल के पास पोद्दार विद्यालय के परिसर में पांच सितारा होटल की तरह बना "महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज एंड गुड गवर्नेंस" लगभग दो वर्षों से अनुपयोगी पड़ा है। कारण शायद यही कि इसे पिछली सरकार ने बनवाया था। आज तक इसमें कोई काम कभी प्रारंभ नहीं हुआ और संभव है कुछ समय बाद यह खंडहर में परिवर्तित हो जाय। यह सारे खर्चे उस राज्य में किए गए जहां किसी भी अनिवार्य कार्य के लिए पैसे की कमी का रोना रोया जाता है एवं अनावश्यक रूप से विदेशी कर्ज भी लिया जाता है ।

सरकार बहुत बड़ी राशि विज्ञापनों पर व्यय करती है। प्रतिदिन, शुरू के चार पांच पृष्ठ विज्ञापनों को समर्पित होते है। इनका उद्देश्य केवल प्रधान मंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों के चित्र जनता को दिखाना है। इसी विज्ञापन के लोभ में समाचार पत्र सरकार का गुणगान करते दिखते हैं।

केवल उत्तर प्रदेश राज्य में मुख्यमंत्री योगी का चेहरा दिखाने के लिए प्रतिदिन लगभग ढाई करोड रुपए विज्ञापनों पर खर्च होते हैं। इसमें से 70 प्रतिशत खर्चा केवल अखबारों के विज्ञापनों पर है। इस मामले में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी एक कदम आगे हैं, जो अपने विज्ञापनों पर प्रतिदिन डेढ़ करोड़ रुपए खर्च करते हैं। इन विज्ञापनों से किसको क्या लाभ होता है, यह तो नहीं पता, किंतु इससे जनता के हजारों करोड रुपए अवश्य बर्बाद हो जाते हैं।यह पैसा देश के नागरिकों के खून पसीने की कमाई से टैक्स के रूप में वसूल किया जाता है।

टोंक रोड पर एलिवेटेड रोड का काम और न्यू सांगानेर रोड तथा सीकर रोड पर बीआरटीएस का काम करोड़ों रुपए खर्च करके किया गया और यह बरसों तक अनुपयोगी पड़ा रहा। यह कभी काम नहीं आया। बाद में इसे तोड़ने का निर्णय लिया गया।शायद इसको तोड़ने पर भी करोड़ों रुपए खर्च हुए होंगे। यह जानकारी आज तक नहीं है कि क्या सरकारी धन के करोड़ों रुपए के अपव्यय के लिए किसी अधिकारी को जेल भेजा गया, उससे वसूली की गई या उसके विरुद्ध को दंडात्मक कार्रवाई की गई? हाउसिंग बोर्ड ने लगभग 500 करोड़ की लागत से तीन साल पहले कोचिंग हब, प्रतापनगर में बनाया लेकिन अभी भी कोचिंग संस्थान यहां शिफ्ट नहीं हुए हैं और गोपालपुरा बाई पास पर ही चल रहे हैं।

यही हाल हीरापुरा बसस्टैंड का है जिस पार 300 करोड़ से अधिक खर्च हुआ। अब भी सारी बसें पोलो विक्ट्री के आस-पास खड़ी रहती हैं। इस प्रकार करोड़ों रुपए बेकार हो गए।

सरकारी धन का दुरुपयोग अनवरत रूप से इसीलिए चलता रहता है कि इसके लिए ज़िम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्यवाही नहीं होती। उनका प्रमोशन होता रहता है और तनख्वाह भी बढ़ती रहती है। यह सारा पैसा देश की आम जनता के खून पसीने की कमाई से वसूल किए गए टैक्स से खर्च होता है।

> **यदि सरकार की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी तो स्वतः सरकारी पैसे के अपव्यय पर नियंत्रण हो जाएगा। इस प्रकार जो लाखों करोड़ रुपए बचेंगे, उससे सबके लिए अच्छे सरकारी विद्यालय और अस्पताल बनाए जा सकेंगे। कहा जाता है कि बिजली की बचत ही उसका उत्पादन है । वैसे ही सरकारी धन के अपव्यय को रोकना, आय बढ़ाने जैसा है।**

शिक्षा का हाल तो और बेहाल है । शिक्षा पर करोड़ों रुपए अनावश्यक रूप से कई योजनाओं के नाम से खर्च हो रहे हैं। एक सरकारी विद्यालय की सातवीं क्लास के बच्चों को '505' लिखने के लिए कहा गया तो लगभग सबने '5005' लिखा। सरकारी स्कूल के एक बच्चे पर औसतन 2500 रुपए प्रति माह यानी 30000 रुपए साल का खर्चा होता है। उसकी 6 साल की पढाई पर 1.80 लाख खर्च करने के बाद यदि वह '505' तक सही नहीं लिख पाए तो क्या इसे धन का अपव्यय नहीं माना जाएगा? इसके लिए सजा किसी को क्यों नहीं मिलती? जवाब देही का अभाव हमारी शासन व्यवस्था की सबसे बड़ी कमजोरी है। यह समस्या और भी विकराल रूप धारण कर लेती है जब साधन संसाधनों की कमी का रोना हर समय रोया जाता है और जो धन उपलब्ध है उसका सदुपयोग नहीं होता।

कुछ ही दिन पहले एक समाचार प्रकाशित हुआ था कि सैकड़ों एंबुलेंस चिकित्सा विभाग में पड़ी हुई थी और उनका उपयोग प्रारंभ नहीं हुआ था। अस्पतालों में करोड़ों रुपए की जांच मशीनें और उपकरण बिना उपयोग के लंबे समय तक धूल फांकती रहती हैं क्योंकि उन्हें चलाने वाला नहीं है। दूसरी ओर बिजली आपूर्ति बंद होने से मोबाइल की रोशनी में ऑपरेशन करने पड़ते हैं। एस एम एस अस्पताल में 700 करोड़ रुपए की लागत से 22 मंजिला आई पी डी टॉवर बनाया गया लेकिन पार्किंग का कोई ध्यान नहीं रखा गया। यह भवन निर्माण का यह मूल सिद्धांत भी इतने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में भूल गए? क्या किसी को इस के लिए दोषी ठहराया जा कर सजा नहीं मिलनी चाहिए? यही हाल सरकारी स्कूलों में सरकार द्वारा करोड़ों रुपए के कंप्यूटरों का हो रहा है ।क्या सरकार एक छोटा सा काम नहीं कर सकती कि वह आधुनिकतम महंगी सामग्री खरीदने से पहले, यह तो सुनिश्चित कर ले कि उनको काम में लेने वाला प्रशिक्षित स्टाफ है भी या नहीं? जिन विद्यालयों में बिजली नहीं हो, वहां कंप्यूटर और स्मार्ट बोर्ड खरीद कर हम किसका भला कर रहे हैं ?

सरकारी धन का बहुत दुरुपयोग सांसद और विधायक विकास निधि के नाम पर भी होता है। इसके अंतर्गत प्रत्येक सांसद और विधायक को 5 करोड़ रुपए प्रति वर्ष का आवंटन होता है। देश में कुल 800 सांसद और लगभग 4000 विधायक हैं। इसका अर्थ हुआ कि देश में इस मद पर प्रति वर्ष कुल लगभग 23000 करोड़ रुपए का प्रावधान है। यह पांच साल में एक लाख करोड़ से भी अधिक हो जाता है। हमने देखा है कि कैसे सांसद और विधायक इसमें स्वीकृति से पहले ही 30-40 प्रतिशत कमीशन ले लेते हैं। इसे समाप्त क्यों नहीं किया जा सकता? आवश्यक काम संबंधित विभाग के माध्यम से क्यों नहीं कराए जा सकते?

जनता के पैसे को कैसे धुँआ लगाया जाता है, इसका एक नवीनतम उदाहरण उत्तरप्रदेश सरकार के निर्णय से सामने आया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने कमल की आकृति का नया विधानसभा भवन बनाने का निर्णय लिया, जिस पर 3000 करोड़ रुपए से अधिक का व्यय होगा। यह मात्र संयोग नहीं है कि भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह भी कमल है। भारत सरकार पहले ही 20000 करोड़ रुपए सेंट्रल स्पाइन के नाम पर खर्च कर चुकी है, जिसमें संसद का नया भवन भी शामिल है। जहां पहले ही इतना अपव्यय हो रहा है, वहीं परिसीमन के नाम पर लोक सभा सदस्यों की संख्या 543 से बढ़ाकर 830 करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे हजारों करोड का अतिरिक्त बोझ जनता पर पड़ेगा। कोई उद्देश्यपूर्ण चर्चा तो वैसे भी आजकल संसद में होती ही नहीं, क्योंकि अधिकांश समय हंगामे में ही निकलता है।

दिल्ली और राज्यों की राजधानियों में अत्यंत कीमती भूमि पर हजारों वर्ग मीटर में आलीशान बंगले बने हुए हैं। क्या हमारे मंत्री छोटे मकानों या फ्लैट में नहीं रह सकते? सही बात तो यह है कि जन प्रतिनिधि और अधिकारी, जनता को मालिक के बजाय प्रजा या गुलाम ही मानकर चलते हैं। यदि ऐसा नहीं होता, तो उसके धन का इतना अपव्यय करने वाले सेवक (सरकार) को मालिक (जनता) कभी का बाहर नहीं निकाल देता?

सरकार द्वारा धन के दुरुपयोग का एक और मामला लोगों को तीर्थयात्रा पर भेजना है। कई बार इन्हें हवाई जहाज से भेजा जाता है और होटलों में ठहराया जाता है। राजस्थान सरकार ने इस हेतु 150 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है? क्या जनता के लिए 'पुण्य' अर्जित करने का ठेका भी सरकार ने ले लिया है? इस विचित्र निर्णय का कोई औचित्य नहीं है।

यदि सरकार की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी तो स्वत: सरकारी पैसे के अपव्यय पर नियंत्रण हो जाएगा। इस प्रकार जो लाखों करोड़ रुपए बचेंगे, उससे सबके लिए अच्छे सरकारी विद्यालय और अस्पताल बनाए जा सकेंगे। कहा जाता है कि बिजली की बचत ही उसका उत्पादन है । वैसे ही सरकारी धन के अपव्यय को रोकना, आय बढ़ाने जैसा है। यह कहने की आवश्यकता नहीं कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता सभी के लिए उत्कृष्ट शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था करना है न कि उसे निजी हाथों में सौंपना है, जिनका मुख्य उद्देश्य ही लाभ कमाना है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निजीकरण को बढ़ावा देकर सरकारों ने अच्छी शिक्षा से गरीबों को वंचित कर दिया है।

आशा की जानी चाहिए कि सक्रिय नागरिको के समूह, सरकार पर अंकुश लगाने का काम करेंगे ताकि सरकारी धन के अपव्यय को रोका जा सके। कॉकरोच जनता पार्टी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, यदि वह चुनावी राजनीति न करे और केवल जनता के पैसे से सरकार द्वारा किए जाने वाले खर्चे पर निगरानी रख सके।

सरकारी धन को दुरुपयोग या उसका अपव्यय करने वाले अधिकारी और मंत्री की जिम्मेदारी तय करके उस पर आपराधिक कार्यवाही हेतु एफ आई दर्ज की जाकर उसे जेल भेजा जाना होगा। न्यायालयों को भी ऐसे प्रकरणों का शीघ्र निर्णय करना होगा। दोषी अधिकारियों/मंत्रियों से, अपव्यय होने वाली राशि वसूल करनी होगी। ऐसी सभी गतिविधियों पर खर्चा बंद करना होगा जो व्यक्तिगत छवि बनाने के लिए होता है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

श्रीअरविंद: राष्ट्रवाद के पैगम्बर और मानवता के प्रेमी

सूर्यप्रतापसिंह राजावत

"वे केवल इस न्यायालय के कटघरे में नहीं खड़े हैं, बल्कि इतिहास के उच्च न्यायालय के समक्ष खड़े हैं।" ये अमर शब्द देशबंधु चित्तरंजन दास ने अलीपुर बम षड्यंत्र मुकदमे (1908-1909) में महर्षि अरविंद की पैरवी करते हुए कहे थे। उन्होंने न्यायालय से आग्रह किया कि वह तत्कालीन आरोपों से ऊपर उठकर उस महान व्यक्तित्व को पहचाने, जो भविष्य में भारत और विश्व के लिए प्रेरणा बनेगा।

उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि जब उस समय के सभी राजनीतिक विवाद और आंदोलन इतिहास बन जाएंगे, तब महर्षि अरविंद को "देशभक्ति के कवि, राष्ट्रवाद के पैगम्बर और मानवता के प्रेमी" के रूप में स्मरण किया जाएगा। एक शताब्दी से अधिक समय बाद इतिहास ने उनकी इस भविष्यवाणी को सत्य सिद्ध कर दिया है। (सी.आर. दास का जीवन और समय, पृष्ठ 49)

15 अगस्त 1872 को कोलकाता में जन्मे महर्षि अरविंद का जीवन भारत के राष्ट्रीय जागरण का पर्याय है। उनके जन्मदिवस का महत्व उस समय और बढ़ गया जब 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। इस प्रकार 15 अगस्त केवल भारत का स्वतंत्रता दिवस ही नहीं, बल्कि महर्षि अरविंद की जयंती भी है। यह ऐतिहासिक संयोग भारत के स्वतंत्र और गौरवशाली भविष्य की उनकी आजीवन साधना का प्रतीक माना जाता है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महर्षि अरविंद का स्थान अत्यंत विशिष्ट है।

जब अधिकांश राष्ट्रीय नेता ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर सीमित सुधारों की मांग कर रहे थे, तब महर्षि अरविंद ने सबसे पहले पूर्ण स्वराज का स्पष्ट और निर्भीक उद्घोष किया। वंदे मातरम् और कर्मयोगिन जैसे समाचार-पत्रों के माध्यम से उन्होंने भारतीयों में पूर्ण स्वतंत्रता की चेतना जगाई। उनके क्रांतिकारी विचारों और निर्भीक राष्ट्रवाद से भयभीत होकर ब्रिटिश शासन ने उन्हें "भारत का सबसे खतरनाक व्यक्ति" कहा।

महर्षि अरविंद के तीन 'पागलपन' थे- अपनी समस्त प्रतिभा और संपत्ति ईश्वर को समर्पित करना, ईश्वर का प्रत्यक्ष साक्षात्कार करना, तथा भारत माता को दिव्य माता मानकर उनकी नि:स्वार्थ सेवा और मुक्ति के लिए जीवन अर्पित करना। (उत्तरयोगी महर्षि अरविन्द - शिव प्रसाद सिंह पृष्ठ 79)

महर्षि अरविंद का एक महत्वपूर्ण योगदान निष्क्रिय प्रतिरोध का सिद्धांत था। खंड 06-07 पृष्ठ 263) उन्होंने स्वदेशी, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा और असहयोग को विदेशी शासन के विरुद्ध प्रभावी साधन बताया। बाद में यही सिद्धांत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख आधार बने। यद्यपि 1910 के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति से स्वयं को अलग कर आध्यात्मिक साधना का मार्ग अपनाया, फिर भी उनके राजनीतिक विचारों ने आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित किया।

अलीपुर बम षड्यंत्र मुकदमा उनके जीवन का निर्णायक मोड़ सिद्ध हुआ। लगभग एक वर्ष के कारावास के दौरान उन्हें गहन आध्यात्मिक अनुभूतियाँ हुईं, जिन्होंने उनके जीवन की दिशा बदल दी।

मुकदमे से बरी होने के बाद उन्होंने 1909 में ऐतिहासिक उत्तरपाड़ा भाषण दिया। इस भाषण में उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की स्वतंत्रता केवल राजनीतिक उद्देश्य नहीं है, बल्कि उसका संबंध भारत के आध्यात्मिक दायित्व से भी है। उन्होंने सनातन धर्म को किसी संकीर्ण संप्रदाय का धर्म नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए एक शाश्वत और सार्वभौमिक जीवन-दर्शन बताया। (खंड 8 पृष्ठ 3)

महर्षि अरविंद केवल राष्ट्रवादी नेता ही नहीं, बल्कि महान कवि, दार्शनिक और आध्यात्मिक चिंतक भी थे। उनका महाकाव्य सावित्री आधुनिक युग का 'वेद' माना जाता है। उनकी प्रसिद्ध दार्शनिक कृति द लाइफ डिवाइन में मानवता के भविष्य के लिए सुप्रामेंटल परिवर्तन का सिद्धांत प्रस्तुत किया गया है। भारत की स्वतंत्रता के दिन, 15 अगस्त 1947, महर्षि अरविंद ने अपना प्रसिद्ध स्वतंत्रता संदेश दिया, जिसे उनके 'पाँच स्वप्न' के नाम से जाना जाता है। इन पाँच स्वप्नों में भारत की पूर्ण एकता, एशिया का पुनर्जागरण, विश्व संघ की स्थापना, मानवता के लिए भारत का आध्यात्मिक योगदान तथा उच्चतर मानव चेतना का विकास सम्मिलित था। आज भी उनका यह संदेश विश्व शांति, सहयोग और मानव कल्याण के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।(खंड 36 पृष्ठ 474)

महर्षि अरविंद का आध्यात्मिक राष्ट्रवाद उनकी मौलिक देन है। उनके अनुसार सच्चा राष्ट्रवाद कभी भी संकीर्णता, घृणा या विस्तारवाद का समर्थक नहीं हो सकता। प्रत्येक राष्ट्र का मानवता की उन्नति में एक विशिष्ट योगदान होता है। भारत का दायित्व अपनी आध्यात्मिक परंपरा के माध्यम से विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और मानव एकता का संदेश देना है। इस प्रकार उनका राष्ट्रवाद अंततः अंतरराष्ट्रीयता और विश्व-बंधुत्व का आधार बन जाता है। उनकी इसी महान दृष्टि को मूर्त रूप देने के लिए ऑरोविल की स्थापना की गई, जहाँ विभिन्न देशों, धर्मों और संस्कृतियों के लोग मानव एकता की भावना के साथ रहते हैं। श्रीअरविंदके इस आदर्श को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अनेक अवसरों पर समर्थन और मान्यता प्राप्त हुई, जो उनकी वैश्विक प्रासंगिकता का प्रमाण है।

महर्षि अरविंद का जीवन केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम तक सीमित नहीं है। वे एक महान क्रांतिकारी, दूरदर्शी राष्ट्रवादी, अद्वितीय दार्शनिक, महाकवि और आध्यात्मिक महर्षि थे। उन्होंने सिखाया कि राजनीतिक स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब उसके साथ नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्थान भी हो। जैसा कि देशबंधु सी. आर. दास ने कहा था, महर्षि अरविंद इतिहास में सदैव "देशभक्ति के कवि, राष्ट्रवाद के पैगम्बर और मानवता के प्रेमी" के रूप में स्मरण किए जाएंगे। इसलिए प्रत्येक 15 अगस्त को जब भारत अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है, तब वह उस महान ऋषि को भी श्रद्धापूर्वक नमन करता है, जिसने स्वतंत्र भारत ही नहीं, बल्कि समस्त मानवता के उज्ज्वल भविष्य का स्वप्न देखा।

–सूर्यप्रतापसिंह राजावत,
उपाध्यक्ष श्रीअरविन्द
सोसाइटी राजस्थान।

संवैधानिक प्रतिनिधित्व : क्यों जरूरी है एससी/एसटी/ओबीसी और ईडब्ल्यूएस दोनों ?

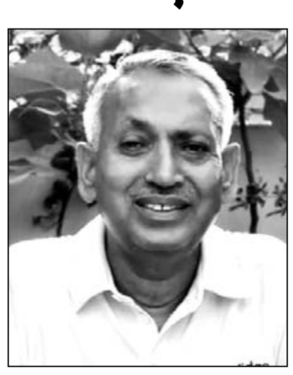

मदन सिंह काला

आज आरक्षण की बहस दो ध्रुवों पर टिकी है – 'सामाजिक' और 'आर्थिक'। 2019 में संविधान संशोधन से सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए 10 प्रतिशत EWS आरक्षण दिया गया। इसका मकसद साफ है – कोई बच्चा सिर्फ फीस न दे पाने के कारण डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी के सपने से वंचित न रहे। इसे कह सकते हैं "भविष्य को सुरक्षित करने वाला आरक्षण"। इसके ठीक सामने एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण है। इसका मकसद भविष्य नहीं, अतीत का हिसाब बराबर करना है। यह उस 3000 साल की वंचना का उत्तर है जो शूद्र और अति-शूद्र वर्ग ने झेली। दोनों आरक्षण जरूरी हैं, पर दोनों की आत्मा अलग है। एक गरीबी मिटाता है, दूसरा अपमान मिटाता है।

क्या सदियों से भारत में जन्म-आधारित जाति तंत्र रहा है? हां। और क्या उसे संवैधानिक जनतंत्र की दिशा में ले जाने के लिए ये आरक्षण प्रगतिशील कदम हैं? बिल्कुल हैं। यही भारत की सबसे बड़ी प्रगतिशीलता है।

दुनिया के किसी और देश ने इतने बड़े पैमाने पर जन्म के आधार पर बनी असमानता को कानून और प्रतिनिधित्व से तोड़ने की कोशिश नहीं की। हमने संविधान के जरिए कहा कि अब पद, पैसा और सम्मान जन्म से नहीं, बल्कि योग्यता और अवसर से तय होगा। आरक्षण उसी यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है।

दुनिया में भारत अकेला नहीं है जिसने 'सकारात्मक कार्रवाई' अपनाई। अमेरिका में गुलामी 1865 में खत्म हुई, पर 1961 में राष्ट्रपति कैनेडी को "Affirmative Action का आदेश लाना पड़ा ताकि अश्वेतों को शिक्षा और नौकरी में बराबर मौका मिले। दक्षिण अफ्रीका में 1994 में रंगभेद खत्म हुआ और 2003 में "Black Economic Empowerment Act" बना। मलेशिया में 1971 से "Bumiputera Policy" के तहत बहुसंख्यक मलय समुदाय को विश्वविद्यालय और सरकारी नौकरी में आरक्षण मिला। हर जगह तर्क एक ही था – सदियों का नुकसान सिर्फ कानून बना देने से ठीक नहीं होता, उसे व्यवहार में उतारने से प्रगति होती है।

भारत में आरक्षण की शुरुआत 1950 के संविधान से नहीं हुई। इसकी नींव 19वीं सदी में प्रगतिशील राजाओं ने रखी। 26 जुलाई 1902 को कोल्हापुर के छत्रपति शाहू महाराज ने सरकारी नौकरियों में 50 प्रतिशत आरक्षण गैर-ब्राह्मणों और पिछड़ों के लिए लागू किया। साथ में मुफ्त शिक्षा और छात्रावास शुरू किए। उनका नारा था 'शिक्षा ही मुक्ति है'। बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ ने दलितों और पिछड़ों के लिए छात्रवृत्ति दी। डॉ. बी.आर. अंबेडकर को अमेरिका पढ़ने भेजने वाले भी वही थे। 1936 में त्रावणकोर में नारायण गुरु के आंदोलन के बाद ईझवा समाज को मंदिर प्रवेश और नौकरी में जगह मिली। मैसूर और इंदौर जैसी रियासतों में भी 1920-30 में पिछड़ों के लिए कोटा था। इन सबने माना कि बिना प्रतिनिधित्व के बराबरी संभव नहीं। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए डॉ. अंबेडकर ने पंचम वर्ण को मानवीय गरिमा दिलाने के लिए संघर्ष किया। उसी के परिणाम स्वरूप 1932 के 'पूना पैक्ट' और 1935 के "Government of India Act" में इन ऐतिहासिक पीड़ाओं के समाधान के रास्ते तय हुए और फिर संविधान में जगह मिली।

भारत का घाव दुनिया से गहरा है क्योंकि यहां वंचना का आधार जन्म था। समाज ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र में बंटा। इनके बाहर 'अतिशूद्र' थे। बाबू जगजीवन राम ने कहा था- "ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य में ही शिक्षा, धन और सामाजिक नियंत्रण के अधिकार थे।" इसी एकाधिकार के कारण शूद्र और अतिशूद्र के लिए गुरुकुल बंद थे। वेद पढ़ना, व्यापार करना, हथियार रखना मना था। मंदिर, कुएं, पंचायत सब दूर थे। शिक्षा, संपत्ति और सम्मान तीनों से उन्हें बाहर रखा गया। 1947 में सत्ता उसी वर्ग के हाथ आई जिसके पास पहले से कलम थी। बाबू जगजीवन राम ने तब चेताया था– "भारत में जनतंत्र नहीं, जाति-तंत्र है।" इसी हकीकत के कारण संविधान निर्माताओं ने प्रतिनिधित्व को अनिवार्य माना। इसीलिए संविधान ने दो तरह का इलाज दिया। पहला इलाज ऐतिहासिक-सामाजिक असमानता के लिए। अनुच्छेद 330 और 332 के तहत लोकसभा में एससी के लिए 84 और एसटी के लिए 47 सीटें आरक्षित हैं। 104वें संशोधन 2019 से यह व्यवस्था 2030 तक बढ़ी है ताकि कानून बनाने में वंचित वर्ग की आवाज रहे। अनुच्छेद 15(4), 15(5) और 16(4) के तहत शिक्षा और सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व दिया गया। 1992 के इंद्रा साहनी फैसले में इसकी सीमा 50 प्रतिशत तय हुई ताकि बाकी 50 प्रतिशत पर खुली प्रतिस्पर्धा बनी रहे। दूसरा इलाज आर्थिक असमानता के लिए है। 103वें संशोधन से अनुच्छेद 15(6) और 16(6) के जरिए सामान्य वर्ग के गरीबों को आय और संपत्ति के आधार पर 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस आरक्षण मिला।

यहां यह समझना जरूरी है कि SC/ST/OBC और EWS का आधार एक जैसा नहीं है। अनुसूचित जाति को आरक्षण मिला "सामाजिक भेदभाव और छुआछूत" के कारण। हजारों साल तक इन्हें पशुओं से भी बदतर माना गया। आज भी गांवों में स्थिति बहुत नहीं बदली। कानून का डर है इसलिए घटनाएं कम हैं, पर मानसिकता वही है। बच्चे को घर से ही सिखा दिया जाता है कि "ये लोग बराबर नहीं हैं, इनके पूर्वज गंदा काम करते थे"। यह जहर बचपन से दिमाग में भर दिया जाता है। ऐसी स्थिति में अगर आरक्षण आज खत्म कर दिया जाए तो आरक्षित वर्गों में से गिने-चुने लोग ही सरकारी सेवा या राजनीति में पहुंच पाएंगे। इसलिए जब तक समाज में सामाजिक भेदभाव पूरी तरह खत्म नहीं होता, संविधान प्रदत्त आरक्षण जारी रहना चाहिए। जनजाति का आरक्षण अलग कारण से है। समाज सामाजिक रूप से पिछड़ा रहा और जंगल, पहाड़ व दूरदराज में रहने के कारण मुख्यधारा से कट गया। घुमंतू जीवन और अलग संस्कृति के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर उन तक नहीं पहुंचे।

ओबीसी की कहानी तीसरी है। ओबीसी के साथ एससी जैसी छुआछूत या एसटी जैसा भौगोलिक अलगाव नहीं रहा। लेकिन हजारों साल तक इन्हें पेशे के आधार पर नीचा माना गया। बढ़ई, कुम्हार, लुहार, तेली, यादव, जाट आदि अपने पारंपरिक काम के कारण सामाजिक सीढ़ी में नीचे रहे। चूंकि एससी वाली छुआछूत और एसटी वाला अलगाव नहीं था, इसलिए ओबीसी के आरक्षण में "सामाजिक पिछड़ापन और आर्थिक पिछड़ापन" दोनों को आधार बनाया गया।

अक्सर एक भ्रम फैलाया जाता है कि "आरक्षण वाले हमारी सीट छीन रहे हैं"। हकीकत यह है कि सरकारी नौकरी और उच्च शिक्षा में 50.5 प्रतिशत सीटें अनारक्षित हैं। 49.5 प्रतिशत सीटें एससी, एसटी, ओबीसी के लिए आरक्षित हैं। एससी की सीट पर सिर्फ एससी, एसटी और ओबीसी की सीट पर ओबीसी ही लड़ सकता है। लेकिन अनारक्षित 50.5 प्रतिशत सीटों पर सभी वर्ग लड़ते हैं और आज भी 70 प्रतिशत टॉप रैंक वहीं से आती हैं।

अब सवाल है – 75 साल बाद क्या बराबरी आ गई? आंशिक रूप से हां। आरक्षण से गांव का पहला आइएएस, डॉक्टर और प्रोफेसर बना। पर आंकड़े दूसरा सच बताते हैं। देश की टॉप 500 कंपनियों में एससी/एसटी/ओबीसी का नेतृत्व 5 प्रतिशत से भी कम है। उच्च न्यायपालिका और राष्ट्रीय मीडिया में आज भी वही वर्ग हावी है जिसके पास 3000 साल से शिक्षा थी। NFHS के आंकड़े कहते हैं कि एससी/एसटी की औसत आय सामान्य वर्ग से आधी है।

सबसे बड़ा प्रमाण सड़क और अदालत से मिलता है। 14 मई 2015 को डांगावास, नागौर में जमीन विवाद में 5 दलित मेघवाल और 1 विरोधी पक्ष के गोसाई सहित 6 लोग मारे गए। 11 साल बाद 5 अगस्त 2026 को ट्रायल कोर्ट ने सभी 40 आरोपियों को बरी कर दिया। सवाल उठता है – अगर कोई हत्यारा नहीं, तो 6 लोग मरे कैसे? 2023 में जालौर में 9 साल के दलित बच्चे को मटकी से पानी पीने पर पीट-पीट कर मार दिया गया। 2022 में बीकानेर में एक एससी युवक की सिर्फ मूंछ रखने पर हत्या हुई। 2020 में हाथरस में दलित बेटी से बलात्कार के बाद रात में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। 2022 में गुजरात में एक दलित दूल्हे को घोड़ी पर बैठने से रोकने के लिए हमला हुआ। जहां कोर्ट में एक दशक बाद सब बरी हो जाएं और गांव में मटकी पर हत्या हो, वहां 'अब सब बराबर है' कहना सच से आंख चुराना है।

इसीलिए ईडब्ल्यूएस और एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण की तुलना नहीं हो सकती। ईडब्ल्यूएस कहता है "गरीब की कोई जाति नहीं होती"। एससी/ एसटी/ ओबीसी आरक्षण कहता है "अपमान की भी जाति होती है"। गरीबी का इलाज पैसा है, अपमान का इलाज प्रतिनिधित्व है। एक भूख मिटाता है, दूसरा इज्जत लौटाता है।

निष्कर्ष: ये भारत की प्रगतिशीलता है –आरक्षण देश को तोड़ने के लिए नहीं, जोड़ने के लिए है। यह उस शूद्र के पोते को डॉक्टर बनाने के लिए है जिसे कलम छूने नहीं दी गई थी। और उस गरीब सवर्ण के बेटे को मौका देने के लिए है जो फीस के अभाव में पढ़ाई छोड़ रहा है।

सदियों के जन्म-आधारित जाति तंत्र को संवैधानिक जनतंत्र में बदलना आसान नहीं था। आरक्षण उसी क्रांति का नाम है। ये कमजोरी नहीं, भारत की सबसे बड़ी ताकत और प्रगतिशीलता है। आरक्षण की आत्मा एक ही वाक्य में है– "बीते कल का न्याय और आने वाले कल का अवसर"। जब तक दोनों साथ नहीं चलेंगे, "सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रतिनिधित्व" का सपना अधूरा रहेगा।

-मदन सिंह काला,
पूर्व आई.ए.एस अधिकारी

राशिफल मंगलवार 11 अगस्त, 2026

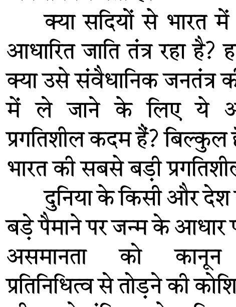

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, पुनर्वसु नक्षत्र दिन 10:10 तक, सिद्धि योग सायं 6:52 तक, विष्टि करण दिन 3:25 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा दिन 3:25 तक रहेगी। आज गुरू उदय पूर्व दिन 3:00 पर होगा। आज मास शिवरात्रि, मंगल गौरी पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:16 से 10:54 तक, लाभ-अमृत 10:54 से 2:10 तक, शुभ 3:48 से 5:26 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:00, सूर्यास्त 7:04

मेष
घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति आज ठीक रहेगी। संभावित धन प्राप्त होगा। आज मानसिक तनाव दूर होगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज धन हानि का भय बना रहेगा। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आज व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य एवं धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके कार्य बनने लगेंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

जयपुर की बदहाली पर कांग्रेस का हल्लाबोल: निगम-जेडीए का घेराव किया

डोटासरा-जूली के नेतृत्व में नेहरू प्लेस से पैदल मार्च, बैरिकेड तोड़ने की कोशिश पर पुलिस से भिड़े कार्यकर्ता

जयपुर। पंचायत और निकाय चुनावों की आहट के बीच जयपुर में सोमवार को कांग्रेस ने स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने टोंक रोड स्थित नेहरू प्लेस से पैदल मार्च कर नगर निगम मुख्यालय का घेराव किया। वहीं, झोटवाड़ा और पृथ्वीराज नगर की

- **सड़क, सीवर, जलभराव, पट्टे और हाईटेंशन लाइन के मुद्दे उठाए**

समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में 200 फीट अजमेर पुलिया से जेडीए कूच किया गया। दोनों प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया। नगर निगम के बाहर स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

नगर निगम घेराव के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड पार कर निगम मुख्यालय की ओर बढ़ने का प्रयास करते रहे। पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए दोनों तरफ से वाटर कैनन चलाए। इसके बावजूद कई कार्यकर्ता पीछे हटने के बजाय वाटर कैनन के पानी में खड़े होकर नारेबाजी करते रहे। करीब एक घंटे तक प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान एक महिला कार्यकर्ता के घायल होकर बेहोश होने की भी जानकारी सामने आई।

खाचरियावास बैरिकेड पर चढ़े, सरकार से मांगा हिसाब:-

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने टोंक रोड स्थित नेहरू प्लेस से पैदल मार्च कर नगर निगम मुख्यालय का घेराव किया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास भी प्रदर्शन में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने उन्हें कंधे पर उठाया। वे बैरिकेड पर चढ़कर भाजपा सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि ढाई साल में जनता को राहत देने के बजाय कचरा टैक्स, यूडी टैक्स और स्मार्ट मीटर के नाम पर वसूली का बोझ बढ़ाया गया है। सरकार को जनता की पाई-पाई का हिसाब देना होगा।

खाचरियावास ने कहा कि जयपुर की सड़कें गड्ढों में तब्दील हैं, नाले भरे पड़े हैं और बारिश के बाद जलभराव से लोग परेशान हैं। सरकार तत्काल सड़कें दुरुस्त करवाए, गड्ढे भरे और नालों की सफाई कराए।

डोटासरा बोले-जेडीए और निगम में भ्रष्टाचार का आरोप:-

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि जयपुर में भ्रष्टाचार चरम पर है और आम जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है। उन्होंने जेडीए और नगर निगम में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि राजधानी की सड़कें टूटी हैं, सफाई व्यवस्था बदहाल है और जलभराव की समस्या बनी हुई है। जयपुर देश-विदेश के पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है, लेकिन शहर की बदहाल व्यवस्था से पर्यटकों और आम लोगों को परेशानी हो रही है।

डोटासरा ने कहा कि अपराध पर भी प्रभावी अंकुश नहीं लग रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में भी जनसमस्याएं बने रहने का आरोप लगाया।

झोटवाड़ा-पृथ्वीराज नगर की समस्याओं को लेकर जेडीए कूच:-

इधर झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र और पृथ्वीराज नगर की समस्याओं को लेकर कांग्रेस नेता अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ता 200 फीट अजमेर पुलिया से रैली के रूप में जेडीए की ओर रवाना हुए। डीसीएम चौराहे के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रैली को रोक दिया।

हाईटेंशन लाइन से लेकर पट्टे और सीवर तक मांगें:-

कांग्रेस ने सभी हाईटेंशन लाइनों को भूमिगत करने, गजसिंहपुरा में सेक्शन 72 के नोटिस और तोड़फोड़ की कार्रवाई रोकने, सभी कॉलोनियों में सीवर लाइन बिछाने, डामरीकृत सड़क, बिजली और पानी की सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।इसके अलावा पृथ्वीराज नगर उत्तर की 18 कॉलोनियों को ग्रीन जोन से नियमित करने और पात्र लोगों को जेडीए पट्टे जारी करने की मांग भी उठाई गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि घनी आबादी वाले क्षेत्रों में वर्षों से रह रहे लोगों को नियमों के तहत पट्टे दिए जाएं तथा पीटी सर्वे के बाद सुविधा क्षेत्र में शामिल किए गए भूखंडों से संबंधित समस्याओं का भी समाधान किया जाए।

अभिषेक चौधरी ने कहा कि गजसिंहपुरा में हाईटेंशन लाइन और सेक्शन 72 के नोटिस से लोगों में भय है। हाईटेंशन लाइनों को भूमिगत करना इसका स्थायी समाधान है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों का जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

भाजपा मंडल अध्यक्ष की नियुक्ति पर अदालत ने जवाब मांगा

जयपुर। अपर सिविल न्यायालय जयपुर दक्षिण, महानगर प्रथम ने भाजपा के चांदपोल मंडल अध्यक्ष के पद पर कैलाश टेकेवाल को नियुक्ति देने से जुडे मामले में भारतीय जनता पार्टी को जरिए प्रदेश अध्यक्ष नोटिस जारी किए हैं। इसके साथ ही अदालत ने पार्टी के राज्य संगठन मंत्री, जिला अध्यक्ष, अनुशासन समिति के संयोजक और कैलाश टेकेवाल से भी जवाब मांगा है। अदालत ने यह आदेश कपिल गुर्जर की ओर से पेश दावे पर सुनवाई करते हुए दिए।

दावे में कहा गया कि वह भाजपा के किशनपोल विधानसभा का चांदपोल मंडल अध्यक्ष है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के निर्देश पर जिला अध्यक्ष ने गत दिनों कैलाश टेकेवाल को चांदपोल मंडल अध्यक्ष के पद पर नियुक्ति दी है। जिससे दो मंडल अध्यक्ष हो गए हैं, जबकि

- **भाजपा के चांदपोल मंडल अध्यक्ष के पद पर कैलाश टेकेवाल को नियुक्ति देने से जुडे मामले में भारतीय जनता पार्टी को जरिए प्रदेश अध्यक्ष नोटिस जारी**

विधान के अनुसार एक ही मंडल अध्यक्ष हो सकता है।

दावे में कहा गया कि प्रार्थी को न तो मंडल अध्यक्ष से हटाया गया है और ना ही उसे कोई नोटिस जारी हुआ। मंडल अध्यक्ष बदलने के लिए पार्टी के विधान एवं नियम, 25 के तहत कार्रवाई होती है, लेकिन टेकेवाल को इस नियम की पालना किए बिना ही मंडल अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया है। दावे में बताया गया कि अनुशासन समिति के संयोजक ने गत 26 फरवरी को फोन कर उसे बुलाया और इस्तीफा देने की मांग की। वादी की ओर से इसका कारण बताने या शिकायत की जानकारी मांगी, लेकिन उसे कारण नहीं बताया गया। दावे में कहा गया कि वह 9 फरवरी, 2025 को मंडल अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुआ था। मंडल की नियुक्ति 35 से 45 साल के कार्यकर्ताओं में से ही हो सकती है, जबकि टेकेवाल की उम्र 51 साल से अधिक हो गई है और वे वर्तमान मंडल समिति में भी शामिल नहीं है। इसके बावजूद उन्हें गत 2 अगस्त को मंडल अध्यक्ष बना दिया। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने संबंधित पक्षकारों से जवाब तलब किया है।

दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। शहर में बढ़ती वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए जयपुर कमिश्नरेट की विशेष टीम (सीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। दोनों आरोपी वैशाली नगर और अशोक नगर थाना क्षेत्रों में दर्ज वाहन चोरी के मामलों में वांछित चल रहे थे।पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि सीएसटी टीम ने आसूचना संकलन और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर कार्रवाई की। टीम ने महेश नगर थाना क्षेत्र से दोनों आरोपियों को दबोचा। पुलिस ने शकील तथा काना सेन को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के अनुसार 3 अगस्त को उन्होंने अपनी हीरो होंडा पैशन प्लस मोटरसाइकिल (आरजे 14 बीएस 2921) अटल उद्यान स्थित शिव मंदिर के सामने खड़ी की थी। कुछ समय बाद लौटने पर बाइक गायब मिली थी।

गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र में पौधारोपण किया

जयपुर । गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र प्रताप नगर में सोमवार को 'हरियालो राजस्थान' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गृह रक्षा के महानिदेशक एवं महासमादेष्टा अनिल पालीवाल, मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान आईजी राजेश मीणा, डीसीजी बदोराव मीणा, कमांडेंट जयपुर स्वाति शर्मा सहित गृह रक्षा के अधिकारी, स्थाई स्टाफ और स्वयंसेवक मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने पौधारोपण कर गृह रक्षा के अधिकारियों, स्थाई स्टाफ और स्वयंसेवकों को अधिकाधिक पौधे लगाने के साथ उनके संरक्षण एवं देखभाल के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों का परिवार के सदस्य की तरह पालन-पोषण और संरक्षण भी जरूरी है। गृह रक्षा स्वयंसेवकों और स्थाई स्टाफ ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इसके बाद पालीवाल ने स्वयंसेवकों को पौधे वितरित किए और उन्हें घर, खेत-खलिहान या ड्यूटी स्थल पर पौधे लगाकर उनकी नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। पालीवाल ने कहा कि गृह रक्षा स्वयंसेवकों के नियोजन के अवसर बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

2030 तक डीजल में पांच प्रतिशत बायोडीजल मिश्रण का लक्ष्य : मदन राठौड़

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय वर्ष 2030 तक डीजल में 5 प्रतिशत बायोडीजल मिश्रण के लक्ष्य को आवश्यक कदम उठा रही है। राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति के तहत इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा बायोडीजल उत्पादन एवं मिश्रण को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जा रहे है।

सरकार ने परिवहन उद्देश्यों के लिए हाई स्पीड डीजल के साथ मिश्रण हेतु बायोडीजल की बिक्री के लिए 'दिशा-निर्देश-2019' अधिसूचित किए हैं। इसके साथ ही मिश्रण कार्यक्रम के लिए बायोडीजल की खरीद पर जीएसटी दर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत तक किया है। सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सदन को यह जानकारी दी।

सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि बायोडीजल की कीमतों के संबंध में सरकार ने बताया कि जून 2021 से 2024 तक तेल विपणन कंपनियों द्वारा घरेलू एवं आयातित फीडस्टॉक की कीमत, उत्पादन लागत और लाभ

- **देश में जैव ईंधन को बढ़ावा देने,आयातित फीडस्टॉक पर निर्भरता कम करने की दिशा में मोदी सरकार कर रही है लगातार प्रयास : मदन राठौड़**

आदि को ध्यान में रखते हुए बायोडीजल की कीमत निर्धारित की गई। वर्तमान में राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति के अनुरूप घरेलू फीडस्टॉक को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से घरेलू फीडस्टॉक की कीमतों को ध्यान में रखकर बायोडीजल की कीमत तय की जाती है। मंत्रालय के अनुसार तेल विपणन कंपनियों के साथ पंजीकृत बायोडीजल विक्रेताओं के आधार पर देश में बायोडीजल की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता लगभग 579 करोड़ लीटर प्रतिवर्ष है।

राठौड़ ने बताया कि देश में जैव ईंधन को बढ़ावा देने, आयातित फीडस्टॉक पर निर्भरता कम करने तथा घरेलू फीडस्टॉक की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में केंद्र की मोदी सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख मांगे

जयपुर। मानसरोवर थाना इलाके में ब्लैकमेलिंग और हनीट्रैप का मामला सामने आया है। एक युवती पर युवक को प्रेमजाल में फंसाने के बाद उसके और बड़े भाई को झूठे दुष्कर्म मामले में फंसाकर जेल भेजने की धमकी देकर 10 लाख रुपए मांगने का आरोप है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर मानसरोवर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हेड कांस्टेबल मदनलाल के अनुसार, मानसरोवर निवासी 26 वर्षीय युवक ने थाने में शिकायत दी कि करीब एक वर्ष पहले उसके छोटे भाई की युवती से मुलाकात हुई थी। बातचीत के बाद दोनों में दोस्ती हुई और युवती ने उसे प्रेमजाल में फंसा लिया। बाद में वह युवक पर शादी का दबाव बनाने लगी। इनकार करने पर कथित रूप से मानसिक प्रताड़ना शुरू कर दी।

शिकायत के अनुसार, युवक द्वारा दूरी बनाने पर युवती ने दोनों भाइयों को झूठे रेप केस में फंसाने और जेल भिजवाने की धमकी देना शुरू कर दिया। वॉट्सऐप कॉल के जरिए परिवार से 10 लाख रुपए की मांग की गई और रुपए नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। लगातार धमकियों से परेशान परिवार ने पुलिस की शरण ली।

कार ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मारी, पिता-बेटी समेत तीन की मौत, कार चालक गिरफ्तार

जयपुर। मालपुरा गेट थाना क्षेत्र में सांगानेर स्टेडियम के पास रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार परिवार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार चारों सदस्य सड़क पर कई फीट दूर जा गिरे। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रेलर ने पिता और उनकी तीन वर्षीय बेटी को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां और पांच वर्षीय बेटा गंभीर घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से भागने लगा और रास्ते में तीन अन्य वाहनों को भी टक्कर मार दी। पुलिस ने पीछा कर कार चालक और उसके साथी को पकड़ लिया।

मालपुरा गेट थानाधिकारी उदयभान यादव ने बताया कि हादसे में प्रताप नगर सेक्टर-19 निवासी विष्णु (35) और उनकी बेटी सृष्टि (3) की मौत हुई है। विष्णु की पत्नी श्वेता केसरी (32) और बेटा चिराग (5) गंभीर घायल हैं। दोनों को उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में घायल अन्य बाइक सवार राजेंद्र (35) की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। राजेंद्र सांगानेर के सचिवालय विहार निवासी थे।

- **दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से भागने लगा और रास्ते में तीन अन्य वाहनों को भी टक्कर मार दी। पुलिस ने पीछा कर कार चालक और उसके साथी को पकड़ लिया**

पुलिस के अनुसार तेज रफ्तार कार चौरड़िया पेट्रोल पंप से सांगासेतु पुलिया की ओर जा रही थी। सांगानेर स्टेडियम के पास कार ने बाइक सवार परिवार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के कारण बाइक समेत चारों लोग सड़क पर दूर जा गिरे। उसी समय सामने से आ रहे ट्रेलर ने सड़क पर गिरे विष्णु और उनकी बेटी सृष्टि को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि दोनों के शव क्षत-विक्षत हो गए और सड़क पर मांस के टुकड़े बिखर गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चारों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने विष्णु और सृष्टि को मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद कार चालक रुकने के बजाय मौके से भागने लगा। सांगानेर थाने की ओर एलएमबी चौराहे के पास बेकाबू कार ने बाइक और स्कूटी समेत तीन वाहनों को टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने नाकाबंदी करवाई और कार का पीछा शुरू किया। पुलिस ने हल्दीघाटी गेट के पास कार को रोककर चालक और उसके साथी को पकड़ लिया तथा कार जब्त कर ली।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी चालक ने सांगानेर थाने के यू-टर्न के पास एक अन्य बाइक को भी टक्कर मारी थी। इस हादसे में बाइक सवार राजेंद्र गंभीर घायल हो गए थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने संयुक्त रिपोर्ट के आधार पर हिट एंड रन का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार चालक उत्तर प्रदेश का रहने वाला बताया गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में चालक के शराब के नशे में होने की बात सामने आई है। पुलिस हादसे के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटनाक्रम की जांच कर रही है।

सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के षष्ठम सत्र की तैयारियां पूर्णता की ओर

जयपुर। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का षष्ठम सत्र दिनांक 20 अगस्त से आरंभ होने जा रहा है। सत्र के सफल, सुचारु एवं व्यवस्थित संचालन के लिए विधानसभा सचिवालय द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। सत्र के दौरान विधान सभा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात, पार्किंग, प्रवेश-निकास, विद्युत, स्वच्छता, चिकित्सा, अग्निशमन तथा अन्य सामान्य व्यवस्थाओं को लेकर भी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर सोमवार को विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने षष्ठम सत्र से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली बैठक में विधानसभा परिसर में वाहनों के प्रवेश एवं निकास, निर्धारित पार्किंग स्थलों, सत्रकालीन वाहन प्रवेश-पत्र, पैदल प्रवेश-निकास, आगंतुकों एवं प्रतिनिधिमंडलों के प्रवेश, सुरक्षा जांच, अग्निशमन एवं चिकित्सा व्यवस्थाओं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

राज्य निर्वाचन आयोग ने 15 अगस्त तक चुनाव से जुड़े अधिकारियों के तबादले पूरे करने के निर्देश दिए

जयपुर। नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 को लेकर राजस्थान में चुनावी तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने सोमवार को शासन सचिवालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनाव की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, निर्वाचन कार्मिकों की उपलब्धता, मतदान केन्द्रों और आरक्षण संबंधी कार्यवाही की समीक्षा की। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि'एक राज्य-एक चुनाव'के तहत पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों में एक साथ चुनाव कराने का उद्देश्य राजनीतिक स्थिरता, प्रशासनिक निरंतरता और चुनावी संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव होने से आर्थिक संसाधनों की बचत होगी और प्रशासनिक मशीनरी

राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने शासन सचिवालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

को बार-बार चुनावी प्रक्रिया में लगाने की आवश्यकता कम होगी। इससे विकास योजनाओं की गति बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। बैठक में चुनावों की चरणबद्ध व्यवस्था की भी विस्तार से समीक्षा की गई। प्रदेश में नगर निकाय चुनाव के लिए करीब18 हजारतथा पंचायत चुनाव के लिए लगभग48 हजार मतदान केन्द्रस्थापित किए जाने की तैयारी है।

नगर निकाय चुनाव 39 जिलों में दो चरणों में कराने की व्यवस्था प्रस्तावित है, जबकिफलोदी और सलूम्बर जिलों में एक चरणमें चुनाव कराया जाएगा। वहीं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 36 जिलों में चार चरणों, चार जिलों में दो चरणों तथा एक जिले में एक चरण में कराने की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है।जैसलमेर में एक चरणमें पंचायत चुनाव कराने की व्यवस्था है।

चुनाव में पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य और नगर निकाय सदस्यों के लिएईवीएम से मतदानकराया जाएगा। वहीं पंच और सरपंच के चुनाव के लिएमतपेटी के माध्यम से मतदानहोगा। बैठक में निर्वाचन कार्मिकों की उपलब्धता को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। सचिव राज्य निर्वाचन आयोगराजेश

- **निकाय-पंचायत चुनाव 2026 की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, 66 हजार से अधिक मतदान केन्द्रों की तैयारी**

वर्माने बताया कि पहले चरण में 140 नगर निकायों, 5,050 वार्डों और 10,185 मतदान केन्द्रों के लिए 71,295 सिविल निर्वाचन कार्मिक तथा 61,110 पुलिस कार्मिकों की आवश्यकता होगी। दूसरे चरण में 169 नगर निकायों, 5,195 वार्डों और 6,280 मतदान केन्द्रों के लिए 43,960 सिविल निर्वाचन कार्मिकों की आवश्यकता बताई गई। बैठक में प्रमुख शासन सचिव राजस्वटी. रविकान्त, महानिदेशक पुलिससंजय अग्रवाल, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिसवी.के. सिंह, संयुक्त शासन सचिव वित्तवरुण मिश्रा, संयुक्त शासन सचिव गृहमनीष गोयल, उपनिदेशक स्थानीय निकाय विभागमुकेश मूंडसहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पुष्कर की चारागाह भूमि को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका, सरकार से जवाब तलब

फार्म हाउस और रिसोर्ट योजना के तहत चारागाह भूमि के व्यावसायिक उपयोग पर रोक की मांग, हाईकोर्ट ने सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किए

■ **याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि चारागाह भूमि पर रिसोर्ट योजना को लेकर क्षेत्र में लगातार लोगों का आक्रोश सामने आ रहा है**

अजमेर, (कासं)। पुष्कर क्षेत्र की चारागाह भूमि को व्यावसायिक उपयोग में लिए जाने के मामले को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि पशुओं, किसानों और ग्रामीणों के सामुदायिक हित से जुड़ी चारागाह भूमि को फार्म हाउस और रिसोर्ट विकसित करने के लिए उपयोग में लिया जा रहा है। मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सरकार सहित संबंधित पक्षकारों से जवाब तलब किया है।

एडवोकेट अशोक सिंह रावत ने बताया कि याचिका के अनुसार मामला अजमेर जिले के पुष्कर और बूढ़ा पुष्कर क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। इसमें बताया गया कि जिला कलैक्टर अजमेर ने 3 जून 2025 को एक आदेश जारी कर विशाल चारागाह भूमि को अजमेर विकास प्राधिकरण को हस्तांतरित कर दिया था। इसके बाद पुष्कर तहसील के कुल 23 खसरों की करीब 166.7551 हेक्टेयर भूमि का उपयोग परिवर्तन कर उसे अजमेर विकास प्राधिकरण के नाम किए जाने का उल्लेख याचिका में किया गया है। यह भूमि कानस, गोयला, नेड़लिया और पुष्कर क्षेत्र के राजस्व गांवों के अंतर्गत आती है तथा राजस्व रिकॉर्ड में चारागाह के रूप में दर्ज बताई गई है।

याचिका में कहा गया है कि उक्त भूमि पर अजमेर विकास प्राधिकरण की ओर से फार्म एंड हाउस स्कीम कनास के नाम से योजना का अंतिम लेआउट जारी किया गया है। इसके तहत फार्म हाउस के लिए भूमि की नीलामी किए जाने की बात कही गई है। इसको लेकर क्षेत्रवासियों में लगातार आक्रोश बना हुआ था।

याचिका में आरोप लगाया गया कि प्रशासन और सरकार के स्तर पर शिकायतों का समाधान नहीं होने पर पूर्व प्रधान अशोक सिंह रावत और क्षेत्रीय नेता महेंद्र सिंह रावत के माध्यम से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर राहत की मांग की गई। याचिका में चारागाह भूमि को पशुपालकों और ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा गया है कि ऐसी सामुदायिक भूमि का उपयोग रिसोर्ट और फार्म हाउस बनाने के लिए किए जाने से ग्रामीणों, पशुपालकों तथा पशुओं के लिए चराई और संरक्षण से जुड़ी समस्याएं पैदा होंगी। याचिका में यह भी कहा गया कि सरकार एक ओर गौवंश और पशुधन संरक्षण की बात करती है, जबकि दूसरी ओर चारागाह जैसी सामुदायिक भूमि को व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।

याचिका में जिला कलैक्टर अजमेर की ओर से 3 जून 2025 को जारी आदेश को रद्द करने तथा अजमेर विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 की धारा 48 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है। इसके साथ ही उक्त आदेश के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगाने और फार्म हाउस स्कीम कनास के तहत किसी भी प्रकार के निर्माण, आवंटन अथवा विकास कार्य पर रोक लगाने की मांग भी की गई है। मामले की सुनवाई राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह एवं संदीप तनेजा की खंडपीठ ने की। खंडपीठ ने प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान सरकार, अजमेर विकास प्राधिकरण तथा जिला कलैक्टर अजमेर सहित सभी संबंधित पक्षकारों को आधिकारिक नोटिस जारी किए हैं और सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि चारागाह भूमि पर रिसोर्ट योजना को लेकर क्षेत्र में लगातार लोगों का आक्रोश सामने आ रहा है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि मामले का असर आगामी पंचायत राज चुनावों पर भी पड़ सकता है। याचिका की पैरवी अधिवक्ता विवेक पाराशर और जावेद खान ने की।

दिवाली से पहले जैसलमेर से नियमित उड़ानों का संचालन शुरु होगा

इंडिगो और एयर इंडिया ने अपना शीतकालीन शेड्यूल जारी किया

■ **उड़ानों के पुनः संचालन से स्थानीय हस्तशिल्प, कैब ड्राइवर्स, गाइड, होटल और डेजर्ट सफारी से जुड़े लोगों के चेहरे खिले**

जैसलमेर, (निसं)। त्यौहारों के सीजन में जैसलमेर के निवासियों और यहां आने वाले पर्यटकों के लिए एक राहत भरी खबर आई है। इस बार दीपावली से ठीक पहले शहर का हवाई संपर्क देश के प्रमुख महानगरों से फिर से बहाल होने जा रहा है।

जानकारी के अनुसार आठ नवंबर को मनाए जाने वाले दीपावली के त्यौहार से कुछ ही दिन पहले, 25 अक्टूबर से जैसलमेर हवाई अड्डे से नियमित उड़ानों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। हवाई सेवा प्रदाता कंपनियों, इंडिगो और एयर इंडिया ने अपना शीतकालीन शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके साथ ही उड़ानों के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। पर्यटन के लिहाज से जैसलमेर के लिए यह समय बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।द्ध

शीतकालीन सीजन की शुरुआत और दीपावली के त्यौहार के आसपास हर साल लाखों की संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक देश की प्रसिद्ध गोल्डन सिटी का रुख करते हैं। दोनों प्रमुख एयरलाइंस, इंडिगो और एयर इंडिया, ने अपनी आधिकारिक वेबसाइटों और मोबाइल ऐप्स पर इन रूट्स के लिए टिकटों की बुकिंग लाइव कर दी है। इसके अलावा प्रमुख ट्रैवल पोर्टल्स के जरिए भी यात्री अपने सफर के लिए एडवांस बुकिंग करवा सकते हैं। शुरुआती रुझानों के अनुसार दीपावली के आसपास की तिथियों के लिए टिकटों की मांग अभी से तेजी पकड़ने लगी है।

जैसलमेर में गर्मियों के दौरान हवाई सेवाएं स्थगित रहती हैं। इससे पर्यटन कारोबार पर असर पड़ता है। शीतकालीन सीजन में उड़ानों के पुनः संचालन से स्थानीय हस्तशिल्प, कैब ड्राइवर्स, गाइड, होटल और डेजर्ट सफारी से जुड़े लोगों के चेहरे खिल गए हैं। पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि दिल्ली और मुंबई से सीधी कनेक्टिविटी मिलने के कारण इस बार दीपावली और न्यू ईयर सीजन में पर्यटकों की आवक के पुराने रिकॉर्ड टूट सकते हैं। नए शेड्यूल के मुताबिक, शुरुआत में जैसलमेर को देश के दो सबसे बड़े व्यावसायिक और प्रशासनिक केंद्रों, दिल्ली और मुंबई, से सीधा जोड़ा जा रहा है। 5 उड़ानों का शेड्यूल तय किया है।

जैसलमेर से दिल्ली मार्ग पर ाात्रियों की आवाजाही के लिए कुल 3 उड़ानों की शुरुआत की जा रही है। इनमें से एयर इंडिया दो उड़ानों का संचालन करेगी। इंडिगो एयरलाइंस एक उड़ान संचालित करेगी।

जैसलमेर से देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के लिए कुल 2 उड़ानें उपलब्ध रहेंगी। इसमें एक फ्लाइट इंडिगो की होगी। एक फ्लाइट एयर इंडिया की होगी।

कोटा के जेके लोन अस्पताल में भर्ती प्रसूता की मौत

■ **प्रसूता के परिजनों ने नयापुरा थाने में चिकित्सकों के खिलाफ लापरवाही की शिकायत दी**

■ **जेके लोन अस्पताल की सुपरिटेंडेंट डॉक्टर निर्मला शर्मा का कहना है कि मरीज की मौत अचानक से हृदय में खून का थक्का जमने के चलते हुई**

कोटा, (निसं)। जेके लोन अस्पताल में एक बार फिर प्रसूता की मौत के बाद हंगामा हुआ है। कैथून के नजदीक खेड़ा रामपुर निवासी प्रसूता गंगोत्री ने सोमवार सुबह छह बजे दम तोड़ दिया। इसके बाद उसके परिजनों ने नयापुरा थाने में चिकित्सकों के खिलाफ लापरवाही की शिकायत दी है। उसकी बॉडी को मोर्चरी में शिफ्ट कर दिया गया है।

गंगोत्री माली को 8 अगस्त को अस्पताल में डिलीवरी के लिए भर्ती किया था। उसकी नॉर्मल डिलीवरी हुई थी लेकिन ब्लीडिंग नहीं रुकने के कारण उसे हाई डिपेंडेंसी यूनिट में रखा हुआ था। यहां पर उसने दम तोड़ दिया। जेके लोन अस्पताल की सुपरिटेंडेंट डॉक्टर निर्मला शर्मा का कहना है कि मरीज की मौत अचानक से हृदय में खून का थक्का जमने के चलते हुई। प्रसूता गंगोत्री सीरियस कंडीशन में ही थी। ब्लीडिंग नहीं रुकने के चलते उसे ब्लड भी चढ़ाया गया था। इसके बाद वह ठीक हो गई थी। वह रविवार के दिन स्टेबल थी। उसे एक-दो दिन रखने के बाद डिस्चार्ज करना था, लेकिन आज अचानक ही सुबह हृदय में खून का थक्का (ब्लॉकेज) जम गया था। इसी के चलते उसकी मौत हुई है। उसने सुबह चाय भी पी थी ठीक से बैठ भी रही थी। हमने बॉडी को शिफ्ट करवाया है और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा रहे हैं ताकि परिजनों को कोई शंका नहीं रहे।

गंगोत्री के पति राकेश सुमन का आरोप है कि स्टॉफ ने काफी दुर्व्यवहार किया है। स्टॉफ नर्स और चिकित्सक बदतमीजी से बात करते थे। यहां तक कि नर्सिंग स्टॉफ ने उनकी बहन को चांटा मारने की कोशिश भी की है। इसके अलावा इलाज में भी काफी लापरवाही बरती है। राकेश का कहना है कि गंगोत्री 34 वर्षीय थी और उसकी यह पहली डिलीवरी थी। उसे तबीयत बिगड़ने पर 8 अगस्त को सुबह 5 बजे अस्पताल लेकर आए थे लेकिन चिकित्सकों ने नॉर्मल बताते हुए वापस भेज दिया था। इसके बाद दोबारा उसके लेबर पेन होने पर शाम को 5 बजे जेके लोन अस्पताल में भर्ती कर दिया था जहां पर रात 11 बजे उसकी नॉर्मल डिलीवरी हो गई थी। नवजात बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है, लेकिन गंगोत्री की तबीयत बिगड़ गई।

राकेश का कहना है कि उसकी बहन राजेश पूरी रात गंगोत्री के पास थी। जब उसने सुबह गंगोत्री के हाथ लगाया तब उसकी मौत हो गई थी। उन्हें सुबह 6 बजे हाई डिपेंडेंसी यूनिट में बुलाया गया और डॉक्टर ने कहा कि गंगोत्री की हालात सीरियस है। उसका आरोप है कि किसी कागज पर साईन भी करवाए जा रहे थे, लेकिन उसने साईन नहीं किए। डॉक्टर की लापरवाही पर कार्रवाई होनी चाहिए और हम तब तक शव नहीं उठाएंगे। इस मामले में परिजन और ग्रामीण मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए। बड़ी संख्या में पुलिस जाप्ता भी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में लगाया गया। आरएसी की टीम को भी मौके पर तैनात किया गया।

परिजनों का आरोप है कि नवजात की मां चिकित्सकों की लापरवाही से चली गई है। गंगोत्री के उपचार में शामिल चिकित्सकों पर कार्रवाई और पूरे मामले की जांच की मांग उन्होंने की है। कांग्रेस के लाडपुरा ब्लॉक अध्यक्ष अनूप मेहरा का कहना है कि मृतक के परिजनों को मुआवजा मिलना चाहिए क्योंकि नवजात की लालन-पालन की जिम्मेदारी कौन संभालेगा।

भंवरलाल भ्रमर को मिलेगा पुरस्कार

जयपुर /चूरू। प्रयास संस्थान चूरू की ओर से प्रतिवर्ष राजस्थानी भाषा के ख्यातनाम कथाकार बैजनाथ पंवार की

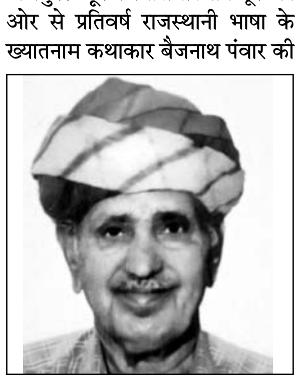

स्मृति में दिया जा रहा बैजनाथ पंवार कथा साहित्य पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए बीकानेर के साहित्यकार भंवरलाल सुथार भ्रमर को दिया जाएगा। प्रयास संस्थान के संस्थापक डॉ. दुलाराम सहारण ने बताया कि साहित्यकार भंवरलाल सुथार भ्रमर को उनकी राजस्थानी कथाकृति ऊपरलो पासो के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व यह पुरस्कार रामस्वरूप किसान, नंद भारद्वाज, मेहरचंद धामू, अतुल कनक, अरविंद आशिया, जितेंद्र निर्मोही, मदन सैनी जैसे नामचीन लेखकों के दिया जा चुका है। संस्थान सचिव कमल शर्मा ने बताया कि चूरू में प्रस्तावित समारोह में भ्रमर को पुरस्कार स्वरूप ग्यारह हजार रुपए, शॉल व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

अमित शाह की रैली में भीड़ जुटाने के लिए बसें नहीं देंगे अलवर के बस संचालक

■ **अलवर में प्राईवेट बसों के पहिए आज रात थम जाएंगे, मांगें नहीं मानने पर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सरकार को बसें उपलब्ध नहीं कराएंगे निजी बस संचालक**

■ **16 अगस्त को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का प्रस्तावित दौरा है, भाजपा को अगर प्राईवेट बसें उपलब्ध नहीं हुई तो उलझन बढ़ जायेगी**

अलवर, (निसं)। भाजपा के लिए अलवर में बस ऑपरेटर यूनियन की अनिश्चित कालीन हडताल गले की फांस बनने वाली है, क्योंकि आगामी 16 अगस्त को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का प्रस्तावित दौरा है और एक लाख की भीड़ जुटाने के दावा करने वाली भाजपा को अगर प्राईवेट बसें उपलब्ध नहीं हुई तो यह भीड़ जुटाने के लिये भाजपा की उलझन बढ़ जायेगी, क्योंकि बस ऑपरेटर यूनियन ने साफ कह दिया है कि अगर सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानी तो वे इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सरकार को बसें उपलब्ध नहीं कराएंगे। अलवर में 16 अगस्त होने वाली केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जनसभा से पहले निजी बस ऑपरेटरों ने हड़ताल की चेतावनी दी है। आज रात 12 बजे से शहर और जिले में निजी और लोक परिवहन बसों का संचालन पूरी तरह ठप हो जाएगा। इस हड़ताल से प्रतिदिन सफर करने वाले करीब 30 हजार यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ेगी, वहीं 16 अगस्त को अमित शाह की रैली के लिए भीड़ जुटाने का दावा कर रहे बीजेपी नेताओं और परिवहन विभाग के अधिकारियों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

बस ऑपरेटरों ने कहा कि उनकी मांगें नहीं मानी तो अनिश्चतकालीन हड़ताल जारी रहेगी। इस बीच गृह मंत्री की रैली के लिए भी बसें नहीं देंगे।

अलवर निजी बस ऑपरेटर यूनियन के अध्यक्ष मुरारी लाल भारद्वाज ने साफ कहा कि सोमवार रात से लोक परिवहन और निजी बसें पूरी तरह बंद रहेंगी। आने वाले दिनों में हड़ताल का दायरा बढ़ाते हुए स्कूल और फैक्ट्री बसों का संचालन भी बंद कराया जाएगा। यदि अमित शाह की जनसभा से पहले सरकार ने बस ऑपरेटरों की मांगें नहीं मानीं, तो रैली के लिए एक भी बस उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। सरकार ने वीएलटीडी लागू कर दिया है, लेकिन इसका सर्वेयर सिस्टम बंद पड़ा है, जिससे ऑपरेटरों को परेशानी हो रही है। डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार काफी समय से यात्री किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं कर रही।

ऑपरेटरों का कहना है कि सरकार बार-बार नए नियम थोप देती है। हर दूसरे साल बसों में बदलाव करना आर्थिक रूप से संभव नहीं है। रास्ते में चलती बसों को रोककर यात्रियों को परेशान किया जाता है। बिना स्पष्ट कारण बताए ऑनलाइन चालान काट दिए जाते हैं, जिनका पता बाद में आरटीओ में काम पड़ने पर चलता है। बसों में आग लगने की घटनाओं के सही कारणों की जांच करने के बजाय प्रशासन केवल चालान काटने की खानापूर्ति कर रहा है।

निजी बस मालिक बृजेंद्र भारद्वाज ने बताया कि एनसीआर के नाम पर पहले ही 10 साल पुरानी बसों को बंद करा दिया गया। अब रोजाना नए नियमों से संचालक परेशान हैं। सरकार ने कोई स्पष्ट पैरामीटर या विकल्प नहीं दिया है। अलवर में भले स्लीपर बसों का दबाव कम हो और लोक परिवहन बसें ज्यादा चलती हों, लेकिन बड़े शहरों में स्लीपर बसें भी रात 12 बजे से बंद हो जाएंगी। यह असंतोष अब जयपुर तक पहुंच चुका है।

पिकअप पलटने से घायल हुए 14 में से दो जनों की मौत

■ **पिकअप सवार जोधपुर में विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में रविवार को पिकअप पलटने से घायल हुए 14 लोगों में से दो की सोमवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। सभी जोधपुर में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे। हादसे के बाद घायलों को बावड़ी लेकर गए थे, जिसके बाद इन्हें जोधपुर के मथुरादास माथुर हॉस्पिटल रैफर कर दिया गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पहले सभी को बावड़ी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। बाद में जोधपुर के मथुरादास माथुर हॉस्पिटल रैफर कर दिया गया। इलाज के दौरान सोमवार को भोपालगढ़ के तांबड़िया निवासी रमेश (30) पुत्र खीयाराम और सोपड़ा निवासी सुरेश (15) पुत्र गजाराम की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार हादसा नेशनल हाईवे-62 पर बावड़ी स्थित एचपी गैस सर्विस के पास हुआ था। पिकअप में 23 लोग सवार थे। अचानक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई थी। हादसे के बाद काफिले में शामिल बाकी लोगों ने घायलों को संभाला था। इस हादसे में भलाराम, शिवराम, दीनानाथ, नेनूराम, गोविंद, हरदेव, रामजीवन, भगवाना राम, लूणाराम, नरसिंग और सुरेश पुत्र खीयाराम घायल हो गए। इधर, हादसे की सूचना मिलने पर ग्रामीण एसपी पंकज यादव भी बावड़ी चौकी पहुंचे और घटना की जानकारी ली। वहीं भोपालगढ़ सीओ भंवरलाल और खेड़ापा थानाधिकारी लखाराम जाखड़ भी मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि पिकअप अनियंत्रित होने की वजह से पलटी थी।

लूट के चार आरोपी गिरफ्तार : उदयपुर शहर के बडगांव थाना पुलिस ने पीड़िता भंवरीबाई पत्नी मोहनाल खारोल निवासी त्रिवेणी हॉस्पीटल के पास फतहपुरा की रिपोर्ट पर आरोपी साहिल, मिनाक्षी व साथी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि मैं 9 अगस्त सवेरे खेत पर जा रही थी। इस दौरान आरोपी मेरा बैग छीन कर ऑटो में सवार होकर फरार हो गए। इस मामले में बडगांव थानाधिकारी हितेश यादव के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी औंकारसिंह ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

उदयपुर में अलग-अलग हादसों में दो की मौत

उदयपुर, (निसं)। डबोक थाना क्षैत्र में ट्रेलर की टक्कर से बाक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार रात में डबोक थाना क्षेत्र पावर हाउस से रिको गुडली रोड़ पर ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर घायल बाइक चालक वाजमिया वल्लभनगर निवासी महिपालसिंह पुत्र शिवसिंह राजपूत की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। महिपाल प्राईवेट नौकरी करता था एवं बाइक लेकर जा रहा था। इस दौरान सामने से आ रहे ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी थी। हादसे की सूचना मिलने पर एएसआई मुकेश ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। वहीं शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र आकाश वाणी कॉलोनी में रविवार को जहरीले जानवर के काटने से यूपी सिद्धार्थ नगर हॉल भुवाणा सुखेर निवासी रामसंजीवन पुत्र राजाराम साहनी की मौत हो गई। राजसंजीवन कॉलोनी में रंगाई पुताई का काम कर रहा था। इस दौरान खाली भूखण्ड में पेशाब करने गया। जहां जहरीले जानवर के काटने से अचेत होने उसे उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई।

चिकित्सा अधिकारियों के 600 पदों पर भर्ती की विज्ञप्ति जल्द

■ **चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने भर्ती की विज्ञप्ति जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की**

जयपुर। प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने तथा सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने चिकित्सा अधिकारियों के 600 पदों पर भर्ती की विज्ञप्ति जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इन पदों पर भर्ती के लिए विज्ञप्ति जल्द जारी की जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की प्राथमिकता प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए चिकित्सकों सहित विभिन्न संवर्गों में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। खींवसर ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न संवर्गों के कुल 39,288 पदों पर भर्ती एवं नियुक्ति की कार्यवाही की जा चुकी है। जिसमें 208 चिकित्सा अधिकारी (दंत) ,1,699 चिकित्सा अधिकारी,19,240 अराजपत्रित संवर्ग के पदों पर नियुक्तियाँ की जा चुकी हैं, इसी प्रकार चिकित्सा शिक्षा संवर्ग में सहायक आचार्य 14 पदों पर एवं सहायक आचार्य के 1 नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है। वहीं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 18,126 पदों पर नियुक्तियां दी गई है।

उन्होंने कहा कि 600 चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे सरकारी चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी और मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। खींवसर ने कहा कि सरकार का विशेष ध्यान ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों सहित सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त चिकित्सकीय मानव संसाधन उपलब्ध कराने पर है। चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता बढ़ने से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि निरामय राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सुदृढ़ीकरण और मानव संसाधन की उपलब्धता पर निरंतर कार्य कर रही है।

युवती से दुष्कर्म का आरोप

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम में एक युवती को शादी का झांसा देकर साल भर तक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता द्वारा थाने में प्रकरण दर्ज कराया गया है। पीड़िता का आरोप है कि युवक ने उसके गहने भी हड़प कर लिए और अब शादी से मना कर कर दिया। पीड़िता ने प्रतापनगर थाने में इस बाबत केस दर्ज कराया है। जांच उच्चाधिकारी की तरफ से की जा रही है।

पीड़िता ने पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी दोस्ती युवक से हुई थी। बाद में वह उससे मिलने लगी और युवक ने शादी का झांसा देकर एक होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद भी वह साल भर से उसव दैहिक शोषण करता रहा। इस दौरान उसके गहने भी हड़प कर लिए। पीड़िता का आरोप है कि उस पर जब शादी का दबाव बनाया गया तो वह टालमटोल जवाब देने लगा। प्रतापनगर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

Office of the District Election Officer (Panchayat) (Collector), Balotara (Rajasthan)

File No.:- DMBLT/ELEC/Acct/2026-2714757 Date:-07.08.2026

Notice Inviting Bid 01/2026-27 & 02/2026-27

Bids for Election Goods and Service are invited from interested bidders up to 18.00 PM 11.08.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp and https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is as mentioned below.

Sr. No.	NIB No.	UBN No.	Tender ID	Bid Amount	Bid Items
1.	NIT01/2026-27	DBL2627 SLOB00016	2026_ELECT_ 579607_1	30.00 Lacs	मतपत्र मुद्रण
2	NIT02/2026-27	DBL2627 SLOB00014	2026_ELECT_ 579687_1	20.00 Lacs	चाय नाश्ता एवं भोजन व्यवस्था
3.	NIT02/2026-27	DBL2627 GLOB00015	2026_ELECT_ 579656_1	20.00 Lacs	मतदान व मतगणना सामग्री

उप जिला निर्वाचन अधिकारी
बालोतरा

DIPR/C/14157/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, गंगनहर ओ.एफ.डी खण्ड-पंचम, सिंक्षेवि श्रीकरणपुर

क्रमांक :- लेखा / दिनांकः-As per Sign

ई-निविदा सूचना संख्या 04 वर्ष 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से Construction of Pucca water course in GCP-II Chak 3 FA एवं Chak 31 F की अनुमानित लागत क्रमशः 113.28 एवं 149.04 लाख के लगभग है व Construction of Pucca Water Courses in Bhakhra Canal Project Chak 1 KSD एवं Chak 4 KSD की अनुमानित लागत क्रमशः 186.97 एवं 92.91 लाख व Reconstruction of damaged lined Water Courses in IGNP ST.-I Chak 22 SD ??? Chak 2 RM एवं 2 की अनुमानित लागत क्रमशः 76.88 एवं 104.25 लाख के कार्य हेतु ऑन-लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन / डाउनलोड की अवधि दिनांक 03.08.2026 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 13.08.2026 को सायं 6.00 बजे तक होगी। प्राप्त तकनीकी निविदाएं इलेक्ट्रोनिक फोर्मेट में https://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 14.08.2026 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https:// cad.rajasthan.gov.in डीआईपीआर की वेबसाईट www. dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

(भंवर सिंह बाजडोलिया)
अधिशाषी अभियन्ता गंगनहर
ओएफडी खण्ड पंचम सिंक्षेवि,
श्रीकरणपुर मोबाईल-7424978555

S.no.	Name of Work	UBN Number
1	Construction of Pucca water course GCP-II in Chak 3 FA	CDB2627WSOB00050
2	Construction of Pucca water course GCP-II in Chak 31 F	CDB2627WSOB00051
3	Construction of Pucca water course BCP in Chak 1 KSD	CDB2627WSOB00052
4	Construction of Pucca water course BCP in Chak 4 KSD	CDB2627WSOB00053
5	Reconstruction of damaged lined Water Courses in IGNP ST.-I IN Chak 22 SD	CDB2627WSOB00054
6	Reconstruction of damaged lined Water Courses in IGNP ST.-I IN Chak 2 RM	CDB2627WSOB00055

DIPR/C/13759/2026

अवैध हथियार सहित आरोपी को पकड़ा

कोटा, (निसं)। कैथून पुलिस टीम ने इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध देशी कट्टा मय जिंदा कारतूस सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अपराधों की रोकथाम व वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन क्रिमीनल डस्टिंग चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि कैथून थानाधिकारी मनोज सिकरवार ने मय जाप्ता इलाके में गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए संदेह होने पर एक व्यक्ति को डिटेन कर तलाशी ली तो उसके पास से अवैध देशी कट्टा सहित जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर आर्म्स एक्ट में कार्रवाई करते हुए सिमलिया निवासी राम मेघवाल (20) को गिरफ्तार किया।

तीन करोड़ की नशीली टैबलेट और एमडीएमए बरामद, दो गिरफ्तार

एएनटीएफ ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में एक कार भी जब्त की

जालोर, (कासं)। प्रदेश में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की कार्रवाई लगातार जारी है। एएनटीएफ ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में भारी मात्रा में नशीली प्रतिबंधित दवाइयां और एमडीएमए बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान एक कार भी जब्त की गई।

एएनटीएफ की टीम ने जोधपुर जिले के चामू थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 3.68 लाख अवैध नशीली प्रतिबंधित टैबलेट बरामद की। बरामद नशीली दवाइयों की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 3.01 करोड़ रुपये बताई गई है। एएनटीएफ टीम को सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध कार में भारी मात्रा में नशीली प्रतिबंधित गोलियां ले जाई जा रही हैं। टीम ने बालोतरा से ओसियां जाने वाले मार्ग पर निगरानी शुरू की। संदिग्ध कार दिखाई देने पर टीम ने उसका पीछा किया और आगे जाकर कार को रुकवाया। तलाशी के दौरान कार से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली गोलियां बरामद हुईं। मामले में बनाराम पुत्र अबलाराम जाट, निवासी तिवरी, थाना मथानिया, जिला जोधपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया गया। कार भी जब्त कर ली गई। बरामद दवाइयों में प्रतिबंधित टैबलेट शामिल बताई गई हैं।

वहीं दूसरी कार्रवाई में एएनटीएफ टीम ने बीकानेर के सदर थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर 16.49 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए बरामद किया। टीम को सूचना मिली थी कि भुजों के चौराहे से पुलिस लाइन की ओर एक संदिग्ध युवक जा रहा है। निगरानी के दौरान युवक दिखाई दिया। पुलिस के अनुसार, युवक ने सरकारी वाहन देखकर अपनी पहचान छिपाने का प्रयास किया, जिसके बाद टीम ने उसे रोककर तलाशी ली। तलाशी में एमडीएमए बरामद होने पर सोफीन खान उर्फ पिचका पुत्र अली खान, निवासी मेजर पूर्ण सिंह डेरे के पीछे, भुजों का बास, थाना सदर बीकानेर को गिरफ्तार किया गया। महानिरीक्षक पुलिस, एएनटीएफ राजस्थान शरत कविराज ने बताया कि नशे के सौदागरों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

युवक ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। गोवर्धन विलास थाना क्षैत्र में युवक ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सवेरे दक्षिण विस्तार ओम बन्ना निवासी राहुल (25) पुत्र बसंत यादव ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया। जिसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई देवेन्द्रपुरी ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। राहुल इलेक्ट्रीक का काम करते समय झुलस गया था उसके बाद से घर पर ही था। तीन वर्ष पूर्व पत्नी भी उसे छोड़ कर चली गई थी। इसी तनाव के चलते उसे विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया था।

नाबालिग से दुष्कर्म के अभियुक्त को सजा

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर द्वितीय ने नाबालिग का अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त अजीत सिंह को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 2.20 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियुक्त को पूर्व में भी दुष्कर्म के दो मामलों में सजा हो चुकी है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि पीडिता के पिता ने 19 नवंबर, 2022 को करधनी थाने में पेश होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी 16 साल की बेटी बीते दिन स्कूल जाने का कहकर गई थी और देर शाम वापस लौटी थी। पूछने पर बेटी ने बताया कि अभियुक्त उसे रास्ते में मिलकर बातचीत करता था। बीते मई-जून माह में वह उसे बिंदायका के एक होटल में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद वह वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आए दिन बुलाता और दुष्कर्म करता। अभियुक्त 18 नवंबर को भी उसे सिंधी कैंप के पास होटल में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

अंतरराज्यीय "बिच्छू गैंग" के चार आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों के खिलाफ हत्या, चोरी और गैंगस्टर एक्ट सहित कई मामले दर्ज

जयपुर। जयपुर ग्रामीण की मौखमपुरा थाना पुलिस ने पालू खुर्द गांव में हुई करीब 51 लाख रुपए की नकबजनी का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय 'बिच्छू गैंग' के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ हत्या, आर्म्स एक्ट, नकबजनी, चोरी और गैंगस्टर एक्ट सहित कई मामले दर्ज हैं। आरोपी हाल में उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में भी शामिल रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों से चोरी के सोने के आभूषण बरामद किए हैं। मामले में अन्य आरोपियों और शेष माल की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि 7 जुलाई को पालू खुर्द निवासी प्रताप सिंह पुत्र नारायण सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर घर में घुसे और सोने-चांदी के जेवरात तथा नकदी से भरी लोहे की अलमारी उठाकर ले गए। चोरी गए माल की कुल कीमत करीब 51 लाख रुपए बताई गई।

मौखमपुरा थाना पुलिस ने पालू खुर्द गांव में हुई करीब 51 लाख रुपए की नकबजनी का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय 'बिच्छू गैंग' के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

वारदात की गंभीरता को देखते हुए एएसपी दूदू शिवलाल बैरवा, एएसपी अनुपम मिश्रा और थानाधिकारी सुरेश कुमार गुर्जर के नेतृत्व में तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने एनएच-48 पर करीब 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और करीब 200 संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों से पूछताछ की।

जांच के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध एर्टिगा कार दिखाई दी। कार के आगे के टायर पर व्हील कैप नहीं लगी थी। पुलिस ने इस छोटी सी कमी को महत्वपूर्ण सुराग माना और कार का करीब 600 किलोमीटर तक पीछा करते हुए उरई (जालौन, उत्तर प्रदेश) पहुंचकर अंकित राजपूत उर्फ शूटर (19) निवासी मेहरा, थाना बिवार, जिला हमीरपुर, राघवेंद्र राजपूत उर्फ रघु (24) निवासी मेहरा, थाना बिवार, हमीरपुर, बृजेंद्र (23) निवासी बिलगांव पतरिया डेरा, थाना जलालपुर, हमीरपुर और जयहिंद सोनी (32) निवासी तुर्रा महार, थाना पनवाड़ी, जिला महोबा को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि गैंग में करीब 8 से 10 सदस्य होने की जानकारी मिली है। आरोपी एर्टिगा कार से वारदात के लिए निकलते थे। पुलिस के अनुसार गैंग के सदस्य गूगल मैप

- पुलिस ने आरोपियों से चोरी के सोने के आभूषण बरामद किए

की मदद से राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास बसे गांवों में बड़े और आलीशान मकानों की तलाश करते थे। इसके बाद वारदात से पहले इलाके और आने-जाने के रास्तों की रेकी की जाती थी।

आरोपी अपने साथ अवैध हथियार और देशी कट्टे रखते थे। किसी के जाग जाने या विरोध करने पर फायरिंग कर फरार होने की योजना रहती थी। आरोपी लोहे की अलमारी को नरैना रोड, दूदू के सुनसान इलाके में ले गए। वहां अलमारी तोड़कर उसमें रखे जेवरात और नकदी निकाल ली। और अलमारी वहीं छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का एक सोने का बाजूबंद, एक सोने का बोरला और एक सोने का मंगलसूत्र बरामद किया है।

मुख्य सचिव ने एग्रीस्टैक स्टीयरिंग कमेटी की बैठक ली

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को एग्रीस्टैक स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में एग्रीस्टैक के तहत फॉर्मर रजिस्ट्री, फॉर्मर आईडी, डिजिटल क्रॉप सर्वे के साथ डेटा सिंक्रोनाइजेशन, एग्रीस्टैक आधारित उर्वरक वितरण, एमएसपी पर खरीद तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि एग्रीस्टैक का उद्देश्य डिजिटल डाटाबेस तैयार करने के साथ कृषक को उसकी भूमि, फसल एवं कृषि सेवाओं से संबंधित सुविधाएं एकीकृत एवं सुगम रूप से उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने विभागों के मध्य बेहतर समन्वय के साथ एग्रीस्टैक के सभी निर्धारित माइलस्टोन समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने फॉर्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा करते हुए शेष कृषकों के पंजीकरण को अभियान के रूप में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कम प्रगति वाले जिलों में विशेष फील्ड विजिट, संभागवार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं प्रशिक्षण तथा कृषि पर्यवेक्षकों की

- कृषि विभाग में बनेगा एग्रीस्टैक कमिश्नरेट, प्रदेश में शीघ्र ही लागू होगा फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाईजर सेल

सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने कहा कि फॉर्मर रजिस्ट्री को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के साथ इसे निरंतर अद्यतन रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए मोबाइल ऐप का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा शेष कृषकों को एसएमएस, समाचार पत्रों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए पंजीकरण के लिए प्रेरित किया जाए।

बैठक में बताया गया कि राज्य में अब तक 87 लाख 44 हजार 842 कृषक पंजीकृत हो चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का 96.95 प्रतिशत है। राज्य को एग्रीस्टैक से संबंधित कार्य पूर्ण करने पर अब तक 737 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत हुई है।

रीको प्रत्यक्ष आवंटन योजना का 13वां चरण कल से

रीको औद्योगिक क्षेत्रों में 4500 से अधिक भूखण्ड उपलब्ध, 1 सितंबर को होगी ई-लॉटरी

जयपुर। राजस्थान में उद्योगों को बढ़ावा देने और निवेशकों को त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रीको द्वारा संचालित प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 में निवेशकों का रूझान लगातार दिखाई दे रहा है। इसी उत्साह को देखते हुए योजना का 13वां चरण दिनांक 12 अगस्त, 2026 से प्रारंभ किया जा रहा है। राइजिंग राजस्थान इनवेस्टमेंट समिट के अंतर्गत राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादित करने वाले निवेशकों को योजना का लाभ दिया जा रहा है। जिन उद्यिमयों ने अभी तक एमओयू नहीं किया है, वे भी आवेदन एवं ईएमडी जमा कराने की अंतिम तिथि तक एमओयू निष्पादित कर इस चरण में भाग ले सकते हैं।

इस चरण में प्रदेश के 100 से

- जिन उद्यिमयों ने अभी तक एमओयू नहीं किया है, वे भी आवेदन एवं ईएमडी जमा कराने की अंतिम तिथि तक एमओयू निष्पादित कर इस चरण में भाग ले सकते हैं

अधिक औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक उपयोग के भूखण्ड निवेशकों के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिन भूखण्डों के लिए केवल एक आवेदन प्राप्त होगा, उनका प्रत्यक्ष आवंटन किया जाएगा, जबकि एक से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया जाएगा। योजना के अंतर्गत 1 सितंबर, 2026 को ई-लॉटरी आयोजित की जाएगी। निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए प्रत्यक्ष आवंटन योजना की वैधता 31 दिसंबर, 2026 तक बढ़ा दी गई है।

रीको के प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला ने बताया कि राज्य सरकार उद्यिमता को प्रोत्साहित करने, स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने तथा राजस्थान को देश के अग्रणी औद्योगिक राज्यों में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी सोच के अनुरूप रीको ने प्रत्यक्ष आवंटन योजना को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाया है, जिससे निवेशकों को उद्योग स्थापित करने में सहजता और सुविधा मिल रही है।

नवचयनित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को जल्द मिलेगा पदस्थापन

जयपुर। नवचयनित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के वेतन से संबंधित प्रकरण को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा कि ज्वाइनिंग कर चुके अधिकारियों के वेतन भुगतान में भी किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। ज्वाइनिंग कर चुके अधिकारियों के वेतन भुगतान की आवश्यक प्रक्रिया प्राथमिकता से पूरी कर शीघ्र वेतन जारी किया जाए। नवचयनित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को शीघ्र ही पदस्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान को प्रभावी बनाने में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, प्रभावी कार्रवाई करने तथा आमजन को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त संख्या में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की फील्ड में उपलब्धता आवश्यक है।

बारिश के बीच परवान चढ़ी शिवभक्ति : गलता से निकली कांवड़ियों की कतार

जयपुर। सावन मास के दूसरे सोमवार को इंद्रदेव की मेहरबानी के बीच गुलाबी नगरी शिवभक्ति में सराबोर नजर आई। सुबह से रिमझिम बारिश के बीच गलता तीर्थ से कांवड़ियों के जत्थे शहर के

- कृषि विभाग में बनेगा एग्रीस्टैक कमिश्नरेट, प्रदेश में शीघ्र ही लागू होगा फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाईजर सेल

विभिन्न शिवालयों की ओर बढ़ते रहे। कांवड़ यात्रियों के कदम बारिश में भी नहीं रुके। पूरा मार्ग 'हर-हर महादेव', 'बम-बम भोले' और 'ॐ नमः शिवाय' के जयघोष से गूंजता रहा। युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे तक कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। गलता तीर्थ से शहर तक कई मार्गों पर श्रद्धालुओं की लंबी

कांवड़ियों ने गलता तीर्थ से लाए पवित्र जल से शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया।

कतारें नजर आईं।

कांवड़ियों ने गलता तीर्थ से लाए पवित्र जल से शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया और परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य व मंगल की कामना की। कई श्रद्धालु नंगे पांव मंदिर पहुंचे। मंदिरों के बाहर घंटों कतार में खड़े रहने के बावजूद श्रद्धालुओं में उत्साह कम नहीं हुआ।

सोमवार को डाक कांवड़ का उत्साह भी देखने को मिला। बड़ी संख्या में युवा गलता तीर्थ से जल लेकर अपने क्षेत्र के शिवालयों की ओर दौड़ते हुए पहुंचे। तेज गति से मंदिरों तक पहुंचकर उन्होंने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस दौरान शिव मंदिर रुद्री पाठ, शिव चालीसा, महामंत्रों और जयकारों से गूंजते रहे।

मंदिर में चोरी करने वाला शातिर नकबजन गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने डिग्गी-मालपुरा रोड स्थित रातल्या गांव के गुरु महाराज मंदिर परिसर में हुई चोरी का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी विपिन उर्फ प्रकाश चौधरी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ जयपुर आयुक्तालय के विभिन्न थानों में चोरी और नकबजनी के 26 मामले दर्ज हैं। वारदात में शामिल उसके साथी सूरज बैरवा को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस आरोपी से अन्य वारदातों और चोरी के माल की बरामदगी के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज के अनुसार मंदिर के परिवादी मोरदास बाबा ने 26 जून को मुहाना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 23 जून को दोपहर अज्ञात बदमाश गुरुमहाराज मंदिर परिसर में घुसे और मौका पाकर चार घंटियां (झालर), विद्युत कनेक्शन की केबल तथा ट्यूबवेल की केबल काटकर चोरी कर ले गए।

कांग्रेस को झारखंड में छात्रों की आवाज क्यों नहीं सुनाई दे रही : अशोक परनामी

जयपुर। भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी ने झारखंड में अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए कांग्रेस और जेएमएम सरकार पर तीखा हमला बोला है।

परनामी ने कहा कि आज पूरा देश देख रहा है कि झारखंड में छात्र शांतिपूर्ण, मर्यादित और अनुशासित तरीके से अपने हक की आवाज उठा रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों को सुनने के बजाय सरकार उन्हें लाठियों से जवाब दे रही है।

परनामी ने कहा कि जब राजस्थान के कोटा से लेकर प्रयागराज तक छात्रों के मुद्दों पर कांग्रेस और विपक्ष के नेता मुखर नजर आते हैं, तो झारखंड में छात्रों की आवाज उन्हें क्यों सुनाई नहीं दे रही है? झारखंड में कांग्रेस समर्थित सरकार होने के कारण राहुल गांधी सहित विपक्षी दलों की इतने दिनों तक

- झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज कांग्रेस-जेएमएम सरकार की दमनकारी मानसिकता का प्रमाण : अशोक परनामी

चुप्पी कई सवाल खड़े करती है।

भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने सवाल उठाया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वालों के लोकतांत्रिक अधिकारों की बात करने वाले विपक्षी दलों का रवैया झारखंड में आंदोलन कर रहे छात्रों के मामले में अलग क्यों है? एक ही लोकतांत्रिक देश में प्रदर्शनकारियों के लिए अलग-अलग मापदंड नहीं हो सकते। यदि छात्रों की मांगें जायज हैं तो सरकार को संवाद के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए।

सरकार के आश्वासन पर निजी बस ऑपरेटरों ने टाली हड़ताल

सात दिन में ठोस निर्णय नहीं तो फिर आंदोलन

जयपुर। राजस्थान में निजी बस ऑपरेटरों ने प्रस्तावित प्रदेशव्यापी हड़ताल फिलहाल टाल दी है। परिवहन विभाग की कार्रवाई और भारी चालानों के विरोध में बस ऑपरेटर हड़ताल की तैयारी में थे। सोमवार को ऑपरेटर प्रतिनिधियों ने परिवहन सचिवभवानी सिंह देथासे मुलाकात की। बैठक में मांगों पर सुनवाई और सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद हड़ताल वापस लेने का फैसला किया गया। बस ऑपरेटरों ने बैठक मेंएक लाख से डेढ़ लाख रुपए तक के भारी चालान, सीज की गई बसों को छोड़ने तथा बस कारोबार से जुड़ी अन्य समस्याओं का मुद्दा उठाया। ऑपरेटरों का कहना था कि लगातार भारी चालान और कार्रवाई से बस संचालकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो रहा है।

सरकार की ओर से ऑपरेटरों की मांगों पर सकारात्मक तरीके से सुनवाई का आश्वासन दिया गया। इसके बाद प्रस्तावित प्रदेशव्यापी हड़ताल को फिलहाल टाल दिया गया है। इससे राजस्थान में निजी बसों का संचालन जारी रहेगा और यात्रियों को तत्काल राहत मिली है। बस ऑपरेटरों ने स्पष्ट किया है कि सरकार को मांगों पर कार्रवाई के लिएसात दिन का समयदिया गया है। यदि इस अवधि में भारी चालानों, सीज बसों और अन्य प्रमुख मांगों पर ठोस निर्णय नहीं हुआ तो ऑपरेटर दोबारा आंदोलन का फैसला ले सकते हैं। फिलहाल हड़ताल नहीं होगी और प्रदेशभर में बसों का संचालन जारी रहेगा।

कभी फर्जी पुलिसकर्मी तो कभी आरटीयू प्रोफेसर बनकर ठगी करने वाला शातिर गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने फर्जी पुलिसकर्मी, राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी (आरटीयू) का प्रोफेसर और नर्सिंग ऑफिसर बनकर लोगों से ठगी करने वाले शातिर आरोपी अरुण शर्मा उर्फ आलू (33) को गिरफ्तार किया है। आरोपी फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर लोगों से संपर्क करता था। कभी काम कराने का झांसा देकर तो कभी पुलिस कार्रवाई का डर दिखाकर उनसे रुपए ऐंठता था। पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में आरोपी ने जयपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्र में करीब दो दर्जन ठगी और लूट की वारदातें करना कबूल किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि पटेल नगर, मुहाना निवासी ललित गहलोत ने 21 जुलाई 2026 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी फेसबुक पर उसे

आरोपी अरुण शर्मा

'इंजीनियर सुनील मीणा' नाम से फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली थी। आरोपी ने खुद को पुराना स्टूडेंट और आरटीयू का प्रोफेसर बताते हुए काम कराने का झांसा दिया और उससे 62 हजार रुपए ले लिए।

इसके बाद आरोपी ने दस्तावेज भेजने के बहाने पीड़ित के घर की

- फर्जी फेसबुक आईडी से बनाता था जाल,
- डर दिखाकर और काम कराने का झांसा देकर ऐंठता था रकम
- दो दर्जन वारदातें कबूलीं

लोकेशन हासिल कर ली। अगले दिन वह खुद को गांधीनगर थाने के स्पेशल स्टाफ का पुलिसकर्मी बताकर पीड़ित के घर पहुंचा। उसने पीड़ित और उसकी पत्नी को डराया-धमकाया और उनसे 60 हजार रुपए और ऐंठ लिए। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की और बाद में मुहाना थाने में मामला दर्ज कराया।

इस मामले की जांच के लिए मुहाना थानाधिकारी मुकेश कुमार खारडिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साथ ही फेसबुक आईडी का तकनीकी विश्लेषण किया गया।

तकनीकी जांच और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान अरुण शर्मा उर्फ आलू पुत्र राजकुमार शर्मा, निवासी कागजीवाड़ा, ब्रह्मपुरी, जयपुर के रूप में की और उसे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस जांच में सामने आया कि अरुण के खिलाफ नौकरी लगाने के नाम पर ठगी, फर्जी पुलिसकर्मी बनकर धोखाधड़ी और मारपीट सहित करीब आधा दर्जन मामले पहले से दर्ज हैं।

सार-समाचार

सुर-संगम अखिल भारतीय की दृष्टिबाधित गायन प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान द्वारा आयोजित सुर-संगम अखिल भारतीय दृष्टिबाधित गायन प्रतियोगिता का दो दिवसीय भव्य आयोजन झालाना डूंगरी स्थित रमाबाई अम्बेडकर कांफ्रेंस हॉल में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। देशभर में समावेशिता और दिव्यांगजन सशक्तिकरण का संदेश देने वाले इस राष्ट्रीय आयोजन में देश के 13 राज्यों से दृष्टिबाधित प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारत के प्रसिद्ध कानूनविद एवं विश्व हिंदी साहित्य परिषद् के कुलाधिपति डॉ. एच.सी.गनेशिया रहे जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि केवल एक संगीत प्रतियोगिता नहीं, बल्कि यह प्रतिभा, आत्मविश्वास और समान अवसर का उत्सव है। ट्रस्ट अध्यक्ष एन. एल. वर्मा, सेवानिवृत्त आर.ए.एस. ने कहा ने कहा, सुर-संगम केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि प्रतिभा, आत्मविश्वास और समावेशिता का उत्सव है। विशेष अतिथियों के रूप में समाज सेविका उषा मोदी, डॉ. नूपुर जैन, सहायक प्रोफेसर, पूर्णिमा कॉलेज, सेनि आरएएस एस.आलम, डॉ. गिरेन्द्र तलेगांवकर, डॉ हेमंत भट्ट, डॉ. सुनीता शर्मा, सेनि. जेलर जगदीश प्रसाद चांदोलिया, ओमप्रकाश पोद्दार सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन की शोभा बढ़ाई।

'मॉनसून मेलोडीज' में गूंजे सावन के सुरीले तराने

जयपुर। आर आई सी ऑडिटोरियम में रविवार को आयोजित संगीतमय कार्यक्रम 'मॉनसून मेलोडीज' ने सावन और बारिश की खूबसूरत फुहारों को सुरों के माध्यम से जीवंत कर दिया। आशीष कल्ला और रजनी कोठारी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न गायकों ने बारिश, सावन और मानसून से जुड़े एक से बढ़कर एक मधुर गीत प्रस्तुत किए, जिनका दर्शकों ने खूब आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान आशीष कल्ला की ग़ज़ल 'गरज बरस प्यासी धरती पर' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने बेहद सराहा और तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में के सी खंडेलवाल, अरविंद गोयल, गायत्री स्वामी, रजनी कोठारी, अजय कल्ला, मीनू ताहीन, वीनू मित्तल, राकेश डेंबला, संजय चांदनानी, पूनम जैन, विक्रम शर्मा, कपिल वर्मा, मीरा सक्सेना, डॉ संदीप निझावन, डॉ के के मावर और गौरी थावरानी सहित 40 गायक-गायिकाओं ने मधुर गीत प्रस्तुत किए।

प्राकृतिक चिकित्सा पर आधारित पुस्तक का विमोचन

जयपुर। मालवीय नगर स्थित अग्रवाल समाज भवन में डॉ. दीपाली वार्ष्णेय अग्रवाल की प्राकृतिक चिकित्सा पर आधारित पुस्तक (मेंरी रसोई मेरा औषधालय)का भव्य विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुस्तक का विमोचन पूर्व अध्यक्ष, महिला आयोग सुमन शर्मा जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मालवीय नगर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष मित्तल जी, उपाध्यक्ष सतीश गर्ग जी,हिमांशु डेरेवाला जी,वरिष्ठ अधिवक्ता एवं के अध्यक्ष प्रशांत चतुर्वेदी जी, रामपाल जी तथा संग अर्श के अध्यक्ष दीपक सिंघल जी सहित समाज के गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. दीपाली वार्ष्णेय अग्रवाल ने प्राकृतिक चिकित्सा एवं वात, पित्त और कफ विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

जयपुर के लैंडस्केप पार्क की बदहाली सुधारने की मांग

जयपुर। पक्षियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्यरत संस्था 'नीड़' की ओर से जयपुर के लैंडस्केप पार्क की बदहाली सुधारने की मांग को लेकर सांकेतिक धरना दिया गया। धरने का नेतृत्व पार्क में नियमित रूप से सुबह भ्रमण करने वाले 88 वर्षीय द्वारका प्रसाद ने किया। इस दौरान पार्क में नियमित रूप से आने वाले महिला और पुरुष भी शामिल हुए।नीड़ के संयोजक अजीत तिवारी के अनुसार, पार्क के एक हिस्से में शिल्पकारों और हस्तकारों के प्रदर्शन के लिए बनाए गए करीब आधा दर्जन कियोस्क को तोड़कर एक ही रेस्टोरेंट बनाए जाने से पार्क का मूल स्वरूप प्रभावित होने की आशंका है। संस्था ने मांग की कि कियोस्क हटाने के बाद खाली होने वाली जमीन पर भी पेड़-पौधे लगाए जाएं, जिससे पार्क का हरित क्षेत्र बढ़ाया जा सके।

चिकित्सा विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पदस्थापन आदेश जारी

जयपुर। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सीधी भर्ती-2024 के 7,903 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति एवं पदस्थापन कर दिया गया है। पदस्थापन आदेश राजहेल्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जारी किए गए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर एवं प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ के मार्गदर्शन में विभाग ने पदस्थापन प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ कर्मचारी हित और संवेदनशीलता को प्राथमिकता दी है। विभाग द्वारा अपनाई गई कर्मचारी हितैषी नीति का लाभ बड़ी संख्या में नव-नियुक्त कर्मचारियों को मिला है। लगभग 5,000 अभ्यर्थियों को उनके गृह जिले में, जबकि 1,630 अभ्यर्थियों को नजदीकी जिले में तथा शेष को समीप के संभाग में पदस्थापन दिया गया है।

सीमा शुल्क विभाग की मनमानी, प्रिंटिंग उद्योग ख़तरे में

जयपुर। प्रिंटिंग उद्योग से जुड़े आयातकों में सीमा शुल्क विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर चिंता बढ़ रही है। आरोप है कि कंप्यूटर-टू-कन्वेंशनल प्लेट जैसी तकनीकी रूप से पारंपरिक ऑफसेट प्लेटों की खेपों को लंबे समय तक जांच के नाम पर रोके जाने से कारोबारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। महीनों तक माल बंदरगाह पर पड़े रहने से डेमरेज, कंटेनर डिटेंशन, ब्याज और अन्य खर्च लगातार बढ़ रहे हैं, जबकि व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने विभाग को आवश्यक तकनीकी दस्तावेज, उत्पाद विवरण और स्पष्टीकरण पहले ही उपलब्ध करा दिए हैं।

फिरौती के लिए युवक का अपहरण करने वाली गैंग को दबोचा

जयपुर। शिप्रापथ थाना पुलिस ने जयपुर चौपाटी से तीन युवकों का अपहरण कर मारपीट करने, नकदी व मोबाइल छीनने और एक युवक को बंधक बनाकर परिजनों से 1.54 लाख रुपए की फिरौती वसूलने के मामले शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार भी जब्त की गई है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। टीम ने जयपुर चौपाटी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

National Align Your Teeth Day

National Align Your Teeth Day, celebrated on August 11, highlights the importance of healthy, properly aligned teeth and encourages people to learn about orthodontic care. The day raises awareness about how straight teeth can improve oral hygiene, boost confidence, and support better overall dental health. It reminds individuals to schedule regular dental checkups and explore treatment options, such as braces or clear aligners, if needed. Good alignment can reduce the risk of tooth decay, gum disease, and jaw problems by making teeth easier to clean. Observing this day promotes healthy smiles, informed dental decisions, and lifelong habits that contribute to improved well-being.

#ARCHAEOLOGY

An Iron Age Hoard

The researchers are fascinated by the bronze boar's head in the hoard. Experts think it is "similar to a modern-day flagpole"

A near-complete carnyx, a Celtic battle trumpet with an animal-shaped head, has been discovered in west Norfolk as part of a hoard of Iron Age objects. It's one of only three carnyxes known from Britain and among the most complete ever found in Europe. These bronze instruments were used by Celtic tribes to rally warriors in battle and were so striking that the Romans frequently depicted them as war trophies.

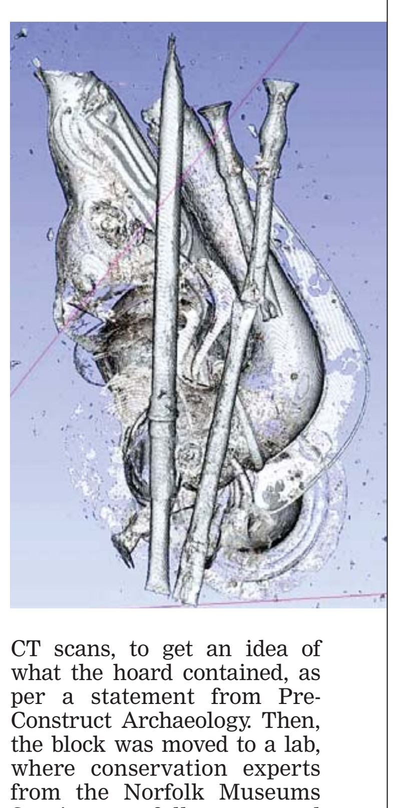

The hoard was found during a routine archaeological excavation in summer 2025, ahead of residential development. Alongside the carnyx, archaeologists recovered a sheet-bronze boar's head from a military standard, five shield bosses, and an unidentified iron object. The items were carefully lifted in a block of soil for scanning before conservation experts at Norfolk Museums Service removed each piece for examination.

The objects are fragile and need extensive stabilisation before detailed research can begin. Historic England, the National Museum of Scotland, and Norfolk Museums Service are coordinating the conservation and research effort. A coroner was expected to determine the hoard's legal status in early 2026, which will inform where the objects are permanently housed. Experts have described it as hugely significant for understanding ancient British culture, with particular connections to Norfolk's Iron Age past and the story of Boudica and the Iceni people.

The trove is "a once-in-a-lifetime, once-in-a-career find," Mark Hinman, the CEO of Pre-Construct Archaeology, tells the Guardian's Esther Addley. "I've been doing archaeology for over 40 years, and I've never seen anything like this."

After glimpsing the metals in the dirt, researchers cut out the surrounding block of soil. They then performed noninvasive imaging, like X-ray and CT scans, to get an idea of what the hoard contained, as per a statement from Pre-Construct Archaeology. Then, the block was moved to a lab, where conservation experts from the Norfolk Museums Service carefully excavated each fragile object from the soil.

Conservator Jonathan Carr tells BBC Two's "Digging for Britain" that the Thetford artifacts are made "from extremely thin sheets of metal, which have become extremely brittle after 2,000 years in the ground." Still, Carr's extraction revealed "the most complete carnyx ever found, with the pipe, mouthpiece and bell all uniquely intact," he adds.

The researchers are also fascinated by the presence of the bronze boar's head in the hoard. Experts think that it was once part of a battle standard, which is "similar to a modern-day flagpole," as per a social media post from the Norwich Castle Museum and Art Gallery. It could be the first of its kind ever found in Britain. Gary Trimble, a senior project officer at Pre-Construct Archaeology, tells "Digging for Britain" that while carnyces "are extraordinarily rare," a boar standard is "even rarer."

Crowded Port.

Calicut 1572.

Ships in the Rig Veda.

A painting showing King Rajaraja Chola.

From Rig Veda To Indian Navy

On 29 November 1721, a joint attempt by the Portuguese Viceroy Francisco José de Sampaio e Castro and the British General Robert Cowan, with a combined fleet of 6,000 soldiers in four Man-of-war besides other ships led by Captain Thomas Mathews of the Bombay Marine against Angre's fleet, failed miserably. Aided by Maratha naval commanders Mendhaji Bhatkar and Mainak Bhandari, Angre continued to harass and plunder the European ships until his death in 1729.

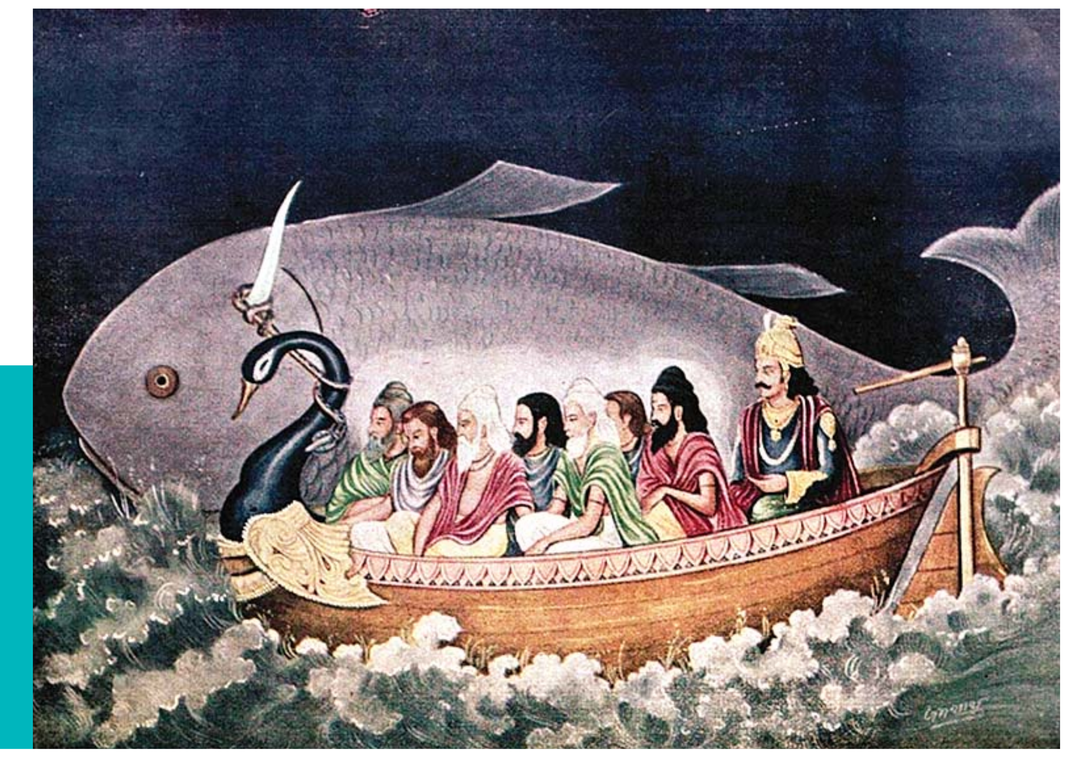

#HISTORY

Lt Col Anil Bhat
VSM (Retd)

With a coastline of 7,500 kms, India has a history of seafaring dating to five thousand years at least. The world's first tidal dock is believed to have been built at Lothal, near the present-day Mangrol harbour on the Gujarat coast, around 2300 BCE during the Indus valley civilization.

The Rig Veda, written around 1700 BCE, credits Varuna with knowledge of the ocean routes and describes naval expeditions, with reference to *Plava*, the side wings of a vessel which give stability to the ship sailing in stormy waters and *Matsya yantra*, a compass used for navigation in the 4th and 5th century AD. The earliest known reference of an organization devoted to ships and sailing in ancient India is from the Mauryan Empire, 4th century BCE.

Emperor Chandragupta Maurya's Prime Minister Kautilya's *Arthashastra* has a chapter on the state department of waterways under *navadhyaksha*, Sanskrit for Superintendent of ships (Chapter XXVIII in Book II, "The Duties of Government Superintendents" of the Arthasástra of Kautilya). The term, *nava dvipantara gamanam*, Sanskrit for sailing to other lands by ships, is mentioned in this book in addition to appearing in the Buddhist text, *Baudhayana Dharmasastra* using the term, *samudrasamyanam* (Sanskrit for sea voyage). Sea lanes between India and littoral countries in the Indian Ocean theatre were the trade routes for many centuries. It was through these that Indian culture also spread widely and influenced.

While the Maurya, Satavahana, Chola, Vijayanagara, Kalinga, Maratha and Mughal empires had powerful navies, it was the Cholas who did very well in foreign trade and maritime activity, extending their influence overseas to China and Southeast Asia.

It was under the reigns of Raja Raja Chola and his son, Rajendra Chola (between 985 and1044), that the Cholas launched naval campaigns, subdued many kingdoms and expanded their empire to South-East Asia by occupying the region which included Myanmar, Malaya, Sumatra etc., and even sent ambassadors to countries as far off as China.

To counter Portuguese attempts at extracting trading privileges, *Manavikraman*, known as the Samoothiri Raja of Kozhikode, began a naval build-up and appointed Mohammed Kunjali as Marakkar (admiral) of his fleet.

A naval ship made in the ancient tradition of no nails used.

Over the next century, the Samoothiri Rajas successfully repelled various attempts by the Portuguese to overthrow their rule, with each side enlisting various allies over time.

After four generations of Kunjali Marakkars having served the Samoothiri Rajas, differences between Mohammed Ali, Marakkar IV, and his masters increased, culminating with his self-declaration as the "Lord of the Indian seas." The Samoothiris then collaborated with the Portuguese to defeat Mohammed Ali in 1600.

Later, they allied with the Dutch East India Company to defeat the Portuguese. The Maratha Empire, established by Chhatrapati Shivaji in 1674, had since its inception a naval force, consisting of ships with cannons mounted on them. The 'Pal' was a three-masted Maratha man-of-war with guns fitted on the broadsides. The Maratha chief of Satara appointed Kanhoji Angre as the Darya-Saranga, who rose to dominate the Western coast of India from Mumbai to Fangoria (now Vengurla, in Maharashtra), except for Janjira which was affiliated with the Mughal Empire.

Until his death in 1729, he repeatedly attacked the colonial powers of Britain and Portugal, capturing numerous vessels of the British East India Company and extracting ransom for their return. On 29 November 1721, a joint attempt by the Portuguese Viceroy Francisco José de Sampaio e Castro and the British General Robert Cowan, with a combined fleet of 6,000 soldiers in four Man-of-war besides other ships led by Captain Thomas Mathews of the Bombay Marine against Angre's fleet, failed miserably. Aided by Maratha naval commanders Mendhaji Bhatkar and Mainak Bhandari, Angre continued to harass and plunder the European ships until his death in 1729.

The English East India Company, established in 1600, was defeated by the Portuguese in 1612, at the Battle of Swally (Suvali). This defeat, piracy and the need to protect commerce led the East India Company to raise a small navy. The Company built a port at a coastal village Suvali, near Surat, Gujarat and raised a force named Honourable East India Company's Marine, which received its first fighting ships on 5 September 1612.

Navy Ship.

A Chola era ship.

This force protected merchant shipping off the Gulf of Cambay and the rivers Tapti and Narmada. Its ships also helped map the coastlines of India, Persia and Arabia. By 1686, with most of English commerce moving to Bombay, the force was renamed the *Bombay Marine*. Since its inception, the British recruited Indians in this force only as lascars.

While over a long period Bombay Marine was involved in combat against the Marathas, the Sidis had participated in the Anglo-Burmese Wars, it was only as late as in 1928 that the British sanctioned commissioned Indian officers for this force. In 1830, Bombay Marine became Her Majesty's Indian Navy.

British commitments for Her Majesty's Indian Navy increased following the capture of Aden leading to the creation of the Indus Flotilla. In 1840, the Navy fought in the China War. Her Majesty's Indian Navy resumed the name Bombay Marine from 1863 to 1877, when it became Her Majesty's Indian Marine. The Marine then had two divisions; the Eastern Division at Calcutta (now Kolkata) and the Western Division at Bombay (now Mumbai). In recognition of the services rendered during various campaigns, Her Majesty's Indian Marine was titled the Royal Indian Marine in 1892. By this time, it had over 50 vessels.

> While over a long period Bombay Marine was involved in combat against the Marathas, the Sidis had participated in the Anglo-Burmese Wars, it was only as late as in 1928 that the British sanctioned commissioned Indian officers for this force.

Following the outbreak of World War 1, when mines were detected off the coasts of Bombay and Aden, the Royal Indian Marine became part of a fleet of minesweepers, patrol vessels and troop carriers and was involved in patrolling, ferrying troops and war stores from India to Iraq, Egypt and East Africa. It was only ten years after WW 1, in 1928, that the Royal Indian Marine got its first Indian commissioned officer, Sub Lieutenant D.N Mukherji who joined as an engineer.

In 1934, the Royal Indian Marine became the Royal Indian Navy (RIN). Ships of the RIN received the prefix HMIS for His Majesty's Indian Ships. At the start of the Second World War, the Indian Navy was very small and had eight warships. The onset of the war led to an expansion.

Additionally, Indian Sailors served on-board several Royal Navy warships. A large number of Indian merchant seamen and merchant ships were instrumental in keeping the large stream of raw material and suppliers from India to the United Kingdom open.

During WWII, sloops HMIS Sutlej (U95) and HMIS Jumna (U21) played a key role in Operation Husky, the invasion of Sicily. Another sloop HMIS Godavari (U53) sank the German submarine U-198 on 12 August 1944 near Seychelles.

WWII took an immense toll on the British Empire. Having lost a lot of money due to the war effort, Britain was hoping to recover it from its colonies. However, Mahatma Gandhi's efforts at rallying Indians against the British, while resulting in exposing their hypocrisy, the Salt March and Gandhi telling Indians not to buy British goods converted India from being a country that was profitable for the British to a country that was a loss and would cost them highly.

British historians P.J. Cain and A.G. Hopkins described the hopeless situation of the British in India as follows: "By the end of the war, there was a loss of purpose at the very centre of the imperial system. The gentlemanly administrators who managed the Raj no longer had the heart to devise new moves against increasing odds, not least because after 1939, the majority of the Indian Civil Service were themselves Indian…. Widespread discontent in the army was followed in 1946 by a mutiny in the navy.

It was then Wavell, the unfortunate messenger, who reported to London that India had become ungovernable (which finally led to the independence of India)."

On 18th February 1946, Indian sailors of Royal Indian Navy on board ship and shore establishments at Bombay harbour went on strike and organised a mutiny. The whole mutiny, involving 78 ships, 20 shore establishments and 20,000 sailors, was sparked off owing poor pay and food as well as racist behaviour by Royal Navy personnel towards Indian sailors, and disciplinary measures taken against the sailors who demonstrated nationalist sympathy.

This mutiny was indeed a rude shock and it reached almost 2.5 million strong Indian Army, highly reputed after WWII, so that its effect would be uncontrollable. It was time for the British to make a quick exit.

With Independence came the bloody partition of India and Pakistan. The division of naval assets amounted to 32 ships for India and 16 for Pakistan. The new Indian government, over the next couple of decades, proved to be quite "sea-blind." The first involvement of Indian Navy came in 1961 when India annexed Goa.

The Portuguese Navy's four frigates were deployed in the waters off Goa, Daman and Diu, along with several patrol boats, of which only one saw action against Indian Navy ships and was destroyed while the other ships having fled before the commencement of hostilities. Parts of the Portuguese ship Alfonso destroyed by Indian frigates INS Betwa and INS Beas are on display at the Naval Museum in Mumbai, while the remainder was sold as scrap.

During the India-Pakistani war of 1965, while Indian Navy was kept out of the loop of planning, it's then Chief Admiral BS Soman who toured with the Army as an observer in the Western Sector of operations. On 07 September 1965, a flotilla of the Pakistani Navy carried out a small-scale bombardment of Dwarka on the Gujarat coast and a radar station there. Codenamed Operation Dwarka by Pakistan navy, it failed to disable the radar station. The only casualty of the bombardment was a cow.

24 years after Independence, in 1971, when Pakistan perpetrated its third war against India, then Prime Minister Indira Gandhi and Naval Chief Admiral SM Nanda were all set to put India Navy into action. The Indian Navy played a significant role in bombing Karachi harbour. On 04 December 1971, it launched Operation Trident during which missile boats INS Nirghat and INS Nipat sunk the minesweeper PNS Muhafiz and destroyer PNS Khyber.

The destroyer PNS Shahjahan was irreparably damaged. The operation was so successful that the Pakistani Navy raised a false alarm about sighting an Indian missile boat on December 6. Pakistan Air Force (PAF) planes attacked the supposed Indian ship and damaged the vessel before it was identified as being another Pakistani Navy ship, PNS Zulfiqar, which suffered numerous casualties and damage as a result of this "friendly fire." On 08 December during Operation Python, INS Veer severely damaged Pakistani frigate PNS Dacca and the oil storage depot of Karachi was set ablaze.

On the western front in the Arabian Sea, operations ceased after the Karachi port became unusable due to the sinking of Panamian vessel Gulf Star. An Indian frigate, INS Khukri, was sunk by submarine PNS Hangor. On the eastern front, the submarine PNS Ghazi was sunk outside Vishakhapatnam harbour. Indian naval aircraft, Sea Hawks and Alizés, from the aircraft carrier INS Vikrant, were instrumental in sinking many gunboats and merchant navy vessels in the Bay of Bengal.

The successful blockade of East Pakistan by the Indian Navy proved to be a vital factor in the Pakistani surrender. Pakistan lost 14 warships and gunboats and 9 merchant vessels including one US ammunition ship. Indian Navy's only loss was INS Khukri, the Captain of which, Mahendra Nath Mulla, in the best of Naval traditions, went down with the ship after giving his life-jacket to a sailor and ordering all hands off the deck. When the US, in sympathy with Pakistan, sent its 7th Fleet into the Arabian Sea. Admiral Nanda's instructions to captains of all IN ships were: "If they come too close, invite them on board for a drink."

Post-1971, Indian Navy took part in IPKF operations in Sri Lanka, assisted counter-terrorism operations in Jammu and Kashmir, has been part of UN peacekeeping missions, undertook commendable large-scale disaster relief, effective anti-piracy operations, cooperated and exercised with many foreign navies, assisted Maldives in restoration of government rule, and most important, kept the most vital of sea lanes of communications of the Indian Ocean safe and trouble-free.

rajeshsharma1049@gmail.com

Ancient coir stitched ship.

THE WALL

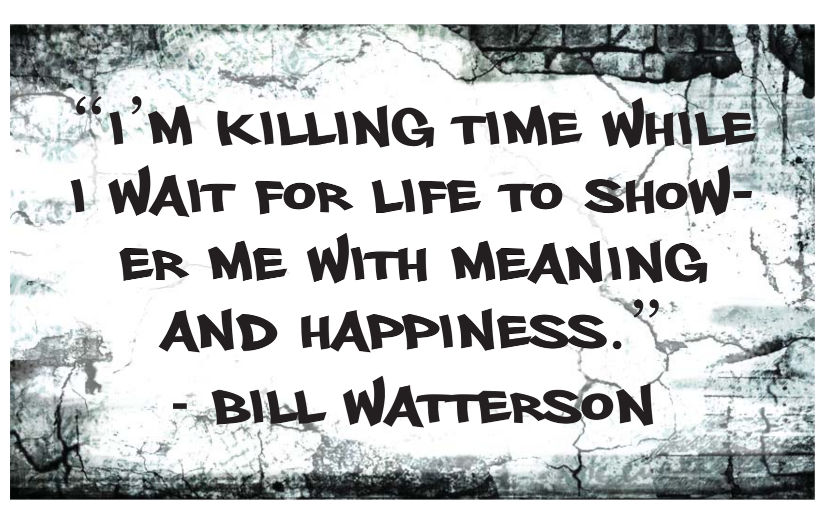

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

पांचना बांध आंदोलन से संबंधित एफआईआर वापस लेने की मांग, किसानों ने रैली निकाली

किसानों की रैली को प्रशासन ने रोका, धरना स्थल पर जा रहे थे

गंगापुर सिटी, (निसं)। पांचना आंदोलन से संबंधित एफआईआर वापस लेने की मांग को लेकर सोमवार को किसानों ने एक रैली निकाली। मीणा बड़ौदा, सेंगनपुरा, बड़ौली और परीता सहित कई गांवों के किसान गांवड़ा मीणा स्थित धरना स्थल की ओर जा रहे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए, जिनमें कई लोग वाहनों से भी पहुंचे। रैली जब मीणा बड़ौदा-सेंगनपुरा मार्ग पर पहुंची, तो प्रशासन ने बैरिकेडिंग लगाकर उसे रोक दिया। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था। प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों से बातचीत की और शांति तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

गंगापुर सिटी में किसानों की रैली को पुलिस अधिकारियों ने बैरिकेटिंग लगाकर रोकने की कोशिश की।

- मीणा बड़ौदा, सेंगनपुरा, बड़ौली और परीता सहित कई गांवों के किसान रैली के रूप में गांवड़ा मीणा स्थित धरना स्थल की ओर जा रहे थे
- अधिकारियों ने किसानों को मेड़ी-कटकड़ के वैकल्पिक मार्ग से आगे बढ़ने का सुझाव दिया, समझाइश के बाद आगे बढ़ने की अनुमति दी गई

अधिकारियों ने किसानों को मेड़ी-कटकड़ के वैकल्पिक मार्ग से आगे बढ़ने का सुझाव दिया। लंबी बातचीत और समझाइश के बाद किसानों को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई। हालांकि, पांचना बांध के पास पहुंचने पर प्रशासन ने रैली को एक बार फिर रोक दिया। किसान पांचना बांध होते हुए ही गांवड़ा मीणा जाने की अपनी मांग पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि वे शांतिपूर्ण ढंग से रैली निकाल रहे हैं और पांचना आंदोलन से जुड़ी एफआईआर वापस लेने की अपनी मांग प्रशासन तक पहुंचाना चाहते हैं। किसानों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न करना नहीं है, बल्कि पांचना आंदोलन के मामलों में दर्ज एफआईआर की वापसी की मांग को लेकर गांवड़ा मीणा तक पहुंचना है। किसानों की बड़ी संख्या को देखते हुए प्रशासन ने पूरे मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी और जगह-जगह पुलिस बल तैनात कर बैरिकेडिंग के माध्यम से रैली को नियंत्रित किया।

रामदेवरा के रामसरोवर में अवैध नौकायन बंद कराने की मांग

रामदेवरा, (निसं)। लोकदेवता बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करने वाले अंतरप्रांतीय रामदेवरा मेले-2026 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आगामी 13 सितंबर से मेले का विधिवत शुभारंभ होगा। जिला प्रशासन, उपखंड प्रशासन एवं ग्राम पंचायत स्तर पर मेले की व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

- समाधि समिति सदस्य ने अवैध नौकायन बंद कराने सहित अन्य मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा

इधर, मेले की तैयारियों के बीच रामदेवरा के पवित्र रामसरोवर तालाब में कथित अवैध नौकायन और अतिक्रमण का मुद्दा भी सामने आया है। बाबा रामदेव समाधि समिति के सदस्य आनंद सिंह तंवर ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर रामसरोवर तालाब में चल रहे अवैध नौकायन को बंद करवाने, घाटों पर नौकाओं को खड़ा करने के लिए लगाए गए स्टैंड हटाने तथा सरोवर के आसपास किए गए अन्य अतिक्रमण हटाने की मांग की है। आनंद सिंह तंवर ने मुख्यमंत्री से मामले में शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करवाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई नहीं की गई तो जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। मेले में देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केंद्र रामसरोवर तालाब को लेकर उठे इस मुद्दे के कारण प्रशासन के सामने अब मेले की व्यवस्थाओं के साथ-साथ तालाब की व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त करने की चुनौती रहेगी।

वहीं मेले में देश के विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन की ओर से टेंट, सफाई, पार्किंग, पेयजल, चिकित्सा, यातायात और सुरक्षा सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर टेंडर प्रक्रिया शुरू की जा रही है। पार्किंग व्यवस्था के लिए भी टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। पार्किंग टेंडर की बोली 72 लाख 50 हजार रुपए से शुरू होगी। टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से करीब एक माह तक पार्किंग व्यवस्था संचालित की जाएगी। लक्खी मेले के दौरान रामदेवरा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इसे देखते हुए प्रशासन यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने, वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग स्थल उपलब्ध कराने, सफाई व्यवस्था मजबूत करने तथा श्रद्धालुओं के लिए पेयजल एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी में जुट गया है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी संबंधित विभागों के बीच समन्वय की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आने वाले दिनों में मेले की तैयारियां और तेज होने की संभावना है तथा विभिन्न विभागों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपकर व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने की कवायद की जाएगी।

सूरतगढ़ में रोडवेज बस और कैश वैन में टक्कर

सूरतगढ़, (निसं)। सूरतगढ़-गंगानगर नेशनल हाईवे संख्या 62 पर गांव श्योपुरा कस्सी के पास सोमवार को रोडवेज बस और कैश वैन में भिड़ंत हो गई। हादसे में कैश वैन में सवार 4 लोगों में से 2 घायल हो गए। दोनों घायलों को 108 एम्बुलेंस की सहायता से सूरतगढ़ के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

सदर थाना के एएसआई इंद्राज पूनिया ने बताया कि बस बीकानेर से सूरतगढ़ होते हुए श्रीगंगानगर जा रही थी। वहीं कैश वैन सादुलशहर से सूरतगढ़ की ओर आ रही थी। श्योपुरा कस्सी के पास दोनों गाड़ियों में टक्कर हो गई। हादसे में कैश वैन ड्राइवर यूनुस खान (56) पुत्र हाजी जलाल निवासी हनुमानगढ़ और गनमैन अब्दुल शकूर (51) पुत्र अब्दुल सत्तार निवासी हनुमानगढ़ घायल हो गये। कैश वैन में सवार 2 अन्य लोग सुरक्षित बच गए।

- कैश वैन के ड्राइवर और गनमैन घायल, इलाज के बाद छुट्टी मिली

वहीं रोडवेज बस में करीब एक दर्जन यात्री सवार थे, जिन्हें भी कोई चोट नहीं आई। सूचना मिलने पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। हादसे के बाद रोडवेज अधिकारी और बैंक कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार कैश वैन में नकदी भी थी। बैंक कर्मचारियों ने दुर्घटनाग्रस्त वैन से नकदी निकालकर उसे दूसरे वाहन के जरिए बैंक पहुंचाया। एएसआई पूनिया ने बताया कि फिलहाल इस संबंध में किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस को परिवाद नहीं दिया गया है।

हत्या के दोषी को सजा सुनाई

कोटा, (निसं)। पत्नी की हत्या के करीब साढ़े चार साल से अधिक पुराने मामले में सुनवाई करते हुए जिला सत्र एवं सेशन न्यायालय (डीजे कोर्ट) के न्यायाधीश सत्यनारायण व्यास ने पकड़े गये आरोपी कुलदीप को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अपर लोक अभियोजक मनोज पुरी ने बताया कि 17 नवम्बर 2021 को फरियादी रामचरण ने इटावा थाने में रिपोर्ट दी थी। पुलिस ने मामले में अनुसंधान कर आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया।

पिता ने मोबाइल चलाने से डांटा तो बेटे ने आत्महत्या की

पिता की डांट से नाराज होकर बेटे ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना इलाके में पिता की डांट से नाराज होकर बेटे ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर सुसाइड कर लिया।

जानकारी के अनुसार इलाके के हनुमान नगर बस्ती के 11वीं कक्षा में पढ़ने वाला छात्र मोबाइल चला रहा था, जिस पर पिता ने डांटते हुए उसको फोन चलाने से मना किया और मोबाइल छीन लिया, जिससे नाराज होकर बेटे ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। बेटे की तबियत बिगड़ती देख परिजन उसे निजि अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान छात्र ने दम तोड़ दिया। बेटे की मौत की खबर मिलते ही पिता की भी तबियत बिगड़ गई। सूचना पाकर दादाबाड़ी पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। दादाबाड़ी थानाधिकारी बलदेव राम ने बताया कि हनुमान बस्ती निवासी मयंक (16) ने पिता की डांट से नाराज होकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनो को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

वहीं कैथूनीपोल थाना इलाके में एक युवक ने जहरीले पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया। कैथूनीपोल पुलिस ने बताया कि इलाके के मोखापाडा निवासी सोनू कुमार (40) ने घर पर अज्ञात जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

तबियत बिगड़ने पर परिजन उपचार के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई, मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

कोटा में रेलवे ट्रैक पर युवक का शव मिला

कोटा, (निसं)। शहर के न्यू कोटा रेलवे स्टेशन के नजदीक रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव शत-विक्षिप्त हालत में मिला। सूचना पर जीआरपी पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मृतक युवक की शिनाख्त मूल रूप से बारां जिले के अंता के रहने वाले हरीश नायक के रूप में हुई। युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर सुसाइड किया या कोई हादसे का शिकार हुआ, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामले में सामने आया कि मृतक युवक उदयपुर से बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन एंड सर्जरी के फाईनल ईयर में था और कोटा में इंटर्नशिप कर रहा था। जीआरपी के हेड कांस्टेबल डालचंद ने बताया कि न्यू कोटा रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे ट्रेक पर एक युवक का शव मिलने की सूचना मिली, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची मृतक के पास मिले आधार कार्ड के आधार पर मृतक की पहचान कर परिजनों को सूचित किया गया।

महिला से मारपीट, दो जने गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में महिला को बंधक बनाकर बाल काटने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार एक महिला ने 6 अगस्त को चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में मामला दर्ज करवाया था। इसमें बताया कि उसे बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट की और उसके चोटी के बाल काट दिए। इसके अलावा जातिसूचक गालियां देकर अपमानित भी किया गया। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने बहादुर सिंह और महेंद्र सिंह (23) पुत्र उगमसिंह निवासी प्रेम विहार पीएस राजीव गांधी नगर को गिरफ्तार किया।

पंजाब से गुजरात जा रही 25 लाख की शराब जब्त, एक गिरफ्त में

बीकानेर, (निसं)। यहा अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन नीलकंठ के तहत महाजन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अरजनसर-पलू मेगा हाईवे पर 465 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब से भरा कैंटर पकड़ा है। पुलिस के अनुसार जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपए है। कार्रवाई जैतपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में की गई।

पुलिस के अनुसार नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध कैंटर को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में कैंटर से 465 पेटी चंडीगढ़ निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। शराब के परिवहन में इस्तेमाल कैंटर को जब्त कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शराब की खेप पंजाब से गुजरात ले जाई जा रही थी। पुलिस ने शराब से भरे कैंटर के साथ चल रही फॉर्च्यूनर गाड़ी को भी पकड़ा। पुलिस के अनुसार फॉर्च्यूनर शराब से भरे कैंटर को एस्कॉर्ट कर रही थी। वाहन में सवार सतपाल उर्फ नैना और सुशील कुमार को दस्तयाब किया गया है।

- पुलिस ने 465 पेटी शराब से भरा कैंटर व एस्कॉर्ट कर रही फॉर्च्यूनर भी पकड़ी

मामले में पुलिस ने दिनेश कुमार (45) पुत्र शंकरराम विश्नोई निवासी पीलवा, थाना लोहावट, जिला फलोदी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से शराब की खेप के स्रोत, तस्करी के नेटवर्क और इसे गुजरात में कहां पहुंचाया जाना था, इसे लेकर पूछताछ कर रही है। कार्रवाई थाना प्रभारी भजनलाल लावा के निर्देशन में की गई।

नेशनल हैण्डलूम कर्मियों ने परिचितों को फर्जी ग्राहक बनाकर लाखों का सामान दिया

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर सदर पुलिस थाना क्षेत्र में आए नेशनल हैण्डलूम में काम करने वाले दो कर्मचारियों पर सामान को खुर्द-बुर्द कर फर्जी तरीके से अपने परिचितों को सामान देकर 19 लाख से ज्यादा का गबन का केस दर्ज हुआ है। पुलिस ने प्रकरण सामने आते ही एक आरोपी को पकड़ा है, जिससे अब पूछताछ चल रही है। दूसरा कर्मचारी फिलहाल हाथ नहीं लगा है।

थानाधिकारी सुंदरकला ने बताया कि हैण्डलूम के मैनेजर सुरेंद्र सिंह की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि 5 अगस्त को वह ब्रांच के मैनगेट पर मौजूद था। तब लगभग 3.30 बजे दो ग्राहक माल से भरी हुई एक थैली मैन गेट पर लेकर आए। गेट पर लगे गार्ड ने बिल चेक करा और वो निकल गए। उस थैली में भरे माल देखकर संदेह हुआ। केश काउटर एवं हैण्डलूम परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो पता चला कि दोनों ग्राहक किसी भी काउंटर से कोई माल नहीं खरीदा तथा माल का किसी भी केश काउण्टर बिल नहीं बनाया। सीसीटीवी कैमरा चेक करने पर उक्त दोनों शख्स हैण्डलूम के 2 फ्लोर पर बने जूता काउंटर पर हैण्डलूम स्टाफ सैल्समेन भीख सिंह व गंगा सिंह के पास गए। उनके पास जाते ही इधर-उधर देखकर थैली जो माल से भरी हुई थी जिसको भीख सिंह ने उनमे से एक शख्स को दे दी एवं वो दोनों शख्स दो फ्लोर से नीचे उतर कर मैन गेट से बाहर निकल गए। दोनों को गेट तक छोड़ने के लिए भीख सिंह खुद उनके साथ मैनगेट तक आया। घटना पर संदेह होने पर पिछले 20-22 दिनो के सीसीटीवी फूटेज चेक किये तो सैल्समेन भीख सिंह व गंगा सिंह द्वारा अपने मिलने वालों को बुलाकर बिना किसी बिल का भुगतान किए सामान देते हुए दिखाई दे रहे हैं। फुटवियर काउंटर के स्टाक चेक करने पर 1 अप्रेल 2026 से 8 अगस्त तक का डाटा मिलान करने पर स्टाक कम मिला। आरोप है कि दोनों ने साजिशपूर्ण तरीके से माल को चोरी छुपे बिना बिल परिचितों को दिए।

- बिना बिल ही दे दिया सामान, एक कर्मचारी गिरफ्तार, दूसरे की तलाश जारी

थानाधिकारी सुंदर कला ने बताया कि एक नामजद आरोपी भीखसिंह को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। मामले में आगे से आगे कड़ी को जोड़ा जा रहा है।

अपहरण और लूट के मामले का पर्दाफाश

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण की शेरगढ़ थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने व्यापारी कैलाश सोनी के अपहरण और लूट के मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस वारदात में शामिल चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सभी बदमाश पेशेवर चोर और नकबजन हैं।

पुलिस के अनुसार, वारदात की साजिश सोलंकियातला निवासी आरोपी अचलाराम ने रची थी। उसने पीड़ित कैलाश सोनी की दुकान से घर आने-जाने के समय की पूरी रेकी की और अपने साथियों को मोबाइल पर इसकी पल-पल की जानकारी दी। लोकेशन मिलते ही मगाराम, अशोक कुमार, श्रवणराम और नारायणराम ने सुनियोजित तरीके से व्यापारी का अपहरण किया और मारपीट कर सोने-चांदी के जेवर लूटकर फरार हो गए।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी श्रवणराम (22), मगाराम (29), अशोक कुमार (24) और मुखबिरी करने वाले अचलाराम (20) को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट ने आरोपियों को पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है, जिनसे लूटे गए जेवरात की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। समस्त वारदात में शामिल एक अन्य आरोपी नारायणराम भील अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

कोटा में पांच किलो अफीम डोडा-चूरा जब्त

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए 5 किलो 126 ग्राम अफीम डोडा-चूरा सहित तस्कर को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा मय जाब्ता इलाके में गश्त करते हुए रंगपुर पुलिया के पास पहुंचे, जहां चाय की थड़ी पर एक व्यक्ति पिठ्ठु बैग सहित बैठा था, जो पुलिस जाब्ता को देखकर उठकर जाने लगा जिस पर पुलिस टीम को संदेह होने पर पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की, पूछताछ में संतोषप्रद जबाव नहीं मिलने पर पुलिस ने व्यक्ति को डिटेन कर उसके बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग में से डोडा-चूरा बरामद किया। पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला जोधपुर ग्रामीण के ग्राम नंदिया खुर्द निवासी प्रतापराम (28) को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपी प्रतापराम से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चितौड़गढ़ , झालावाड़ और बारां जिले से सामान्य मात्रा मे अफीम डोडा चूरा खरीदकर बस व ट्रेनों के माध्यम से अपने गांव पहुंचकर मादक पदार्थ अफीम डोडा चूरा को पीसकर छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर अपने गांव व आस-पास के क्षेत्रो में बेचता था। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी मादक पदार्थ डोडा-चूरा को बारां से लाकर ट्रेन के माध्यम से जोधपुर जाने की फिराक में था।

अवैध शराब जब्त

उदयपुर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर पाटिया थानाधिकारी रमेशचन्द्र मय टीम ने झांझरी नाल में नाकाबंदी कर कार को रोक तलाशी ली तो उसमें तीन लाख की शराब के 38 कार्टन भरे थे। इस पर कार मय शराब जब्त कर लोकेश, जितेश को गिरफ्तार किया।

बोर्ड ने परख आधारित प्रश्न पत्र निर्माण कार्यशालाएं शुरू की

अजमेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 के अनुरूप राज्य की परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रणाली में व्यापक बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाया है। इसके तहत राष्ट्रीय मूल्यांकन मानक संस्थान परख की टैक्सोनॉमी पर आधारित दक्षता मूलक एवं संतुलित प्रश्न-पत्र तैयार करने के लिए राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। छह जुलाई 2026 से शुरू हुई इस प्रशिक्षण श्रृंखला के तहत पांच दिवसीय संतुलित प्रश्न पत्र निर्माण कार्यशाला के छठे बैच का शुभारंभ किया गया।

- कार्यशाला का उद्देश्य वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों को अधिक संतुलित, वैज्ञानिक और विद्यार्थी केंद्रित बनाना है
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. इंदिरा भादुड़ी ने कहा कि राज्यस्तरीय कार्यशालाएं दक्षतामूलक परीक्षा प्रणाली के मानकीकरण और प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी

कार्यशाला का उद्देश्य वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों को अधिक संतुलित, वैज्ञानिक और विद्यार्थी केंद्रित बनाना है। कार्यशाला का शुभारंभ राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष हनुमान सिंह राठौड़ ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। बोर्ड अध्यक्ष हनुमान सिंह राठौड़ ने कहा कि टैक्सोनॉमी आधारित प्रश्न-पत्र भारतीय शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। परीक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति या रटने की क्षमता को जांचना नहीं, बल्कि उनकी समझ, अनुप्रयोग, विश्लेषण और समस्या समाधान की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

कार्यशाला के दौरान परख की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. इंदिरा भादुड़ी ने ऑनलाइन वीडियो संदेश के माध्यम से राष्ट्रीय आकलन ढांचे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे मूल्यांकन सुधार विद्यार्थियों में केवल सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय व्यावहारिक क्षमताओं के विकास पर केंद्रित हैं। राज्यस्तरीय कार्यशालाएं दक्षतामूलक परीक्षा प्रणाली के मानकीकरण और प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

बोर्ड की परख समन्वयक उषा कच्छावा ने नवगठित परख मूल्यांकन प्रकोष्ठ की कार्ययोजना प्रस्तुत की। यह प्रकोष्ठ एकीकृत परीक्षा प्रबंधन प्रणाली और मानकीकृत मूल्यांकन के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यशाला में छह प्रमुख विषय समूहों को शामिल किया गया है। इनमें भाषा विषय, विज्ञान एवं गणित, सामाजिक विज्ञान एवं कला, वाणिज्य एवं अन्य विषय, भारतीय एवं क्षेत्रीय भाषाएं तथा कृषि एवं संबद्ध विषय शामिल हैं। प्रशिक्षण में परख टैक्सोनॉमी के तीन प्रमुख स्तंभों-जागरूकता, संवेदनशीलता और सृजनात्मकता-को प्रश्न-पत्रों में संतुलित रूप से शामिल करने पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही विद्यार्थियों की समझ, अनुप्रयोग, विश्लेषण, तार्किक चिंतन, पंचकोशीय विकास तथा 21वीं सदी के कौशलों के व्यावहारिक आकलन को ध्यान में रखकर प्रश्न तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान विषय विशेषज्ञों को स्वीकृत ब्लूप्रिंट के आधार पर वस्तुनिष्ठ, अति लघुत्तरात्मक, केस स्टडी तथा दक्षता मूलक प्रश्न तैयार करने का अभ्यास कराया जा रहा है। इन प्रक्रियाओं को भविष्य में एकीकृत परीक्षा प्रबंधन प्रणाली से जोड़े जाने की योजना है। प्रशिक्षण श्रृंखला में ब्लूप्रिंट विकास, प्रश्न-पत्र निर्माण और मूल्यांकन के मानकीकरण के लिए पांच विशेषज्ञों का प्रमुख योगदान रहा है।

इनमें दर्शन शर्मा, डॉ. राकेश कछारा, मनोज कुमार उपाध्याय, योगेश कुमार मिश्रा और डॉ. विनोद टेकचंदानी शामिल हैं। बोर्ड के अनुसार इस पूरी पहल से विषय विशेषज्ञ से लेकर ब्लूप्रिंट, प्रश्न निर्माण, प्रश्न-पत्र और मूल्यांकन तक एक पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण प्रक्रिया विकसित होगी। इससे राज्य के लाखों विद्यार्थियों की वास्तविक दक्षताओं के अधिक सटीक आकलन के लिए मजबूत आधार तैयार होने की उम्मीद है।

छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर अजमेर में छात्रों का प्रदर्शन

अजमेर, (निसं)। प्रदेश में पिछले तीन वर्ष से बंद छात्रसंघ चुनावों को पुन: शुरू करने की मांग को लेकर सोमवार को राजकीय महाविद्यालय अजमेर में छात्रों ने प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष अंकित घारू और इकाई अध्यक्ष मेहुल गुर्जर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र महाविद्यालय पहुंचे और मुख्य द्वार पर धरना देकर चुनाव बहाल करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने महाविद्यालय प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस एवं छात्रों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। पुलिस जाब्ता मौके पर तैनात रहा। बाद में छात्र महाविद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन देने के लिए पहुंचे।

जिला अध्यक्ष अंकित घारू ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव लोकतंत्र की पहली पाठशाला हैं। छात्र राजनीति लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहली सीढ़ी मानी जाती है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से चुनाव बंद होने के कारण प्रदेश के लाखों छात्रों को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने का अवसर नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने अपने घोषणा पत्र में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद सरकार छात्रों की इस मांग को लगातार नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों के अधिकारों के लिए संगठन का संघर्ष जारी रहेगा।

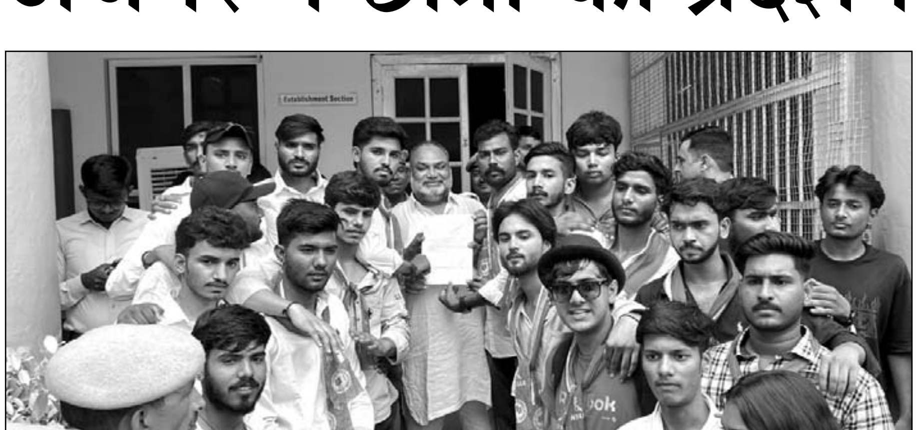

मांगों को लेकर छात्रों ने महाविद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन दिया।

इकाई अध्यक्ष मेहुल गुर्जर ने कहा कि छात्र राजनीति के माध्यम से गरीब, किसान और मजदूर परिवारों के बच्चों की आवाज मजबूती से उठती है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रसंघ चुनाव बंद रहने से सामान्य परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों के राजनीतिक रूप से आगे बढ़ने के अवसर प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ चुनाव बहाल होने तक आंदोलन जारी रखा जाएगा।

- राजकीय कॉलेज के मुख्य द्वार पर छात्रों ने धरना देकर नारेबाजी की, पुलिस और छात्रों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई

प्रदर्शन के बाद छात्रों ने प्राचार्य को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर छात्रसंघ चुनाव तत्काल बहाल करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के बाद मामला शांत हुआ। इस दौरान पुलिस की ओर से क्लॉक टावर थाने का जाब्ता भी मौके पर मौजूद रहा। प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष नंदू गुर्जर, सुनील मेघवंशी, संजय खींची, शरद राठौड़, दीपिका, जीतेश मोहनपरीया, जीशान खान, फरहाद खान, सनी गुर्जर, लाला चौधरी, अर्जुन जाट, युवराज जाट, प्रिंस मीणा, लोवलेश गुर्जर, आदित्य गोयर, विकास मेघवंशी, अशफाक खान, पीहू जाट, अभिषेक नायक, अरमान मलिक, रेहान खान सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाले में गिरने से 2 वर्षीय बालिका की मौत, परिजनों ने धरना दिया

परिजनों का आरोप प्रशासन द्वारा नाले को बन्द नहीं करवाने से हुआ हादसा

टोंक । टोडारायसिंह उपखण्ड के हमीरपुर गांव में रविवार देर सांय 2 साल की मासूम खेलते हुए घर के बाहर ही खुले नाले में गिर गई, जिसके बाद परिजनों ने उसे तुरंत बाहर निकाला और अस्पताल लेकर भागे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजन शव लेकर घर के बाहर धरने पर बैठ गए। परिजनों का आरोप है कि प्रशासन को नाला बंद करने के लिए कई बार कहा लेकिन उन्होने कोई सुध नहीं ली। मामले की गम्भीरता को देखते हुए प्रशासन की ओर से टोंक तहसीलदार और नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे और समझाइश की तथा परिजनो की 4 मांग मांगने के बाद परिजनों ने धरना समाप्त किया।

टोडारायसिंह के हमीरपुर गांव में 2 साल की मासूम की नाले में गिरने से मृत्यु होने पर परिजनों ने धरना दिया।

मृतका के पिता अरबाज खान निवासी हमीरपुर ने बताया कि मेरी इकलौती बेटी अनाबिया (उम्र 2 वर्ष) जो रविवार शाम 5.45 बजे मकान के बाहर खेल रही थी, इसी दौरान वह घर के पास से गुजर रहे करीब 5 फीट गहरे खुले नाले में गिर गई। नाले में गिरने के बाद उसे तुरंत बाहर निकाला गया और हमीरपुर पीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अरबाज ने बताया कि जिस खुले नाले में बच्ची गिरी, उसे बंद करने की मांग पहले भी पंचायत प्रशासन से कई बार शिकायत की गई थी। इस मामले में नायब तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारियों को भी पहले जानकारी दी गई थी।

■ **मामले की गम्भीरता को देखते हुए प्रशासन की ओर से टोंक तहसीलदार और नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे और समझाइश की तथा परिजनों की 4 मांग मांगने के बाद परिजनों ने धरना समाप्त किया।**

इसके बाद भी कोई कार्यवाही नही की गई। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते नाले की उचित सुरक्षा व्यवस्था कर दी जाती तो संभवतः हादसा टाला जा सकता था।

लंबित मांगों के समाधान की मांग

निवाई। राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन ने पांचों विद्युत निगमों में कार्यरत तकनीकी कार्मिकों की मांगों व समस्याओं के शीघ्र निराकरण करवाने के लिए एसडीएम गंभीर सिंह को मुख्यमंत्री व ऊर्जामंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष रामरूप मीणा ने बताया कि तकनीकी कार्मिक विपरीत परिस्थितियों, अत्यधिक कार्यभार, त्योहारों, राजकीय अवकाशों एवं रविवार के दिनों में भी निरन्तर ड्यूटी देकर प्रदेश की बिजली व्यवस्था को सुचारू बनाए रखते हैं। इसके बावजूद लंबे समय से उनकी मांगों का समाधान नहीं होने के कारण कार्मिकों में भारी असंतोष व्याप्त है।

ज्ञापन में मुख्य रूप से अंतर-डिस्कॉम स्थानांतरण के लिए पारदर्शी व न्यायसंगत इंटर-डिस्कॉम तबादला नीति बनाने व टाइम बॉन्ड पदोन्नित का लाभ जॉइनिंग की तिथि से जयपुर डिस्कॉम की भांति सभी निगमों में समान रूप से लागू करवाने की मांग की गई। इसके अलावा कठिन व जोखिमपूर्ण कार्य करने की परिस्थितियों को देखते हुए हाई ड्यूटी अलाउंस, सभी कर्मचारियों को निःशुल्क बिजली सुविधा एवं वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार साइकिल अलाउंस के स्थान पर मोटरसाइकिल अलाउंस लागू करवाने की मांग की है।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति दौसा (राज)
PH: 01427-230078 mailid- kums.dausa@rajasthan.gov.in

क्रमांकः-23827613 दिनांकः- 08.05.2026

संशोधित आवंटन सूचना

संशोधित आवंटन विज्ञप्ति मुख्य मण्डी यार्ड दौसा के गौण मण्डी यार्ड नांगल राजावतान, मानपुरिया फल-सब्जी एवं गौण मण्डी यार्ड लवाण (अनाज) हेतु आवंटन विज्ञप्ति क्रमांक 209-231 दिनांक 06.07.2026 एवं मुख्य मण्डी यार्ड दौसा में फूल-ब्लॉक हेतु आमंत्रित विज्ञप्ति क्रमांक 232-254 दिनांक 06.07.2026 के द्वारा आमत्रित कि गई थी जिसमें आवेदन प्राप्ति की अन्तिम दिनांक 06.08.2026 समय साय 5.00 बजे तक रखी गई थी। इसे 15 दिवस बढाकर दिनांक 21.08.2026 साय 5.00 बजे तक किया जाता है। सूचित रहे।

राज.संवाद/सी/26/9165 प्रशासक सचिव

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर
2-2ए, झालाना डूंगरी, जयपुर, फोन नम्बर 0141-2711237, 2700540
E-Mail : SECRETARY.RSTB@RAJASTHAN.GOV.IN

प्रस्ताव आमंत्रण विज्ञप्ति (378)

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल के अधीनस्थ 15 वितरण केन्द्रों के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेखो का आंतरिक अंकेक्षण एवं चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में स्टोर का शत प्रतिशत भौतिक सत्यापन के लिए सभी प्रकार की पुस्तकों व स्थाई सामान का भौतिक सत्यापन करने हेतु चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स फर्म से आवेदन आमन्त्रित किये जाते है। इच्छुक चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स दिनांक 20.08.2026 को सायं 5 बजे तक मण्डल कार्यालय में आवेदन व्यक्तिशः / डाक द्वारा/ई-मेल द्वारा प्रस्तुत कर सकते है। आवेदन पत्र एवं अन्य विवरण **sppp.rajasthan.gov.in** पर भी देखा जा सकता है।

UBN :- TBB2627SSOB00010

राज.संवाद/सी/26/9290 सचिव राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल

Aavas SAPNE AAPKE SAATH HAMAARA
आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड
(सीआईएनः L65922RJ2011PLC034297)
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालयः 201-202, द्वितीय मंजिल, साउथ एंड स्क्वायर, मानसरोवर इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302020, राजस्थान, भारत | फोनः +91 141 661 8800
फैक्सः +91 141 661 8861 | ईमेलः info@aavas.in | वेबसाइटः www.aavas.in

सार्वजनिक सूचना
कंपनी की नीम का थाना शाखा को नए स्थान पर स्थानांतरित करने की सूचना

यह सूचित किया जाता है कि कंपनी की **नीम का थाना शाखा** इस सूचना की तारीख से तीन महीने बाद **पहली मंजिल, बिएसएनएल टॉवर के पास, शाहपुरा रोड, नीम का थाना, राजस्थान - 332713** से **पहली मंजिल, कमल हाइट्स, आदर्श कॉलोनी, वार्ड नं. 08, शाहपुरा रोड, नीम का थाना, जिला - सीकर, राजस्थान - 332713** स्थान पर स्थानांतरित कर दी जाएगी।
दिनांकः 11 अगस्त 2026 आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड के लिए
स्थानः जयपुर एसडी/-
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda 119
क्षेत्रीय दबाव ग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, बड़ौदा भवन, द्वितीय तल, प्लॉट नं. 13, एयरपोर्ट प्लाजा, दुर्गापुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राज.) 302018
फोन नं.: 0141-2727166, फैक्सः 0141-2727106, ई-मेलः armjai@bankofbaroda.com

परिशिष्टः IV (नियम 8(i) कब्जे की सूचना (स्थावर संपत्ति के लिए)

यतः (whereas) वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन एवं प्रतिभूति-हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का संख्यांक 54) के अन्तर्गत एवं धारा 13 (12) सपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, **बैंक ऑफ बड़ौदा** के प्राधिकृत अधिकारी ने **डिमांड नोटिस दिनांक 11.05.2026** को जारी किया जिसमें ऋणी **श्रीमती सुनीता पत्नी स्व. श्री अरविंद कुमार शर्मा (माता एवं लीगल उत्तराधिकारी स्व. श्री राजपाल शर्मा)** को नोटिस में उल्लिखित राशि समस्त खातों में कुल **रू. 33,03,162.44/- दिनांक 11.05.2026 तक ब्याज शामिल करते हुए तथा इसके आगे का ब्याज एवं अन्य खर्चे** का भुगतान इस नोटिस की पावती की तारीख से 60 दिनों के भीतर करने के लिए कहा गया था।
ऋणियों द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल रहने पर, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप धारा (4) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतदद्वारा ऋणियों और आम लोगों को यह नोटिस दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने नीचे उल्लेख की गई संपत्ति का कब्जा **वर्ष 2026 माह अगस्त की तारीख 07** से प्राप्त कर लिया है।
ऋणियों को विशेष रूप से एवं आम जनता को एतदद्वारा सावधान किया जाता है कि इस संपत्ति बाबत कोई संव्यवहार नहीं करें और इस संपत्ति के बाबत किया गया कोई भी संव्यवहार **रू. 33,03,162.44/- दिनांक 11.05.2026 तक ब्याज शामिल करते हुए तथा इसके आगे का ब्याज व अन्य खर्चे के बैंक ऑफ बड़ौदा** के प्रभार के अध्यधीन होगा।
ऋणियों का ध्यान प्रतिभूत आस्ति के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि स्व. श्री राजपाल शर्मा पुत्र श्री अरविंद कुमार शर्मा (कानूनी वारिस श्रीमती सुनीता शर्मा पत्नी स्व. श्री अरविंद कुमार शर्मा) के नाम फ्लैट नं. 509, पांचवी मंजिल जो मौजिका अल्टीमा फेज-1, गाँव चक सालगरामपुरा, तहसील सांगानेर, जयपुर, राजस्थान 303905 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 586.75 वर्ग फीट बिल्ट अप एरिया 527.01 वर्ग फीट है। सीमाएं- उत्तरः सेक्टर रोड़ 160 फीट, दक्षिणः अन्य भूमि, पूर्वः अन्य भूमि, पश्चिमः अन्य भूमि
सरसाई आईडीः 400083438683
स्थानः जयपुर हस्ता.
दिनांकः 07.08.2026 (के. के. वर्मा) प्राधिकृत अधिकारी

निर्मल पंसारी और एलन स्वामी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

पावटा । पावटा-प्रागपुरा क्षेत्र के लिए खुशी और गौरव का अवसर है। पावटा-प्रागपुरा नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि भाई साहब निर्मल जी पंसारी एवं प्रागपुरा के पूर्व सरपंच एलन स्वामी को जिला स्तरीय जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। दोनों के मनोनयन से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल है। समर्थकों एवं शुभचिंतकों ने नवनियुक्त सदस्यों का अभिनंदन करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। क्षेत्रवासियों ने कहा कि निर्मल पंसारी एवं एलन स्वामी का जनसेवा एवं स्थानीय स्तर पर सक्रियता का अनुभव निश्चित रूप से समिति के कार्यों में उपयोगी साबित होगा। दोनों ही सदस्य आमजन की समस्याओं को प्रभावी ढंग से प्रशासन के समक्ष रखने तथा उनके निराकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे। इस अवसर पर शुभचिंतकों ने विश्वास जताया कि दोनों नवनियुक्त सदस्य पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सक्रियता के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए आमजन की आवाज को मजबूत करेंगे।

किशनगढ़बास में 46 परिवारों को मिला जमीन का मालिकाना हक

किशनगढ़ बास। नगर पालिका किशनगढ़ बास की ओर से घुमंतू जीवन जीने वाले गड़रिया लोहार समाज के परिवारों को स्थायी रूप से बसाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। सोमवार को महाराणा प्रताप नगर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 46 परिवारों को मालिकाना अधिकार देते हुए भूखंडों के पट्टे वितरित किए गए। लंबे समय से अपने आशियाने और जमीन के अधिकार का इंतजार कर रहे परिवारों के लिए यह दिन खुशी और भावुकता से भरा रहा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामहेत यादव, उपखंड अधिकारी सत्यवीर सिंह यादव, नगर पालिका चेयरमैन तारामणि सतीश सिंघल, निकाय अधिकारी-कर्मचारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल, युवा नेता एडवोकेट विश्वास यादव, राजेश बटवाडा, उमेश कांत वशिष्ठ सहित भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। महाराणा प्रताप नगर में गड़रिया लोहार समाज के परिवारों को जमीन का मालिकाना अधिकार मिलने के बाद परिवारों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। बुजुर्गों, महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने लंबे संघर्ष के बाद मिले इस अधिकार को अपने जीवन की बड़ी उपलब्धि बताया। परिवारों ने करीब दो वर्ष पहले यहां तत्कालीन उपखंड अधिकारी के रूप में कार्यरत प्रशिक्षु आईएएस घीरज सिंह के प्रयासों को भी याद किया। बताया गया कि उस दौरान नगर पालिका की बेशकीमती भूमि को कब्जे से मुक्त कराने की कार्रवाई की गई थी, जिसके बाद गड़रिया लोहार परिवारों को यहां बसाने की दिशा में प्रयास आगे बढ़े। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामहेत यादव ने तत्कालीन एसडीएम घीरज सिंह के प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि जब भूमि खाली कराने की बात सामने आई थी, तब उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि यहां रहने वाले लोग महाराणा प्रताप के वंशज हैं और स्थानीय स्तर पर उनसे संवाद कर समस्या का समाधान किया जा सकता है। रामहेत यादव के अनुसार इसके बाद विश्वास यादव, चेयरमैन प्रतिनिधि और अन्य लोगों के साथ प्रशासन की बातचीत हुई।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम मसर्रत बानो से बदलकर मसर्रत जहाँ W/o मोहम्मद सलीम रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। म.न.3692, गौपीनाथ वैद्य जी की गली, फूटा खुर्रा, रामगंज बाजार, जयपुर

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम जयपुर
नई विधानसभा के पास लालकोठी, जयपुर)
क्रमांक एफ ()/न.नि.ज./मा.न. जोन/2026/2601 दि.10.08.2026

सार्वजनिक सूचनाः-सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम जयपुर के द्वारा भूखण्ड संख्या 20 पुरोहित जी का बास का पट्टा श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री भौरिलाल को क्षेत्रफल 111.63 वर्गगज का दिनांक 17.12.2007 को जारी किया गया है। श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री भौरिलाल का स्वर्गवास दिनांक 09.03.2017 को एवं इनकी पत्नि श्रीमती गुलाब देवी का स्वर्गवास दिनांक 28.11.2020 को हो चुका है। श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री भौरिलाल के वारिसान श्रीमति कांता देवी एवं श्रीमति प्रेम (बहनों) के द्वारा (अविभाजित) भूखण्ड संख्या 20 पुरोहित जी का बास का रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांक 24.03.2023 के द्वारा अपना-अपना हक आवेदको श्री लालचन्द सैनी एवं श्री तारा चन्द सैनी पुत्रान् श्री गुलाब चन्द सैनी (भाईयो) के हक में निष्पादित किया गया है। आवेदको श्री लालचन्द सैनी एवं श्री तारा चन्द सैनी पुत्रान् श्री गुलाब चन्द सैनी के द्वारा पट्टा, साइट प्लान एवं निष्पादित रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांक 24.03.2023 के आधार पर नगर निगम जयपुर के द्वारा भूखण्ड संख्या 20 पुरोहित जी का बास जयपुर का नाम हस्तान्तरण श्री लालचन्द सैनी एवं श्री तारा चन्द सैनी पुत्रान् श्री गुलाब चन्द सैनी के पक्ष में किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी भी प्रकार की कोई आपति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर) में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति पश्चात् नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर

खोया पाया

मेरा राजस्थान फार्मेसी काउंसिल का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट संख्या 30289, जारी दिनांक- 24.11.2009 जो जयपुर में कहीं खो गया है किसी को मिले तो सूचित करें। अरुण कुमार लखेरा। मो.- 9829791671

मेरा मकान संख्या 74/145 टैगोर लाईन मानसरोवर, जयपुर के मूल Cash Receipts Allotment Latter, Kabja Patra रसीदें व अन्य कागजात कहीं खो गये है मिलने पर सूचित करें- किशोर धनवानी, मो.9828666555

मेरे भूखंड सं.536जे.डी.ए योजना रोहिणी नगर- रेनवाल जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र एवं कब्ज़ा पत्र कही गुम हो गए है मिलने पर सूचित करे- सुशील कुमार मौर्य मो. 9098662037

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय, मौजमाबाद जिला जयपुर
दौलत सिंह बनाम बालू वगै.
वाद संख्या-111/2003
दौलत सिंह पुत्र उम्मेद सिंह जाति राजपूत निवासी गुढासहायपुरा तहसील मोजमाबाद जिला जयपुर राज.
-वादी
बनाम
1. बालू पुत्र जगनाथ जाति जाट निवासी बागेत तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर राज0
2. तहसीलदार तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर राज.
-प्रतिवादीगण

वाद बाबत घोषणा व स्थायी निषेधाज्ञा
वादी ने प्रतिवादीगण के विरूद्ध वाद उपरोक्त के लिये वाद संस्थित किया है, आप इस न्यायालय में दिनांक 11.08.2026 को दिन में 10.00 बजे दावें का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे में या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावें या प्रतिदावें के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख पर / प्रकाशन की दिनांक से 30 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 4 माह 8 सन 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
उपखण्ड अधिकारी
मौजमाबाद (जयपुर)

बोल बम के जयकारों से गूंजा पावटा

पावटा में कांवड़ यात्रा धूमधाम से निकाली गई।

पावटा। सावन के पावन अवसर पर सोमवार को पावटा कस्बा पूरी तरह शिवमय नजर आया। बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर महंत जयराम दास त्यागी के सान्निध्य एवं बाबा भूतनाथ कमेटी के तत्वावधान में आयोजित विशाल कांवड़ यात्रा में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। ढोल-ताशों की गूंज, भव्य धार्मिक झांकियों और हजारों श्रद्धालुओं के बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा कस्बा गूंज उठा। पेट्रोल पंप पावटा के समीप स्थित एमके कांवड़ सेवा शिविर से सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई कांवड़ यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों एवं कॉलोनियों से होती हुई बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में कांवड़िए एवं श्रद्धालु शामिल हुए। जगह-जगह नगरवासियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पुष्प वर्षा कर कांवड़ियों का भव्य स्वागत किया। यात्रा के दौरान क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़, पावटा पूर्व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता कन्हैयालाल मीणा, गोपाल अठावाल, बनवारीलाल यादव, शिवपाल राठी, गंगाराम मीणा, विमल गर्ग, दुर्गादत्त भारद्वाज, नगर ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुरेश शर्मा, हीरालाल गवारिया, मुकेश गोयल, विकास शर्मा, रामशरण बोहरा, पप्पू तूड़ी वाले सहित जनप्रतिनिधियों एवं नगरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर कांवड़ियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। कांवड यात्रा के कॉलोनियों में पहुंचते ही महिलाओं ने भी आरती एवं पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। महिलाओं ने पुष्प वर्षा कर शिवभक्तों का उत्साह बढ़ाया। पूरे यात्रा मार्ग पर धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा। इस बार बंटी राज पार्टी अलवर द्वारा प्रस्तुत विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियां आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं। अघोरी एवं तांडव नृत्य की प्रस्तुतियों के साथ अग्नि प्रदर्शन प्रमुख रहा।

साइबर ठगी मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में साइबर ठगी के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान में जिला स्पेशल टीम व पुरानी टोंक थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए क्षेत्र में कई स्थानों पर दबिश देकर तीन साइबर अपराधियों को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में उनके कब्जे से चार मोबाइल को जब्त किया है। पुलिस से के अनुसार आरोपी कानाराम पुत्र पप्पू लाल मीणा उम्र 22 साल निवासी तालपुरा थाना मेहंदवास, लोकेंद्र पुत्र पप्पू लाल मीणा उम्र 21 साल निवासी तुबंभीपूरा थाना उनियारा और कुलदीप पुत्र हंसराज गुर्जर उम्र 22 साल निवासी तालपुरा थाना मेहंदवास को साइबर ठगी प्रकरण में डिटेन कर प्रारंभिक जांच करने पर तीनों आरोपियों के पास से 75 फर्जी सिम का प्रयोग करना पाया गया। जिसमें आरोपी अपने मोबाइल से फर्जी फोन पे, सटका मटका कल्याण के माध्यम से वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम के माध्यम से आम जनता को मोटी रकम दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगी का काम पिछले 4 सालों से कर रहे थे।

कार्यालय नगर पालिका जोबनेर जिला जयपुर

क्रमांकः न.पा.जो./2026-27/1213 दिनांक 06.08.2026

(सार्वजनिक सूचना)
प्रारूप-5 (नियम 6(2))

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका मण्डल जोबनेर में 69 क/स्टेट ग्रान्ट/खांचा भूमि पट्टा/नामान्तरण/निमार्ण ईजाजत के तहत् निम्न लिखित पत्रावलियां विचाराधीन है। अगर इन सम्पतीयों का निस्तारण करने में किसी को कोई आपति हो तो 7 दिवस के अन्दर मियाद अपनी आपति सबूतों सहित पालिका में दर्ज करवा सकते है। अवधि पूर्ण होने के बाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नही होगी व नियमानुसार अग्रीम कार्यवाही की जायेगी।

69क/स्टेट ग्रान्ट पट्टा/खांचा भूमि पट्टा

क्रं. सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम	आसे पासे का विवरण				आवासीय/व्यावसायिक	क्षेत्रफल (वर्गगज)
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण		
1	श्री मातादीन पारीक पुत्र श्री सत्यनारायण पारीक	वार्ड सं. 14 वकीलो का मोहल्ला जोबनेर	श्री महावीर पारीक का मकान	श्री रामवतार पारीक का मकान व आम चौक	गली 4 फिट चौडी	खटीकों की जमीन	आवासीय	165.95 वर्गगज
2.	श्री महावीर पारीक पुत्र श्री सत्यनारायण पारीक	वार्ड सं. 14 वकीलो का मोहल्ला जोबनेर	आम रास्ता	श्री मातादीन का मकान	गली 4 फिट चौडी	खटीकों की जमीन	आवासीय	165.95 वर्गगज
3.	श्री जितेन्द्र कुमावत पुत्र श्री मूलचन्द कुमावत	वार्ड सं. 1 नागो का मोहल्ला जोबनेर	श्री सत्यनारायण जी प्लाट	श्री गोपाल लाल जी कुमावत का प्लाट	श्री अशोक कुमावत, श्रवण कुमार कुमावत का मकान	आम रास्ता	आवासीय	184.88 वर्गगज
4.	श्री श्रवण कुमार कुमावत पुत्र श्री मुलचन्द कुमावत	वार्ड सं. 1 नागो का मोहल्ला जोबनेर	श्री सोहन लाल जी, श्री पूरणमल जी का प्लाट	श्री अशोक कुमावत, का भूखण्ड	आम रास्ता	श्री जितेन्द्र कुमावत का मकान	आवासीय	180.25 वर्गगज
5	श्री अशोक कुमावत पुत्र श्री मुलचंद कुमावत	वार्ड सं. 1 नागो का मोहल्ला जोबनेर	श्री श्रवण कुमार कुमावत का भूखण्ड	श्री गोपाल लाल कुमावत का प्लाट	आम रास्ता	श्री जितेन्द्र कुमावत का मकान	आवासीय	180.25 वर्गगज
6	श्री मंगल चंद पुत्र श्री नन्दाराम	आदर्श कॉलोनी जोबनेर	रास्ता 12 फिट चौडा	श्री पूरण तंवर का मकान	श्री दामोदर रामपाल चावला का मकान	रास्ता 10 फिट	आवासीय	80 वर्गगज
7.	श्री पदम चन्द जैन पुत्र श्री हनुमान लाल	बडे जैन मन्दिर के पास माताजी का रास्ता वार्ड सं. 11 जोबनेर	आम रास्ता	अन्य की जमीन	भागचन्द जी का प्लाट	आम रास्ता	आवासीय	50.36 वर्गगज
8	श्री शंकर लाल पुत्र श्री मन्ना राम,	रैगरो का मोहल्ला जोबनेर	श्री कल्याण मल मौर्य का मकान	श्री बिरदी चन्द जाजोरिया का मकान	आम रास्ता सीमेंट सडक	श्री अनवर लुहार का मकान	आवासीय	88.33 वर्गगज
9	श्री डालचन्द नोगिया पुत्र श्री रामदेव नोगिया	वार्ड सं. 07 रैगरो का मोहल्ला जोबनेर	आम रास्ता	चौक	श्री सरूप रैगर का मकान	आम रास्ता	आवासीय	54.44 वर्गगज

निमार्ण ईजाजत

क्रं. सं.	आवेदक का नाम मय पिता/पति	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम	आसे पासे का विवरण				आवासीय/व्यावसायिक	क्षेत्रफल (वर्गगज)
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण		
1	धन्ना लाल पुत्र श्री हनुमान	ब्बेरवालो की ढाणी खसरा नं. 825	श्री लालाराम कुमावत की भूमि	रास्ता 30 फिट चौडा	श्रीमति सन्तोष शर्मा के प्लाट की भूमि	श्री रामकुमार जांगिड व श्रीमति बनारसी देवी की भूमि	आवासीय	213.88 वर्गगज आवासीय

राज.संवाद/सी/26/9242
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल जोबनेर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या सलमा पत्नी मोहसीन खान, निवासी-म.नं. जे-176, धन्नादास की बगीची, आदर्श नगर, जयपुर की है, मेरी अभिभाष्या का पुत्र मो. अरमान पुत्र मोहसीन खान, निवासी-35/117, प्रताप नगर, जयपुर मेरी अभिभाष्या के कहने मे नही है, मेरी अभिभाष्या के साथ दुर्व्यवहार करता है, इसलिए मेरी अभिभाष्या ने पुत्र मो. अरमान को उसके आचरण के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है, भविष्य में मेरी अभिभाष्या की चल-अचल सम्पति से मो. अरमान का कोई सम्बन्ध नही रहेगा, उससे जो कोई भी संव्यवहार व लेन-देन करेगा, उनकी स्वंय की जिम्मेदारी होगी। सूचित रहे। जयपुर।
दिनांक 11/8/26 (अब्दुल सलाम सांखला) एडवोकेट, मोबाइल-9829184678

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्या मैना खान पुत्र श्री बाबू खान उम्र 68 वर्ष निवासी मकान नं0 4-बी, मोलाना साहब की दरगाह के पास, चार दरवाजा के बाहर, जयपुर राजस्थान ने अपने पुत्र अहसान खान व उसकी पत्नी यासमीन को उसकी नाफरमानियों की वजह से अपनी तमाम चल अचल सम्पती से बेदखल कर दिया है व उन्होंने अहसान खान व उसकी पत्नी यासमीन से अपने तमाम रिस्ते तोड लिये है अब मेरे अभिभाष्या मैना खान से अहसान खान व उसकी पत्नी यासमीन का कोई सरोकार नही रहा है कोई भी व्यक्ति भविष्य मे अहसान खान व उसकी पत्नी यासमीन से किसी भी प्रकार का कोई कार्य व लेन-देन नही करे अगर कोई करता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहे।
दिनांकः 22-07-2026 (हुसैन बख्श) एडवोकेट
जयपुर (मो.नं.9828020514)

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र नारायण लाल व कविता पत्नि चन्द्र प्रकाश निवासी प्लाट नं0 370/4, तेलीपाड़ा, शास्त्री नगर, जयपुर के पुत्र नीरज शर्मा उम्र 28 साल पुत्री पायल शर्मा उम्र 20 साल मेरे मुवक्किल से लड़ाई झगड़ा करते रहते है व उनका सम्मान नहीं करते है। इसलिये मेरा मुवक्किल अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से अपने पुत्र व पुत्री को बेदखल करता है। भविष्य में मेरे मुवक्किल की चल व अचल सम्पत्ति से उसके पुत्र व पुत्री का कोई लेना देना नहीं होगा। भविष्य में कोई लेना देना भी नही होगा।
(रूकमुद्दीन एडवोकेट) मो.-6350196113

कार्यालय उपायुक्त, मालवीय नगर जोन, नगर निगम, जयपुर (नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्रमांकः एफ()/न.नि.ज./मा.न.जोन/2026/2602 दिनांक 10.08.2026

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विजय कुमार दावडा पुत्र श्री हंसराज दावडा एवं श्रीमती कमलेश दावडा पत्नि श्री विजय कुमार दावडा द्वारा गुरूनानकपुरा, राजापार्क, जयपुर द्वारा क्वाटर संख्या 278, क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का उपविभाजन चाहा गया है। कार्यालय पुर्नवास विभाग जयपुर द्वारा दिनांक 03.07.1955 को क्वाटर सं. 278 क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज गुरूनानकपुरा, राजापार्क, जयपुर की कन्वेन्स डीड श्री वृद्वाराम पुत्र श्री आया सिंह के पक्ष में जारी किया गया। श्री वृद्वाराम पुत्र श्री पाया सिंह द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 01.08.1962 के द्वारा भूखण्ड संख्या 278 क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का विक्रय श्री प्रभुदयाल पुत्र श्री रामचन्द को विक्रय किया गया। श्री प्रभुदयाल पुत्र श्री रामचन्द के द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 29.11.2001 के द्वारा भूखण्ड संख्या 278 क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का विक्रय अपनी पत्नि श्रीमती जया देवी पत्नि श्री प्रभुदयाल के पक्ष में किया गया। श्रीमती जया देवी पत्नि श्री प्रभुदयाल के द्वारा रजि. विक्रय पत्र दिनांक 05.02.2005 द्वारा भूखण्ड संख्या 278 बी, गुरूनानकपुरा, राजापार्क की अपने हिस्से का 166.66 वर्गगज का विक्रय श्रीमती कमलेश दावडा पत्नि श्री विजय कुमार दावडा एवं श्री विजय कुमार दावडा पुत्र श्री हंसराज दावडा के पक्ष में किया गया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/ शपथ-पत्र के आधार पर आवेदक के पक्ष में उपविभाजन जारी किया जाना है। इस बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम, जयपुर) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार उपविभाजन की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
सहायक नगर नियोजक, मालवीय नगर जोन, नगर निगम, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री कपिल मधुकर पुत्र स्व. श्री मदन लाल, जाति बैरवा, निवासी बी-92, नॉर्थ पार्ट, गणेश नगर एक्सटेंशन 08, नियर बी एस.एस इंटरनेशनल स्कूल, निवारू रोड, झोटवाडा, जयपुर (राज.) स्वयं की माताजी श्रीमती राजकुमारी पत्नि स्व. श्री मदन लाल के नाम से आवासीय फ्लेट नम्बर एफ-1, फर्स्ट फ्लोर, मून रेजीडेन्सी-, प्लाट नं. 60-ए, श्रीरामपुरी, निवारू रोड, झोटवाडा, जयपुर (राज.) मे स्थित है जिसका कुल बिल्टअप एरिया 940 वर्गफीट है जिसे मेरे मुवक्किल एवं मेरे मुवक्किल की माताजी श्रीमती राजकुमारी पत्नि स्व. श्री मदन लाल ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) में बंधक रखकर ऋण प्राप्त किया हुआ था जिसका ऋण संख्या 602953673 एवं 628993372 है, उक्त श्रीमती राजकुमारी पत्नि स्व. श्री मदन लाल का स्वर्गवास 22.10.2020 को हो चुका है, श्रीमती राजकुमारी पत्नि स्व. श्री मदन लाल के हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान मे श्री कपिल मधुकर पुत्र स्व. श्री मदन लाल, श्री इन्द्रजीत मधुकर पुत्र स्व. श्री मदन लाल मधुकर एवं श्रीमती ज्योति मधुकर पत्नि श्री कृष्ण गोपाल पुत्री स्व. श्री मदन लाल है, इनके अलावा स्वर्गीय श्रीमती राजकुमारी पत्नि स्व. श्री मदन लाल का कोई विधिक उत्तराधिकारी अथवा वारिसान नही है, चूंकि मेरे मुवक्किल एवं उनकी माताजी श्रीमती राजकुमारी पत्नि स्व. श्री मदन लाल के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरे मुवक्किल स्वयं की माताजी श्रीमती राजकुमारी पत्नि स्व. श्री मदन लाल के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी-25, भगवान दास रोड़, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहते है, इस सम्बन्ध मे किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि मे अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नही होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरूद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।
जयपुर दिनांक
(श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट
6/48, मालवीय नगर, जयपुर मोबाईल 9829218044

हेतुक दर्शित करने हेतू सूचना
न्यायालय. : बअदालत पारिवारिक न्यायालय, हनुमानगढ़
पीठासीन अधिकारी :- अशोक कुमार टाक
प्रकरण संख्या :- 447/2025
सुनीता मीणा पत्नी श्री पप्पूलाल पुत्री श्री रामकरण आयु 30 वर्ष निवासी हाल आबाद चक नम्बर 14 एलएलडब्लयू, जोडकिया तहसील व जिला हनुमानगढ (राज0)
-: याची
बनाम
पप्पूलाल पुत्र श्री कैलाशचन्द्र आयु 35 वर्ष निवासी सैक्टर नम्बर 10, वायस गोदाम, जयपुर तहसील व जिला जयपुर (राज0)
-: अयाची
याचिका अन्तर्गत धारा 13 (1) हिन्दू विवाह अधिनियम 1955
चूंकि याची ने इस न्यायालय में अयाची के विरूद्ध याचिका अन्तर्गत धारा 13 (1) हिन्दू विवाह अधिनियम की याचिका की प्रस्तुत की है कि याची, अयाची पप्पूलाल के विरूद्ध विवाह विच्छेद की आज्ञिप्त प्राप्त करना चाहती है। अतः आपको जरिये नोटिस सूचित किया जाता है कि यदि इस सम्बन्ध में आपको कोई ऐतराज या आपत्ति हो तो आप दिनांक 02/09/26 को 10:00 बजे स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करे अन्यथा प्रकरण में एकपक्षीय सुनवाई की जाएगी।
आज दिनांक 14/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की मुद्रा में जारी किया गया।
न्यायालय की आज्ञा से-मुसंरिम पारिवारिक न्यायालय हनुमानगढ (राज.)
मोहर अदालत

परिशिष्ट A संख्यांक 2
न्यायालयःसिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट पूर्व जयपुर महानगर प्रथम, जयपुर मेट्रो 1 जिला जयपुर महानगर प्रथम, (राजस्थान)
पीठासीन अधिकारी का नाम लकी सोनी
विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए समन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5) और दूसरे
मूल सिविल वाद/338/2018
मुकेश शर्मा बनाम आनंद भवन निर्माण सहकारी समिति लि.
NEXT DATE: 14-08-2026
प्रेषिती-
आनंद भवन निर्माण सहकारी समिति लि. और दूसरे जरिये अध्यक्ष, प्लॉट नंबर। सी-77, श्याम अपार्टमेंट, सरोजनी मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर, JAIPUR, RAJASTHAN
मुकेश शर्मा ने आपके विरुद्ध के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 14.08.2026 को 10:30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजे जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों की लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा। यह आज तारीख 30-07-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
आज्ञा से-रीडर
मोहर **सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट (पूर्व) जयपुर महानगर प्रथम**

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

टोंक में 120 मीटर तिरंगा के साथ निकाली विशाल यात्रा

टोंक में भाजपा कार्यकर्ताओं व युवाओं ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत विशाल तिरंगा रैली निकाली ।

■ कई संगठनों ने इस तिरंगा यात्रा का जगह-जगह संगठनों ने स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं के साथ कोटा भाजपा संभाग प्रभारी एवं पूर्व विधायक अजीत सिंह हाथों में तिरंगा लिए चल रहे थे।

टोंक। जिला मुख्यालस पर रविवार को सांय भाजपा कार्यकर्ताओं व युवाओं द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। जिसमें 120 मीटर का तिरंगा मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। यह तिरंगा यात्रा गांधीपार्क, घंटाघर, सुभाष बाजार, पांच बत्ती, काफला बाजार, कचहरी दरवाजा, नौशे मियां का पुल, बड़ा कुआं,जेन नसिया,हेमू कालानी सर्किल होते हुए श्री मंशापूर्ण भूतेश्वर महादेव मंदिर पहुंची।

इस तिरंगा यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, टोंक के पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस यात्रा में भाजपा कार्यकर्ता सहित टोंक के युवा हाथों में तिरंगा लिए हुए भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के जयघोष करते हुए नाचते गाते चल रहे थे। जहां कई संगठनों ने इस तिरंगा यात्रा का जगह-जगह संगठनों ने स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं के साथ कोटा भाजपा संभाग प्रभारी एवं पूर्व विधायक अजीत सिंह हाथों में तिरंगा लिए चल रहे थे। इस तिरंगा यात्रा का जगह-जगह विभिन्न संगठनों की तरफ से पुष्प वर्षा की गई तथा शरबत सहित अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी।

इस यात्रा में भाजपा कार्यकर्ता सहित कोटा भाजपा प्रभारी एवं पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, पूर्व प्रधान जगदीश गुर्जर, खेमराज मीणा, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष गणेश माहुर, पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश चंदेल,विष्णु चावला, भगवान सैनी, महावीर शर्मा, गुड्डू चावला, शिक्षा विद् महेन्द्र चौधरी, नरेंद्र अजमेरा, कमलेश यादव, शिवराज चावला, बीना छामुनिया सहित काफी भाजपाईयों सहित शहर के युवा शामिल थे।

शिव भक्तों ने बोला हर हर महादेव

फुलेरा । सावन माह के पावन अवसर पर स्कूल की ढाणी स्थित श्री काशी विश्वनाथ शिवालयम् में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन माह के प्रत्येक सोमवार को संगीतमय शिव चालीसा पाठ का आयोजन किया जाता है।जो दूसरे सोमवार को भी शिव चालीसा के पाठ आयोजित हुये। आयोजन सहकर्ता सीताराम गौड के मुताबिक यह आयोजन सावन माह के प्रत्येक सोमवार को होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सनातन धर्मप्रेमी परिवार सहित भाग लेकर भगवान भोलेनाथ की उपासना करते हैं। मान्यता है किइस माह में भगवान शिव की की गई उपासना पुण्यदायी मानी गई है। विशेष रूप से सावन के चारों सोमवार का धार्मिक महत्व अधिक होने के कारण श्रद्धालुओं से इन सभी सोमवारों को सायंकाल मंदिर में पधारकर पूजा-अर्चना करने की अपील की गई है। कार्यक्रम में सीताराम गौड़, माधोलाल बड़ीवाल, छीतरमल बडीवाल, महेंद्र कुमार सहित अन्य लोग मोजूद थे।

नाली को अतिक्रमण बताने पर दुकानदार नाराज

फुलेरा । नगरपालिका द्वारा दुकान के सामने बनी नाली को अतिक्रमण बताते हुए जारी नोटिस पर दुकानदार ने आपत्ति जताई है। दुकानदार ने अधिशाषी अधिकारी को शिकायत देकर बताया कि उसके पिता स्व. सुवालाल का निधन वर्ष 1998 में हो चुका है, जबकि दुकान वर्ष 2000 में खरीदी गई थी। ऐसे में नोटिस उसके नाम सीताराम कुमावत से जारी किया जाना चाहिए। दुकानदार का कहना है कि दुकान के सामने बनी नाली वर्ष 2000 से मौजूद है और फुलेरा के अन्य बाजारों में भी इसी तरह की नालियां बनी हुई हैं। यदि इन्हें अतिक्रमण माना जाता है तो गंणगौरी बाजार, इन्द्रा बाजार, राज बाजार, गांधी चौक, हलवाई बाजार और पुरानी धान मंडी सहित पूरे बाजार क्षेत्र में समान रूप से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए।शिकायत में आरोप लगाया गया कि पूर्व में भी बिना नोटिस दुकान के सामने बनी चबूतरी, पीपली का गट्टा, भट्टियां एवं पानी का ट्ययूबवेल हटाया गया था।

हर हर महादेव के जयकारों से गूंजा प्राचीन शिवालय

निवाई। रक्तांचल पर्वत की तलहटी में स्थित प्राचीन शिवालय में सावन के माह में सावन के द्वितीय सोमवार को शिव भक्तों ने पवित्र जल पंचामृत से शिव भोले का भांग, धतूरा, शुद्ध दूध व शहद से बाबा का अभिषेक किया। इस दौरान स्थानीय कलाकारों ने शिव भोले के दरबार में एक से बढक्रर एक भजनों की प्रस्तुतियां दी। जिन पर भक्तों ने जमकर भक्ति नृत्य किया। इस दौरान हर हर महादेव के जयकारों से आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया।

आचार्य पंडित विजय शंकर शास्त्री, नला पंडित रामप्रसाद शास्त्री, पंडित ब्रह्मानंद पंडित, मुकेश शास्त्री व पंडित रवि शास्त्री द्वारा भोले के दरबार में संगीत में मंत्रोंच्चारण के साथ विधि विधान से भक्तों को अभिषेक करवाया। इस दौरान भक्तों ने आलोकित श्रृंगार से सुसज्जित भोले की झांकी सजाई गई। भोले के दरबार में हवा के साथ फैल रही भीनी भीनी इत्र की खुशबू ने भक्तों का मन मुग्ध कर दिया। इस दौरान नाथूलाल माली, दिनेश जांगिड़, मयंक, मनमोहन भट्ट, राजू सोनी, अर्पित नामा, जतिन शर्मा व श्याम बाबू सहित कई भक्त मौजूद थे।

इसी प्रकार मंशापूर्ण बालाजी भगत सिंह कॉलोनी में स्थित पशुपतये शिवालय महादेव के मंदिर मे सहस्त्र घट का आयोजन किया गया। इस दौरान पंडित कौशलकुमार गौतम सीदडा के सानिध्य मे 11 विद्वानों द्वारा रुद्राष्टक एवं शिव तांडव आदि पाठ एवं मंत्रोच्चार करते हुए श्रद्धालु कजोडराम, मीठालाल, दामोदर, राजेन्द्र, ओमप्रकाश, पुरुषोत्तम शर्मा, निर्मल कुमार, गौरीशंकर, लोकेंद्र, विष्णु, विनोद, राहुल, आशु, निखिल व सर्वेश सहित कई श्रद्धालुओं द्वारा शिवजी के जलाभिषेक किया। इस दौरान भव्य श्रृंगार करके महाआरती का आयोजन किया गया।

भुवनेश शर्मा का निधन

पावटा। तहसील ब्राह्मण महासभा पावटा अध्यक्ष राजेश शर्मा के पुत्र भुवनेश शर्मा का बीमारी के चलते निधन हो गया। उनके असामयिक निधन की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, सामाजिक संगठनों एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। मृदुभाषी, सरल एवं मिलनसार स्वभाव के युवा के निधन से परिजन गहरे सदमे में हैं। उनके निधन की सूचना के बाद बड़ी संख्या में लोग ठााम मांजूकोट शोकाकुल परिवार के घर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। परिजनों एवं परिचितों ने बताया कि उनका व्यवहार सभी के प्रति बेहद सहज और आत्मीय था। कम उम्र में उनका इस दुनिया से चले जाना परिवार के साथ-साथ परिचितों और शुभचिंतकों के लिए भी अपूरणीय क्षित है। सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की।

आम आदमी पार्टी के जिला कार्यालय का उद्घाटन

■ जिलेभर के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में दिखा

टोंक। आम आदमी पार्टी जिला कार्यालय का सोमवार को भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी राजस्थान की प्रदेश अध्यक्ष कीर्ति पाठक, सह प्रभारी राजस्थान महेश खींची, सह प्रभारी राजस्थान डॉ. सत्यवान राणा, प्रदेश सचिव एवं प्रदेश महिला विंग प्रभारी मीना त्यागी, जिला अध्यक्ष नदीम खान, शहर अध्यक्ष राहुल गुर्जर, निवाई विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र खटीक एवं मालपुरा विधानसभा अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष कीर्ति पाठक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी राजस्थान में संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने के लिए पूरी ताकत से कार्य कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि आम आदमी पार्टी आगामी निकाय चुनाव एवं पंचायत चुनाव में पूरे राजस्थान के साथ-साथ जिले में भी मजबूती से अपने उम्मीदवार मैदान में उतारेगी और उन्हें जिताने के लिए पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। वही सह प्रभारी महेश खींची जी एवं डॉ. सत्यवान राणा जी ने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा आगामी चुनावों के लिए अभी से पूरी तैयारी के साथ जुटने का आह्वान किया। इसी प्रकार प्रदेश सचिव एवं प्रदेश महिला विंग प्रभारी मीना त्यागी जी ने महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा महिला संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष नदीम खान ने प्रदेश नेतृत्व एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आम जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिले में आम आदमी पार्टी को मजबूत और सक्रिय संगठन के रूप में खड़ा करने के लिए पूरी टीम एकजुट होकर कार्य करेगी।

कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे, जहां कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने आगामी निकाय एवं पंचायत चुनावों में पार्टी को मजबूती देने, संगठन को बूथ स्तर तक पहुंचाने और आम आदमी पार्टी की नीतियों एवं जनहित के मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

देवयानी सरोवर से निकली विशाल कांवड यात्रा

फुलेरा में सावन मास के पावन अवसर पर महारुद्र स्वर्ग आश्रम सेवा समिति की ओर से विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई।

■ हर-हर भोले के जयकारों से गूंजा फुलेरा

फुलेरा । सावन मास के पावन अवसर पर महारुद्र स्वर्ग आश्रम सेवा समिति की ओर से रविवार को विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा पवित्र देवयानी सरोवर से रवाना होकर स्वर्ग आश्रम बगीची, सांभर रोड पहुंची। कांवड़ यात्रा में भगवान शिव-पार्वती सहित विभिन्न देवी-देवताओं की आकर्षक संजीव झांकियां रथों पर सजाई गईं। डीजे की धुनों के बीच शिवभक्त हर-हर भोले के जयकारे लगाते हुए उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। स्वर्ग आश्रम बगीची पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने देवयानी सरोवर से लाए पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। आयोजन समिति के हैप्पी माथुर ने बताया कि कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुबह 5 बजे स्वर्ग आश्रम बगीची से देवयानी सरोवर तक नि:शुल्क साधनों की व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालुओं को कांवड़ ड्रेस और कांवड़ भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई। वहीं पहली 251 कांवड़ लाने वाली महिलाओं को चुनरी की साड़ी नि:शुल्क प्रदान की गई। दोपहर 12:15 बजे रुद्राभिषेक का आयोजन हुआ। इस दौरान भगवान भोलेनाथ का आकर्षक श्रृंगार किया गया। स्वर्ग आश्रम बगीची के बाहर बनाए गए मंच पर बाहर से आए कलाकारों ने भगवान शिव की विभिन्न झांकियों के माध्यम से शानदार प्रस्तुतियां दीं।

स्वतंत्रता गौरव दिवस 15 को

अलवर । स्वतंत्रता गौरव उत्सव समिति के अध्यक्ष गौरीशंकर विजयवर्गीय ने बताया कि 15 अगस्त 2016 को पहली बार होप सर्कस पर यह उत्सव मनाया गया। वर्तमान में देश के 7 राज्यों और 13 सैनिक छावनियों में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयोजन की तैयारी शुरू हो गई है। देश के माननीय प्रधानमंत्री जी व राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने की अपील की गई है। 15 अगस्त को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में अलवर जिले के सभी प्रमुख व्यापारी, सामाजिक, धार्मिक,सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रमुख प्रतिनिधियों से दीप स्कूलों व कालेजों में भी समिति के लोगों को आमंत्रित किया गया है। 10-14 अगस्त तक स्कूल विद्यार्थियों द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में रैलियां निकाली जाएंगी। समिति की ओर से लाउड स्पीकर के माध्यम से घर घर दीप जलाने की अपील का आ ान और अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम स्थल पहुंचने के लिए आठाह किया जाएगा। इसके अतिरिक्त समिति द्वारा मुख्य बाजारों व प्रतिष्ठानों में भी पहुंचकर सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए लोगों से घरों, चौराहों, मंदिरों और प्रतिष्ठानों पर 5-5 दीपक जलाने की अपील की जाएगी।

भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान में श्रद्धालु उमड़े

■ श्रद्धालुओं ने रजत पात्रों में भक्तामर अनुष्ठान में दीपक चढ़ाकर पुण्य लाभ लिया

निवाई । सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में सुन्दर युवा मंच द्वारा श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में संगीतमय भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन किया गया जिसमें आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ सहित सभी चतुर्विध संघ ने भाग लिया। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता सुनील भाणजा व विमल जौंला ने बताया कि चातुर्मास के तहत आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर अध्यक्ष सुशील जैन, विष्णु बोहरा, नेमीचंद सिरस व पारस सिरस ने भगवान आदिनाथ जी एवं भगवान शांतिनाथ जी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर दीप अनुष्ठान शुरू करवाया। भक्तामर अनुष्ठान का शुभारंभ आर्यिका सुलक्ष्य मति माताजी, ब्रह्मचारिणी लब्धि दीदी, प्राप्ति दीदी, अंजना दीदी एवं वंशिका दीदी ने भगवान आदिनाथ जी के जयधोष के साथ,भक्तामर पणत मोलि मणि प्रभाणा, का उच्चारण करते हुए 48 भक्तामर पाठ अनुष्ठान का संगीतमय मण्डल जी पर श्रद्धालुओं ने दीप चढ़ाया। जिसमें सर्व प्रथम सुन्दर युवा मंच के महेश मोठूका, नवरत्न टोंग्या, संजय सिरस, प्रियांशु जैन, शुभम कठमाणा, सुनील बनेठा, आशीष सिरस, विनोद बनस्थली, महेंद्र कठमाणा, हितेश छाबड़ा, अर्चित गोयल एवं धारांश मोठूका को सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान सुन्दर युवा मंच के अर्चित चंवरिया, चिराग टोंग्या, कुशाल मित्रपुरा, पंकज सारसोप, जितेश गिन्दोड़ी, राहुल जैन, यश संघी, अंकित जैन, आदि छाबड़ा, शुभम चंवरिया, रचित गोयल, आशीष जैन, विमल बगड़ी, संयम रजवास, शास्वत भाणजा, श्रेंयांश जैन, मुकेश जैन, प्रखर जैन, नमन जैन सहित सुन्दर युवा मंच के सदस्यों ने मंगलाचरण करके आर्यिका सुलक्ष्य मति माताजी के सानिध्य में रिद्धि मंत्रों के साथ दीपक चढ़ाकर पुण्यार्जन किया। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता हितेश छाबड़ा बताया कि बाल ब्रह्मचारिणियां एवं गायक विमल जौंला के मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी। जिन पर श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किया। इस अवसर पर सुन्दर युवा मंच के पदाधिकारियों ने अनुष्ठान में गाजे बाजे के साथ मण्डप पर 48 भक्तामर स्तोत्र के काव्य पाठ रिद्धि मंत्रों के द्वारा 48 दीपकों को समर्पित किया गया।

विधायक के जन्मदिन से शुरू सेवा पखवाड़ा जारी

■ भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन, खेल प्रतियोगिता व जनसंवाद संपन्न

कोटपूतली । विधायक हंसराज पटेल के जन्मदिवस 01 अगस्त के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा शुरू किया गया 15 दिवसीय 'सेवा पखवाड़ा' निरंतर जारी है। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त तक चलने वाले इस विशेष अभियान के 10 वें दिन रविवार को कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक, खेल गतिविधियों, धार्मिक, वृक्षारोपण और जनहितैषी कार्यक्रमों का आयोजन किया। अभियान के तहत गौ-सेवा, वृक्षारोपण, खेल प्रतियोगिता और धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ आमजन से संवाद के कार्यक्रम भी आयोजित हुये।

इस मौके पर राम रिछपाल मोरीजावाला स्कूल स्थित वीर हनुमान बलोपासना केंद्र (अखाड़ा) में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुकाबला 'केशव टीम' और 'माधव टीम' के बीच खेला गया, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए केशव टीम विजेता बनी। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता छात्रों को सम्मानित किया गया। कस्बा स्थित राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विधालय में 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ना केवल स्कूल परिसर में पौधे लगाए गए, बल्कि स्कूली बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधों का वितरण भी किया गया। इससे पहले कार्यकर्ताओं व आमजन ने चतुर्भुज गौशाला पहुंचकर श्रद्धाभाव से गौ-सेवा की और वहां भी पौधे लगाए। वृक्षारोपण और गौ-सेवा के पश्चात कार्यक्रम का काफिला तरियाला स्थित शिव मंदिर पहुंचा, जहां आयोजित सवामणी कार्यक्रम में सभी ने भाग लिया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों से सीधा संवाद किया गया, जहां लोगों ने अपनी समस्याओं को साझा किया।

विधायक हंसराज पटेल ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

विधायक हंसराज पटेल ने कांवर नगर स्थित अपने निजी आवास पर नियमित जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया।

■ समस्याओं का समाधान पाकर क्षेत्रवासियों के खिले चेहरे

■ सैनी समाज ने छात्रावास में बोरिंग हेतु सौंपा ज्ञापन

कोटपूतली । विधायक हंसराज पटेल ने रविवार को कस्बे के कांवर नगर स्थित अपने निजी आवास पर नियमित जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों और ढाणियों से आये सैकड़ों नागरिकों ने अपनी मूलभूत समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। जनसुनवाई के दौरान मुख्य रूप से बिजली, पानी, सड़क और शिक्षा से जुड़े मुद्दे छाये रहे। क्षेत्रवासियों की शिकायतों को बेहद ध्यानपूर्वक सुनते हुए विधायक हंसराज पटेल ने संवेदनशीलता दिखाई और मौके पर ही संबंधित प्रशासनिक व विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर संपर्क किया।

उन्होंने अधिकारियों को जनसमस्याओं का शीघ्र अतिशीघ्र निस्तारण करने के कड़े निर्देश दिए। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक पटेल ने कहा कि जनसेवा हमारे लिए सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पुनीत संकल्प है। क्षेत्र के हर नागरिक की आवाज हमारे लिए महत्वपूर्ण है और उनकी समस्याओं का स्थाई समाधान ही हमारा मुख्य लक्ष्य है। पटेल ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित निवारण करना हमारी पहली प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचकर जनता की शिकायतों की जांच करें और समय सीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित करें। पटेल ने कहा कि क्षेत्र में सड़क, बिजली, और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार तेजी से किया जाएगा ताकि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके। जनसुनवाई के दौरान सैनी समाज का प्रतिनिधिमंडल सैनी सभा संस्था अध्यक्ष रामसिंह सैनी के नेतृत्व में विधायक आवास पर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर गोपालपुरा रोड़ स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास में विधायक कोटे से एक थ्री-फेस बोरिंग की व्यवस्था करवाने का आठाह किया। विधायक हंसराज पटेल ने सैनी समाज की इस मांग को जायज बताते हुए आष्वासन दिया कि छात्रहित को ध्यान में रखते हुए छात्रावास में जल्द से जल्द थ्री-फेस बोरिंग की व्यवस्था करवा दी जायेगी। प्रतिनिधि मंडल में पूर्व चेयरमैन एड. महेंद्र कुमार सैनी, नगर मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार सैनी, सचिव एड. योगेश कुमार सैनी, उपाध्यक्ष प्रकाश तौंदवाल, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी, दिनेश सैनी, श्यामलाल सैनी, विक्रम सैनी, महेश सैनी, कुलदीप सैनी, प्रदीप ठेकेदार सहित समाज के कई लोग मौजूद रहे।

सार-समाचार

भाजपा मंडल की मासिक बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर मंथन

पावटा। भाजपा प्रागपुरा मंडल की मासिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी कार्यक्रमों, संगठनात्मक गतिविधियों तथा निकाय चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी कलश वंदन कार्यक्रम को लेकर विशेष रूप से चर्चा हुई। कलश वंदन यात्रा 11 अगस्त को प्रागपुरा स्थित वाल्मीकि मंदिर पहुंचेगी, जिसके स्वागत एवं आयोजन की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं से विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही 14 अगस्त को पावटा एवं प्रागपुरा की संयुक्त तिरंगा यात्रा आयोजित करने को लेकर भी तैयारियों की समीक्षा की गई। कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने का आव्हान किया गया। बैठक में आगामी निकाय चुनावों को लेकर भी विस्तृत मंथन किया गया। संगठन की जमीनी स्थिति, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता तथा चुनावी तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों के लिए पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आव्हान किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला महामंत्री सुरेंद्र चौधरी ने की, जबकि मंडल प्रभारी पूरणमल सैनी की विशिष्ट उपस्थिति रही। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष रिसाल सिंह सहित मंडल के कार्यकारिणी सदस्य, बूथ अध्यक्ष एवं पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में मंडल अध्यक्ष विकास सिंह, मंडल महामंत्री मिंटू शर्मा, मुखराम धनकड, पप्पू यादव, विजय स्वामी, नवीन बढ़ाला, सुरेश सैनी, रामजीलाल सैनी, महेश कुमार धांका, नवीन सिंह, मुकेश भारद्वाज, सुभाष कुमावत, मुजीब खान सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं में आगामी कार्यक्रमों और निकाय चुनावों को लेकर उत्साह दिखाई दिया। पदाधिकारियों ने एकजुटता के साथ संगठन को मजबूत करते हुए आगामी सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया।

विधायक पटेल ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

कोटपूतली । यहां के राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को सरकार के हरियालो राजस्थान व एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन विधायक हंसराज पटेल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस मौके पर विधायक पटेल ने विद्यालय परिसर में स्वयं पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित राजस्थान के निर्माण का एक सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में अर्जुन व अश्वगंधा जैसी विभिन्न औषधीय प्रजातियों के साथ-साथ कई अन्य उपयोगी पौधे रोपे गये। विधायक पटेल ने उपस्थित जनसमुदाय और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी सबसे अमूल्य विरासत हैं। उन्होंने औषधीय पौधों के संरक्षण को मानव जीवन और प्रकृति के संतुलन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। पटेल ने कहा कि मां हमें जीवन देती हैं और वृक्ष हमारे जीवन को संवारते हैं। उल्लेखनीय है कि विधायक हंसराज पटेल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में संपूर्ण क्षेत्र में विभिन्न सेवा कार्य आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सरदार विद्यालय में इस पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन कर उन्होंने अपने जन्मदिवस को प्रकृति संरक्षण, सेवा भावना और सामाजिक सरोकार से जोड़ने का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस हरित अभियान में विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेश कुमार बंसल, विद्यालय स्टॉफ, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों व स्काउट गाइड्स ने पूरे उत्साह के साथ अपनी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को जैव विविधता और औषधीय पौधों के महत्व के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया। अंत में सभी छात्र-छात्राओं और स्टॉफ सदस्यों ने ना केवल अधिक से अधिक पौधे लगाने का, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित सुरक्षा और देखभाल करने का भी अटूट संकल्प लिया, ताकि हरियालो राजस्थान के सपने को धरातल पर साकार किया जा सके।

अमित शाह के प्रस्तावित दौरे की तैयारी

अलवर। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम दक विजय ने आज नगर ग्राउंड में पहुंचकर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के 16 अगस्त को प्रस्तावित सभा स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। सहकारिता राज्यमंत्री श्री गौतम दक ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 16 अगस्त को प्रस्तावित दौरे की तैयारियों का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्रस्तावित कार्यक्रम की सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिये कि कार्यक्रम स्थल पर छाया, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, बेरिकेटिंग आदि सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की कार्यक्रम से पूर्व ही तैयारी कर पूर्ण लेवे। साथ ही सुनिश्चित करें कि सभा स्थल की समुचित साफ-सफाई व्यवस्था रहे तथा कार्यक्रम स्थल के पास पर्याप्त पेयजल व्यवस्था, मेडिकल टीम, चल शौचालयों आदि की माकूल व्यवस्था रहे। इस दौरान जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, क्रय-विक्रय सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री संजय नरुका सहित जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

निवाई। पुलिस ने इलेक्ट्रिक कार से बेटरी चार्जर व अन्य उपकरण चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया इलेक्ट्रिक कार का बैटरी चार्जर व अन्य उपकरण बरामद कर लिए गए हैं। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि 7 अगस्त को परिवादी मनीष कुमार पुत्र कर्मवीर सिंह जाट हाल मेंटेनेंस इंचार्ज परफेक्ट इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 7 अगस्त को फैक्ट्री के गेट के पास खड़ी उनकी इलेक्ट्रिक कार से अज्ञात चोर बैटरी चार्जर व अन्य उपकरण चुराकर ले गए। उक्त मामले को लेकर पुलिस ने क्षेत्र में सतत गश्त करते हुए तकनीकी साक्ष्यों व आसूचना के आधार पर आरोपी गोविंद नारायण पुत्र भंवर लाल गुर्जर निवासी गुर्जरों का मोहल्ला निवाई दरवाजा झिलाय को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया इलेक्ट्रिक चार्जर बरामद कर लिया है।

श्रद्धालुओं ने पाई पंगत

शाहपुरा। ग्राम छारसा में स्थित शिवालय गायत्री मंदिर में सोमवार को संगीतमय रामधुनी एवं सहस्त्रघट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजक बल्लूराम प्रजापत, मातादीन कुमावत ने बताया कि रविवार को संगीतमय रामायण के पाठों का वाचन किया गया। इसके बाद सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चारण से भगवान शिव का जलाभिषेक कर अखंड जल की धार से शिवजी का सहस्त्राघट किया गया। इस दौरान शिवजी की फुलों से आकर्षक झांकी सजाई गई। इस अवसर पर पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के लोगों ने प्रसादी ठाहण की। इस मौके पर गोपाल, हनुमान, सुगलाराम, श्रवण, श्याम सुंदर, संतोष, नरसी, कैलाश, मातादीन, चंद्र मोहन, परसुराम, प्रवीन, ओमशंकर, अजय, कृष्णकांत सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

ट्रैफिक चौकी पर 'चालान नहीं तो 500' का खेल

शाहपुरा। शाहपुरा थाना स्थित क्षेत्र अजीतगढ़ रोड स्थित ट्रैफिक चौकी पर बड़े वाहनों को बाईपास निकालने के दौरान कथित रूप से अवैध वसूली किए जाने का मामला सामने आया है। मामले में शाहपुरा थाना क्षेत्र में तैनात एक कांस्टेबल पर एक ट्रक चालक से चालान नहीं काटने की एवज में 500 लेने का वीडियो वायरल हुआ वीडियो में 500 का नोट लेते हुए दिखाई दिया और बोला ट्रक चालक द्वारा चालान नहीं काटने का आग्रह करने पर पुलिसकर्मी की ओर से कथित तौर पर कहा गया- दो-दो काम नहीं होते हैं, पैसा देने पर चालान नहीं किया जाता। वाहन चालकों का आरोप है कि यदि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन है तो नियमानुसार चालान काटा जाना चाहिए, लेकिन चालान से बचाने के नाम पर नकद राशि लेना गंभीर सवाल खड़े करता है।

अगर मुझे बुलावा आता है तो मैं मना क्यों करूंगा? मैं पूरी तरह तैयार हूं। सच कहूं तो, मैं पक्के तौर पर नहीं कह सकता कि मैं कितना तैयार हूं। मेरा काम क्रिकेट खेलना है और इसीलिए मैं यहां 20 लीग में खेलने आया हूं। -भुवनेश्वर कुमार

भारतीय खिलाड़ी, टीम में चयन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी यानिक सिनर

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं। सिनर ने पिछले महीने लगातार दूसरी बार विंबलडन का खिताब जीतने के बाद से किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है। उन्होंने बुधवार से टोरंटो में शुरू होने वाले टूर्नामेंट से भी अपना नाम वापस ले लिया। 24 वर्षीय सिनर ने अब तक पांच ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं और करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए उन्हें केवल फ्रेंच ओपन जीतने की जरूरत है। सिनर ने कहा, "अपने चिकित्सकों और अपनी टीम से परामर्श करने के बाद मैंने सिनसिनाटी में होने वाले मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 1928 से 1956 तक लगातार 6 स्वर्ण पदक सहित कुल 8 बार ओलंपिक में स्वर्ण पर कब्जा जमाया है।

हाईकोर्ट में चुनावी कार्यक्रम पेश, 29 सितंबर को होंगे आरसीए चुनाव

आरसीए चुनाव के लिए ए.के.पाण्डे एवं पुष्पेन्द्र सिंह हाडा अधिकारी नियुक्त

आरसीए चुनाव के लिए (पूर्व आईएएस) ए.के.पाण्डे एवं (पूर्व जिला जस्टिस) पुष्पेन्द्र सिंह हाडा अधिकारी नियुक्त किये गये है।

जयपुर, 10 अगस्त। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव 29 सितंबर को आयोजित किए जाएगे। राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता बसंत सिंह छाबा ने आरसीए के प्रशासक व एसीएस होम भास्कर ए.सावंत का शपथ पत्र पेश कर कहा कि अस्थाई तौर पर चुनाव कार्यक्रम तैयार हो चुका है। आरसीए की चुनाव प्रक्रिया 7 सितंबर से शुरू हो जाएगी। प्रशासक के चुनाव कार्यक्रम संबंधी शपथ पत्र के बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मामले की आगामी सुनवाई 17 अगस्त को तय की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश राजीव प्रताप सिंह राठौड़ की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता छाबा ने अदालत को बताया कि 7 सितंबर को चुनाव कार्यक्रम एवं जनरल मीटिंग बुलाने की सूचना जारी होगी। इसके बाद 12 सितंबर से 16 सितंबर तक मतदाता सूची पर आपत्तियां पेश की जाएंगी। आपत्तियों के निस्तारण के बाद 23 सितंबर को मतदाता सूची जारी की जाएगी और 24 सितंबर से नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इसके बाद आरसीए कार्यकारिणी के चुनाव 29 सितंबर को जयपुर में होंगे। चुनाव परिणाम भी 29 सितंबर को घोषित होगा। पिछली सुनवाई पर राज्य सरकार ने अदालत में कहा था कि वह 10 अगस्त को आरसीए का चुनाव कार्यक्रम बता देगी। वहीं अदालती आदेश के पालन में सहकारिता रजिस्ट्रार अदालत में पेश हुए थे। उनकी ओर से कहा कि आरसीए के चुनाव नहीं कराने वालों के खिलाफ विधिनुसार कार्रवाई शुरू कर दी है। पूर्व में अदालत ने आरसीए के चुनाव लंबे समय से नहीं होने व तदर्थ समिति का कार्यकाल बढाने को गंभीरता से लिया था और सहकारिता रजिस्ट्रार को निर्देश दिया था कि वे उपस्थित होकर बताए कि क्यों ना उनके खिलाफ अदालती अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाए। हाईकोर्ट ने आरसीए की एडहॉक कमेटी को निलंबित करते हुए एसीएस होम भास्कर ए. सावंत को प्रशासक नियुक्त कर चुनाव करवाने का निर्देश दिया था। जनहित याचिका में आरसीए में लंबे समय से चुनाव नहीं होने को चुनौती दी गई थी।

आईसीसी से नाराज हैं स्कॉटलैंड और नीदरलैंड क्रिकेट बोर्ड

वर्ल्ड कप के नए फॉर्मेट की जमकर की आलोचना

नई दिल्ली, 10 अगस्त। क्रिकेट स्कॉटलैंड और रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन (केएनसीबी) ने पुरुषों के वनडे वर्ल्ड कप के फ़ॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा किये गये हालिया बदलावों की जानकारी नहीं मिलने पर निराशा व्यक्त करते हुए संयुक्त बयान जारी इन बदलावों की आलोचना की है। दोनों बोर्डो की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोनों बोर्ड ने अन्य एसोसिएट सदस्यों के साथ मिलकर आईसीसी से दो बार बैठक की और बदलावों के बारे में आधिकारिक लिखित जानकारी के साथ-साथ इस प्रक्रिया के बारे में और स्पष्टता की मांग की। उन्होंने कहा कि दूसरी बैठक के दो हफ़्ते से ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी आईसीसी की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। यह निराशाजनक और अनादरपूर्ण है।

बयान में कहा गया है, "ऐसे समय में जब क्रिकेट अपनी पहुंच बढ़ाना चाहता है, नए दर्शकों को आकर्षित करना चाहता है और अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है, उभरते देशों के लिए अहम मौकों को कम करना पूरी तरह से गलत संदेश देता है।"

बोर्ड ने यह भी कहा कि अहम फैसले, खासकर वे जो सीधे तौर पर एसोसिएट सदस्यों को प्रभावित करते हैं, उनसे सलाह-मशविरा करने और पर्याप्त सूचना देने के बाद ही लिए जाने चाहिए ताकि उनके असर को अच्छी तरह समझा जा सके। इन बदलावों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की अखंडता और विश्वसनीयता कमजोर होने का खतरा है और यह मजबूत गवर्नेंस, पारदर्शी निर्णय लेने की प्रक्रिया और सदस्यों के साथ प्रभावी जुड़ाव के महत्व को उजागर करता है। उन्होंने कहा, "सदस्य और उनके खिलाड़ी वर्ल्ड कप की तैयारी में सालों लगाते हैं और उन रास्तों पर भरोसा इस बात पर निर्भर करता है कि बिना सलाह-मशविरे के क्वालिफिकेशन साइकिल के बीच में उन्हें बदला न जाए। कम समय में उन ढांचों को बदलने से काफी अनिश्चितता पैदा होती है, योजना में बाधा आती है और उन संगठनों पर अतिरिक्त ऑपरेशनल और वित्तीय दबाव पड़ता है जो पहले से ही सीमित संसाधनों के साथ काम कर रहे हैं।"

वनडे वर्ल्ड कप 2027 में किए गए हैं ये बदलाव: पिछले महीने शुरू किए गए वनडे वर्ल्ड कप के नए फॉर्मेट में टीमों की संख्या 10 से बढ़ाकर 14 कर दी गई है, लेकिन इसमें चार राउंड भी शामिल हैं, जिसमें ग्रुप स्टेज से पहले राउंड-रॉबिन "सुपर सीरीज़" होगी। 12, 13 और 14 नंबर की टीमों में से दो टीमें राउंड 2 में आगे बढ़ेंगी, जिससे एक टीम तुरंत बाहर हो जाएगी। नीदरलैंड और स्कॉटलैंड दोनों ही वर्ल्ड कप क्वालिफायर में पहुंच गए हैं, जो फरवरी 2027 में खेला जाना है। इसके लिए जगह अभी तय नहीं हुई है। वनडे वर्ल्ड कप के फॉर्मेट में बदलाव से तुरंत चिंताएं पैदा हो गई हैं, खासकर इसलिए क्योंकि अगला संस्करण अगले साल अक्टूबर में शुरू होने वाला है।

उन्होंने कहा, टूर्नामेंट में अठारह महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में इन बदलावों के समय ने प्रभावित सदस्यों को प्रक्रिया में योगदान देने या उसके अनुसार ढलने का सीमित मौका दिया है। हमारा मानना है कि एसोसिएट सदस्यों के साथ अधिक जुड़ाव से एक अधिक प्रभावी और सहयोगी दृष्टिकोण को समर्थन मिलता और क्वालिफिकेशन के रास्ते पर भरोसा बनाए रखने में मदद मिलती।"

ताइक्वांडो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में द्रोणाचार्य स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते पदक

जयपुर, 10 अगस्त। जयपुर में आयोजित ताइक्वांडो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में द्रोणाचार्य स्पोर्ट्स अकादमी के देवांश राज चौधरी जूनियर ने 78 किलोग्राम में स्वर्ण पदक प्राप्त किया एवं हर्षिका गोधला ने जूनियर 49 किलोग्राम में रजत पदक प्राप्त किया एवं आरुषि जांगिड़ ने केडिट 44 किलोग्राम में कांस्य पदक और अमित कुमार ने जूनियर 45 किलोग्राम में कांस्य पदक प्राप्त किया द्रोणाचार्य स्पोर्ट्स अकादमी के डायरेक्टर रमेश सिंह ने सभी बच्चों को बधाई दी एवं कोच कुलदीप योगी को भी बधाई दी साथ ही देवांश राज चौधरी का आगामी नेशनल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ जो की 16 से 21 अगस्त को पुणे महाराष्ट्र में आयोजित होगी अकादमी के रमेश सिंह को पूरा विश्वास है कि यहां भी देवांश राज चौधरी स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे और राज्य एवं अकादमी का नाम रोशन करेंगे।

राजीव गाँधी स्मृति लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. सी पी जोशी को मिलेगा अवार्ड

जयपुर, 10 अगस्त। राजीव गाँधी किकेट क्लब द्वारा दिनांक 20 अगस्त को एक समारोह में सांय 5 बजे राजीव गाँधी स्मृति लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड दिया जाऐगा। यह अवार्ड राजस्थान में किकेट के खेल को अहम उँचाईयों तक पहुँचाने व बढावा देने के लिए दिया जाता है।

अवार्ड के चयन के लिए राजीव गाँधी किकेट क्लब द्वारा तीन सदस्यों की चयन समिति बनाई गई थी। चयन समिति में पूर्व रणजी कप्तान विनोद माथुर की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से डॉ. सी पी जोशी को अवार्ड देने के लिए चयन किया गया। चयन समिति के अन्य सदस्य पूर्व रणजी कप्तान संजय व्यास तथा पूर्व रणजी कप्तान मोहम्मद असलम उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि डॉ. सी पी जौशी के राजस्थान किकेट संघ के अध्यक्ष के कार्यकाल में राजस्थान की रणजी टीम सन् 2011 व 2012 में लगातार 2 बार रणजी चैम्पीयन बनी। सन् 2017 में डॉ. सी पी जोशी दोबारा राजस्थान किकेट संघ के अध्यक्ष बने तो उन्होनें ही आर सी ए पर 5 वर्षों से चल रहा प्रतिबन्ध हटवाया। डॉ. सी पी जौशी के कार्यकाल में आर सी ए ने दुनिया के तीसरे सबसे बडे स्टेडियम बनाने के लिए भुमि का आवंटन करवाया। डॉ. सी पी जोशी पूर्व में राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष तथा ऑल इण्डिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव रह चुके है।

सेमीफाइनल में बीकानेर से 1 -0 से हारा जयपुर, तीसरे स्थान के मुकाबले में सीकर ने मारी बाजी

जयपुर, 10 अगस्त। लगातार दो शानदार और एकतरफा जीत दर्ज करने के बाद जयपुर की टीम को सेमीफाइनल मुकाबले में बीकानेर के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। जयपुर ने पूरे मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बेहतरीन टीमवर्क, अनुशासन और जुझारूपन का परिचय दिया। मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा और दोनों टीमों ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया। हालांकि, मैच के दौरान एक दुर्भाग्यपूर्ण क्षण जयपुर के खिलाफ गया और बीकानेर ने इसका फायदा उठाते हुए निर्णायक गोल कर दिया। इसके बाद जयपुर ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन बीकानेर की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने गोल नहीं कर सका। सेमीफाइनल में हार के बाद जयपुर का मुकाबला तीसरे स्थान के लिए सीकर से हुआ। इस मुकाबले में भी जयपुर ने जीत के लिए पूरी मेहनत की, लेकिन सीकर ने एक गोल करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया और प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। दो शानदार जीत के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत करने वाली जयपुर टीम का अभियान चौथे स्थान के साथ समाप्त हुआ। हालांकि परिणाम टीम के पक्ष में नहीं रहे, लेकिन जयपुर के खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन, संघर्ष की भावना और टीम स्पिरिट का परिचय दिया। जयपुर टीम के लिए यह अभियान अनुभव, आत्मविश्वास और भविष्य की सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में बीसीसीआई कर सकता है बड़ा बदलाव : सैकिया

नई दिल्ली, 10 अगस्त। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बोर्ड इस सत्र की दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के बजाय किसी स्टेडियम में कराने की संभावना पर विचार करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि घरेलू क्रिकेट के अधिक मुकाबलों का सीधा प्रसारण किया जाएगा, ताकि प्रशंसकों को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों को खेलते हुए देखने का मौका मिल सके। भारत का 2026-27 घरेलू सत्र दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा जिसका आयोजन 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में किया जाना है। इस परिसर में दर्शकों के प्रवेश पर रोक है। ऐसे में सैकिया ने कम से कम फाइनल के आयोजन स्थल पर पुनर्विचार का संकेत दिया।

यह सरकार का नियम है और हम इसका...

सैकिया ने रविवार को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा, जब इस जमीन का अधिग्रहण किया था तब इसमें कुछ शर्तें शामिल थीं। इनके तहत इस परिसर में दर्शकों को प्रवेश देने की अनुमति नहीं है। यह सरकार का नियम है और हम इसका उल्लंघन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि टीम के सदस्यों के बेहद करीबी लोगों को हालांकि प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। सैकिया ने कहा, लेकिन इस साल हमने लाइव प्रसारित किए जाने वाले मैचों की संख्या बढ़ाई है। इस तरह हम प्रशंसकों को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों को मैदान पर खेलते हुए देखने का अधिक अवसर दे रहे हैं।

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में तैयार, जय शाह की भूमिका को बताया अहम

नई दिल्ली, 10 अगस्त। अपने दूसरे स्थापना दिवस के करीब पहुंच चुका भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का अत्याधुनिक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई)' पूर्व सचिव जय शाह के नेतृत्व में बोर्ड अधिकारियों के युद्धस्तर पर किए गए प्रयासों का नतीजा है। मौजूदा सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के वर्तमान प्रमुख शाह ने इस परियोजना को समय पर पूरा कराने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए और सभी अधिकारियों को एकजुट किया। बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चुनिंदा मीडिया से बातचीत में सैकिया ने कहा, "उन्होंने बीसीसीआई की शीर्ष परिषद के सभी सदस्यों को साथ लिया और दृढ़ निर्णय किया कि इस परिसर का निर्माण युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। हमें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी की पुरानी और अस्थायी व्यवस्था से आगे बढ़ने की जरूरत थी।" सैकिया ने बताया, "काम शुरू करने के लिए जरूरी कानूनी अड़चनों को दूर करने के लिए शाह कई बार व्यक्तिगत रूप से यहां आए।" उन्होंने कहा, "जब कोई बड़ी परियोजना शुरू करनी होती है तो कई नियमों का पालन करना पड़ता है।

डीपीएलः सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 4 विकेट से हराया

नई दिल्ली, 10 अगस्त । युगल सैनी की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 19वें मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को चार विकेट से रोमांचक शिकस्त दी। अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात खेले गए मुकाबले में 221 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर दो गेंद शेष रहते जीत हासिल की।

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स के गेंदबाज साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहे। साउथ दिल्ली ने 20 ओवर में छह विकेट पर 220 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर बल्लेबाज तेजस्वी दहिया ने 31 गेंदों में आठ छक्कों और एक चौके की मदद से 69 रन की विस्फोटक पारी खेली। कप्तान आयुष बडोनी ने 25 गेंदों में 44 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान ने 23 गेंदों में 38 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स की ओर से मनी ग्रेवाल सबसे किफायती गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। गवनीश खुराना ने भी दो विकेट हासिल किए, हालांकि उन्होंने 40 रन खर्च किए।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व टीम इंडिया से जुड़े सरफराज खान

गाले, 10 अगस्त । भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की शृंखला से पहले टीम इंडिया के साथ जुड़ गए हैं। नंबर तीन के बल्लेबाज साई सुदर्शन के चोट के कारण शृंखला से बाहर होने के बाद सरफराज को उनके स्थान पर टीम में शामिल किया गया है।

सरफराज ने भारतीय टीम की जर्सी में अपनी तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की है। इस तस्वीर में वह काफी फिट नजर आ रहे हैं। उन्होंने पिछले कुछ महीनों में अपनी फिटनेस पर जमकर काम किया है। सरफराज ने भारत के लिए अपना पिछला टेस्ट नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उन्होंने इसी वर्ष इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में भारत ने जीते कुल तीन पदक, पूजा सिंह सातवें स्थान पर रहीं

नई दिल्ली, 10 अगस्त । राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक ऊंची कूद की एथलीट पूजा सिंह उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं और फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं, जिससे भारत ने यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में तीन पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। 19 वर्षीय पूजा केवल 1.84 मीटर की ऊंचाई ही पार कर सकीं, जो उनके सीनियर स्तर पर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1.93 मीटर से काफी कम है। वह तीन प्रयासों में 1.87 मीटर की ऊंचाई पार करने में नाकाम रहीं। ऑस्ट्रेलिया की इज़ोबेल लुइसन-रो ने 1.92 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि हंगरी की लिलियाना बटोरी (1.90 मीटर) और स्पेन की ऐताना अलोंसो (1.90 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। पूजा ने मई में 1.93 मीटर के सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। वह सीनियर एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता भी हैं। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम फाइनल में नौवें और अंतिम स्थान पर रही। उसने तीन मिनट 45.28 सेकंड का समय लिया।

फ्लड लाइट में गूंजे तीरंदाजी के रोमांचक मुकाबलेः सटीक निशानों से बने नए रिकॉर्ड

जयपुर, 10 अगस्त । रेलवे ग्राउंड में आयोजित सीनियर राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप-2026 के दूसरे दिन रविवार को रोमांच अपने चरम पर रहा। पहली बार प्रतियोगिता का आयोजन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप फ्लड लाइट में किया गया, जिससे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर जैसी प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिला। देर शाम तक चले मुकाबलों में इंटरनेशनल, नेशनल और स्टेट लेवल के तीरंदाजों ने सटीक निशाने साधते हुए कई नए रिकॉर्ड बनाए, वहीं कुछ पुराने रिकॉर्ड भी ध्वस्त हो गए।

आयोजन सचिव एवं भारतीय तीरंदाजी टीम के कोच अनिल जोशी ने बताया कि इस बार प्रतियोगिता में उम्मीद से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी रही, जो आयोजन की पारदर्शिता और उच्च स्तर की व्यवस्थाओं पर खिलाड़ियों के भरोसे को दर्शाता है।

राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि प्रदेश में तीरंदाजी का स्तर लगातार बेहतर हो रहा है। खिलाड़ियों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ प्रदर्शन में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है, जिसका परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है।

ये रहे मुकाबलों के विजेता : कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में सीकर के रजत चौहान ने 712 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया। हनुमानगढ़ के आर्यन पारीक 707 अंक के साथ दूसरे और सीकर के मुकुल शर्मा 705 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। **कंपाउंड महिला व्यक्तिगत वर्ग** में धौलपुर की प्रिया गुर्जर ने 701 अंक बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सीकर की शिवानी और स्वाति दुधवाल ने 688-688 अंक के साथ क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सेंट जेवियर स्कूल एवं सेंट एन्सलम स्कूल जीती

जयपुर, 10 अगस्त। जयपुर के स्थानीय सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रहे फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली कप में दिन का पहला मुकाबला रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल व सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 105/7 रन बनाए। जिसमें ऋषभ ने नाबाद 37 रन व हरिओम कुमावत ने 25 रनों की पारी खेली। सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से गेंदबाजी में वेदांश ने तीन विकेट व फलक बुखाल ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल 15.3 ओवर में 106/2 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। जिसमें अथर्व अग्रवाल ने नाबाद 47 रन व विहान जैन ने 26 रनो का योगदान दिया। रमन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से गेंदबाजी में समर्थ सचदेवा व हेमंत सैनी को एक-एक विकेट मिला। सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने आठ विकेट से मुकाबला जीता। दिन का दूसरा मुकाबला सुबोध पब्लिक स्कूल व मॉर्निंग स्टार सेंट एनसलम स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें सुबोध पब्लिक स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 90/9 रन बनाए। जिसमें अब्दुल सुभान ने 22 रन व कुणाल कनौजिया ने 16 रन बनाए। मॉर्निंग स्टार सैंट एंसेल्म स्कूल की ओर से गेंदबाजी में रुद्र राज व विहान चौधरी ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मॉर्निंग स्टार सेंट असलम स्कूल 11.2 ओवर में 96/3 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

भारतीय मूल की 11 साल की बोधन सिवानंदन ब्रिटिश चेस चैंपियन

नई दिल्ली, 10 अगस्त। भारतीय मूल की 11 साल की बोधन सिवानंदन ब्रिटेन की सबसे कम उम्र की महिला चेस चैंपियन बन गई हैं। उन्होंने आयरलैंड की त्रिशा कन्यामराला को रैपिड चेस प्लेऑफ में हराकर ब्रिटिश चेस चैंपियनशिप का खिताब जीता। बोधन के अलावा भारतीय मूल के ही 17 साल के श्रीयस रॉयल ने भी चैंपियनशिप अपने नाम किया। श्रीयस ने नौ राउंड के बाद पॉइंट टेबल में सबसे ऊपर रहते हुए ओपन ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। 1 अगस्त को शुरु हुआ टूर्नामेंट रविवार को कोवेंट्री में खत्म हुआ। बोधन ने कोविड महामारी के लॉकडाउन के दौरान पहली बार चेस खेलना शुरू किया था। उस समय उनके पिता के एक दोस्त भारत लौट रहे थे। उन्होंने उसे कुछ बैग दिए थे, जिनमें चेस बोर्ड भी था। नॉर्थ-वेस्ट लंदन की स्कूली छात्रा ने इसके बाद लगातार रिकॉर्ड बनाए। तेज फॉर्मेट में वह पहले ही यूके ओपन महिला ब्लिट्ज चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में काम में ली गयी उत्तरपुस्तिकाओं एवं अन्य रद्दी विक्रय हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन **GSU2627GLOB00012** हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी **http://sppp.rajasthan.gov.in** व **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/9161 वित्त नियंत्रक

कार्यालय नगर परिषद झालावाड़ (राज0)

क्रमांक :- न.परि.झा./SAFAI/2026/5092 दिनांक :- 04/08/2026

ई-निविदा

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तिय वर्ष 2026-27 में कार्य विशेष का अनुभव रखने वाले पंजीकृत संवेदको से Animal Birth Control Programme in stray dogs के कार्य हेतु निम्नानुसार ऑनलाईन निविदायें दिनांक 17/08/2026 को दोपहर 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। संवेदक द्वारा निविदा प्रपत्र एवं शर्तो का विवरण वेबसाईट **www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त किये जा सकेंगे।

UBN No :-DLB2627SLOB15097

NIB Code :- DLB2627A6083

आयुक्त, नगर परिषद झालावाड़

राज.संवाद/सी/26/9194

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांक :- 5278 दिनांक :- 05/08/2026

निविदा सूचना

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: न0प0बू0/निर्माण/2026-27/5228 दिनांक 04/08/2026 की निविदा दिनांक 05/08/2026 से दिनांक 13/08/2026 06.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 14/08/2026 को 15.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 14/08/2026 को 16.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा **sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in** पर **DLB2627WSOB14708, 14710, 14713** तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त नगर परिषद, बून्दी

राज.संवाद/सी/26/9186

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

O/o मुख्य अभियंता (सिविल), एल.आई.सी. जीवनदीप भवन, लालकोठी, जयपुर

निविदा सूचना

रा.रा.वि.उ.नि. के एल.आई.सी. जीवनदीप भवन, लालकोठी में निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है:- 06 (RVU2627SLOB00958) द्वितीय तल से सप्तम तल की नियमित सफाई कार्य एवं 07 (RVU2627WSOB00971) ऑफिस की मरम्मत एवं रखरखाव कार्य। निविदा विवरण वेबसाइट **http://eproc.rajasthan.gov.in** (ई-निविदा हेतु), **www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl** एवं **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/9153 RVUN/PR-4444 मुख्य अभियन्ता (Civil)

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)

(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड – 306401)

(टेली-फैक्स : 02932-221301, ई-मेल : cmcpali@yahoo.co.in, वेब-साईट: www.mcpali.com)

क्रमांक प. 12( )/विकास/2026/1832 दिनांक :- 04.08.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 10/2025 - 2026

नगर निगम, पाली की ओर से निम्नांकित कार्यो हेतु स्वायत्त शासन विभाग/नगर निगम व अन्य विभागो मे "एए" श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से 03 कार्यो की (अनुमानित लागत रू 56.47 लाख) ऑनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। संवेदक दिनांक 05.08.2026 को प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 11.08.2026 को सांय 6.00 बजे तक आर्नलाईन निविदाऐ जमा करा सकते है। निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण वेबसाई http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in से तथा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। उक्त 18 कार्यो के यूबीएन संख्या निम्नानुसार है।

DLB2627WSOB14933 DLB2627WSOB14935 DLB2627WSOB14940

आयुक्त नगर निगम, पाली

राज.संवाद/सी/26/9276

कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राज0)

क्रमांक : नपजा/विकास/2026/3165 दिनांक : 04.08.2026

:: निविदा सूचना 16/2026 ::

यत् नगर परिषद जालोर द्वारा निम्नांकित स्थानों पर सिविल निर्माण कार्य हेतु स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान जयपुर व राजस्थान प्रदेश में अन्य नगरीय निकायों में पंजीकृत सभी संवेदक अपनी श्रेणी अनुसार तथा अन्य विभागों में पंजीकृत ठेकेदार जो ए अथवा एए श्रेणी में पंजीकृत हैं। (पंजीकरण नियम Appendix XVI (Rules 334) Sec II.2 के अनुसार) निर्धारित प्रपत्रा में E-Procurement प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य एवं ई-निविदाओं के संबंधित विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in डाउनलोड व अपलोड एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है।

Total Work	05 work
Total Amount	178.20 Lac
Nib Code	DLB2627A6046

आयुक्त नगर परिषद, जालोर

राज.संवाद/सी/26/9269

कार्यालय नगरपालिका मण्डल बसेडी, धौलपुर (राज.)

Email id :- baseri.jaipur21@gmail.com

क्रमांक:- न.पा.ब./निर्माण/2026/3065 दिनांक:- 06.08.2026

ई- निविदा सूचना संख्या 15/2026-27 आमंत्रण सूचना

नगरपालिका द्वारा निम्न कार्य हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाइन आमन्त्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि 05.08.2026 समय प्रातः 10.00 बजे से प्रारम्भ की जाकर निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि 18.08.2026 समय सांय 06.00 बजे तक होगी। एवं निविदा दिनांक 19.08.2026 को खोली जावेंगी। तकनीकी निविदा में सफल संवेदकों की ही वित्तीय विड खोली जावेंगी।

निविदा फॉर्म ऑनलाईन बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड व डाउनलोड की जायेंगी। तथा ऑनलाईन बेवसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी निविदा शर्ते देखी जा सकती है।

Sr.No.	UBN no.	Tender Id	Estimated Cost
1	DLB2627WSob14843	2026_DLB_582160_1	3293760/-

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बसेडी

राज.संवाद/सी/26/9241

मुख्यमंत्री भजनलाल ने राधा-कृष्ण शिला का पूजन किया

उन्होंने कहा कि जगतपुरा स्थित गुप्त वृंदावन मंदिर, संस्कार, शास्त्र व संस्कृति का केन्द्र बनेगा

जयपुर, 10 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर के जगतपुरा स्थित गुप्त वृंदावन धाम में राधा-कृष्ण शिला का विधिवत पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह मंदिर भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना के साथ ही सनातन संस्कार, शास्त्र और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का केन्द्र बनकर उभरेगा।

मुख्यमंत्री ने भगवान कृष्ण और भगवान शिव के ब्रज आगमन से जुड़े पौराणिक प्रसंग को साझा किया। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति भक्ति, सेवा एवं करुणा के साथ सकारात्मक जीवन जीने तथा मानव कल्याण का मार्ग दिखाती है। हम सभी को इसी मार्ग पर अग्रसर होते हुए समाज और राष्ट्र हित में कार्य करना चाहिए।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंदिर परिसर का अवलोकन किया तथा गुप्त वृंदावन धाम द्वारा किये जा रहे धार्मिक, सामाजिक व सेवा कार्यों की सराहना की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर के जगतपुरा स्थित गुप्त वृंदावन धाम में राधा-कृष्ण शिला का विधिवत पूजन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का अवलोकन किया। साथ ही, गुप्त वृन्दावन धाम द्वारा किए जा रहे धार्मिक, सामाजिक और सेवा कार्यों की भी सराहना की। इस अवसर पर विधायक कैलाश वर्मा, गुप्त वृन्दावन धाम के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे।

एक बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभिवादन किया। राहुल ने वरुण की बेटी से भी मुलाकात की थी। प्रियंका के साथ व्यक्तिगत या फोन पर संपर्क की खबरें अथवा अटकलें समय-समय पर सामने आती रही हैं, जिनमें 2026 की शुरुआत के दावे भी शामिल हैं। हालांकि, विस्तृत और सत्यापित राजनीतिक मुलाकातों के प्रमाण बहुत कम हैं। वैचारिक मतभेदों के बावजूद चचेरे भाई-बहनों के बीच सामान्य और सौहार्दपूर्ण व्यक्तिगत संबंध बने हुए हैं। गांधी परिवार के इन चचेरे भाई-बहनों का एक साथ आना भले ही राजनीतिक तस्वीर के लिहाज से आकर्षक हो, लेकिन वास्तविक राजनीति की चुनौतियां बड़ी हैं। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अभी भी संगठनात्मक रूप से कमजोर है और उसका मुख्य फोकस अपनी प्रमुख सहयोगी समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन संबंधी बातचीत पर है। वरुण को कांग्रेस में शामिल करने से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीट बंटवारे की स्थिति बदल सकती है या नेतृत्व और राजनीतिक छवि को लेकर दोनों दलों के बीच तनाव पैदा हो सकता है। वरुण की मां मेनका गांधी कांग्रेस में शामिल होने की चर्चाओं को बार-बार खारिज कर चुकी हैं और भाजपा के प्रति अपनी निष्ठा दोहराती रही हैं। ऐसे में वरुण के ऐसे किसी भी कदम का विरोध उनकी ओर से हो सकता है, और यह भी संभव है कि मेनका गांधी स्वयं भाजपा के साथ ही बनी रहें।

ट्रंप ईरान वॉर से सम्मानजनक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को खारिज करने से ऐसा युद्ध लंबा खिंच सकता है, जिसकी आर्थिक और भू-राजनीतिक कीमत पहले ही बढ़ रही है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ दबाव का अहम केन्द्र बनकर उभरा है। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ने वाला यह संकरा जलमार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा गलियारों में से एक है। यहां से दुनिया के तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस की बड़ी मात्रा की आपूर्ति होती है। लंबे समय तक इसमें रुकावट आने से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, परिवहन और बीमा की लागत बढ़ सकती है और बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है।

भारत के लिए इसके परिणाम खास तौर पर महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातकों में से एक है। होर्मुज़ के आसपास लंबे समय तक किसी भी तरह की रुकावट रहने से भारत का आयात बिल बढ़ सकता है, चालू खाते (करंट अकाउन्ट) पर दबाव बढ़ सकता है और देश में ईंधन तथा परिवहन की लागत बढ़ सकती है। अगर जहाजों को लंबे रास्तों से जाना पड़ा या उन्हें ज्यादा सुरक्षा जोखिमों के बीच काम करना पड़ा, तो भारतीय तेल रिफाइनरियों और शिपिंग कंपनियों को भी अधिक माल ढुलाई और बीमा खर्च का सामना करना पड़ेगा।

तथापि, वॉशिंगटन के लिए राजनीतिक पहलू भी आर्थिक पहलू जितना ही अहम होता जा रहा है। ट्रंप के पास इस बात का मजबूत कारण है कि वे इस टकराव को एक कभी खत्म न होने वाली सैन्य लड़ाई में बदलने से रोकें। लंबा युद्ध उनके मजबूत अमेरिकी नेतृत्व वाले राजनीतिक संदेश को कमजोर कर सकता है। वहीं, तेहरान के लिए बहुत अनुकूल माने जाने वाला समझौता रणनीतिक जीत के उनके दावे को कमज़ोर कर सकता है। इसलिए वाइट हाउस को ऐसे समझौते की जरूरत है, जिससे कोई साफ दिखाई देने वाला परिणाम मिले, और ट्रंप को ईरान की बड़ी मांगों को मानने की जरूरत भी न पड़े। एक संभावित रास्ता अंतरिम समझौता हो सकता है। इसके तहत ईरान होर्मुज़ से जहाजों के सुरक्षित गुजरने की गारंटी दे सकता है, जबकि अमेरिका सबसे विवादित मुद्दों, जिनमें परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती शामिल हैं, पर बाद की बातचीत तक फैसला टाल सकता है। ऐसा समझौता दोनों पक्षों को यह दावा करने का मौका दे सकता है कि उनके मूल हितों की रक्षा हुई है।

लेकिन तेहरान के कड़े होते रुख से संकेत मिलता है कि ईरान को लगता है कि उसके पास काफी दबाव बनाने की ताकत है। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण इस जलमार्ग को नियंत्रित करके या इसमें रुकावट डालने की धमकी देकर ईरान न केवल अमेरिका बल्कि उसके सहयोगियों और एशिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर भी दबाव डाल सकता है।

इससे होर्मुज़ सिर्फ एक सैन्य लक्ष्य से कहीं ज्यादा अहम हो जाता है। यह वॉशिंगटन और तेहरान के बीच बड़े संघर्ष में मोलभाव का एक ज़रिया बन गया है।

जब तक वॉशिंगटन और तेहरान ऊर्जा की आपूर्ति तुरंत बहाल करने की जरूरत को अपने गहरे रणनीतिक विवादों से अलग करने का कोई रास्ता नहीं खोज लेते, तब तक यह संघर्ष उस बिंदु से कहीं आगे तक खिंच सकता है, जहाँ वाइट हाउस जीत की घोषणा करने की उम्मीद कर रहा था।

'जर्जर हो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आहत न हों या उनकी जान को खतरा न हो। अदालत ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए और साथ ही प्रशासन की अनदेखी पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर पक्षकारों ने तुरंत प्रभाव से जवाब पेश नहीं किया तो कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही होगी। इसके साथ ही, अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 24अगस्त तय की है। अदालत ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के वकीलों को इस मामले में सहयोग देने के लिए आमंत्रित किया है। अदालत के समक्ष यह मामला तब उजागर हुआ, जब आईआईटी, बॉम्बे के विशेषज्ञों की रिपोर्ट के अनुसार, हाईकोर्ट की इमारत पर बना गुम्बद किसी भी समय गिर सकता है। इस रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि पूर्व में भी कई बार इसी गुम्बद की छत से मलबा गिरा है, जो जजों के चैम्बरों के पास ही है। आईआईटी, जोधपुर की एक्सपर्ट कमेटी ने 19 अप्रेल 2023 को इस मामले पर रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें लिखा था कि जर्जर होने के कारण गुम्बद के कई बड़े हिस्से गिर चुके हैं और इसकी मरम्मत की सख्त आवश्यकता है।

ईरान की कूटनीति में कट्टरपंथियों का दबदबा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इन सभी मांगों के बीच ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रमों पर किसी भी तरह की रियायत नहीं देने का अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है। नया समझौता उस अंतरिम समझौते से भी कहीं अधिक कठिन होगा, जिस पर पहले काम किया गया था। मौजूदा स्थिति को देखते हुए ऐसा लगता है कि जहाजों की आवाजाही में रुकावट अनिश्चित समय तक जारी रहने वाली है। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति कह रहे हैं कि ईरान के साथ बातचीत "लो-की", यानी बहुत सीमित स्तर पर चल रही है। इससे संकेत मिलता है कि तुरंत कोई रियायत या समझौता होने की संभावना नहीं है। इन बातचीत में अमेरिकियों के गैर-पेशेवर रवैये के मुकाबले ईरानी निश्चित रूप से बढ़त बनाए हुए हैं। अमेरिकी बातचीत करने वाली टीम का नेतृत्व कोई और नहीं, बल्कि डॉनल्ड ट्रंप के मित्र स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर कर रहे थे। खबरों के अनुसार, ईरानी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कुछ गलतियाँ कीं। डॉनल्ड ट्रंप के दो प्रस्ताव, कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य को मौजूदा युद्ध शुरू होने से पहले की स्थिति में वापस लाया जाए, अब बहुत पीछे छूट गए है और ऐसा लगता है कि ईरान ने पहले ही अपना रुख पक्का कर लिया है कि होर्मुज़ उसके नियंत्रण में रहेगा। दूसरा, ट्रंप का यह दावा कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए बराक ओबामा के नेतृत्व में हुए बहुराष्ट्रीय जेसीपीओए समझौते से कहीं बेहतर समझौता कर सकते हैं, अब जमीनी हकीकत से पूरी तरह अलग दिख रहा है।

ट्रंप के बार-बार किए गए दावों के बावजूद, ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं पूरी तरह जीवित हैं और उसके कई परमाणु केन्द्र अब भी काम कर रहे हैं। इसके अलावा, ईरान अब अमेरिकियों को मिडिल ईस्ट से बाहर करने की कोशिश कर रहा है। वह यह संदेश दे रहा है कि अमेरिका क्षेत्र में प्रभावी सुरक्षा देने में सक्षम नहीं है। ईरान अमेरिका के मध्य पूर्वी सहयोगी देशों को अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर रहा है और आपसी सुरक्षा के लिए हुए मक्का समझौते की प्रशंसा करते हुए इसे मुसलमानों (सुन्नी) की पहल बता रहा है। साथ ही, ईरान इस समझौते की वास्तविक ताकत को परख रहा है। इसके लिए वह क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली मुस्लिम देश सऊदी अरब पर अपने सहयोगी गुटों के हमले बढ़ा रहा है। ईरान समर्थित हूती लड़ाके यमन में सऊदी ठिकानों और क्षेत्र के उसके सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाह पर सीधे हमले कर रहे हैं। हूती सऊदी तेल प्रतिष्ठानों पर भी हमले कर रहे हैं। अभी तक आपसी सुरक्षा का नया समझौता लागू नहीं हुआ है और ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खतरनाक हमलों के खिलाफ सऊदी अरब की मदद के लिए कोई भी आगे नहीं आया है। ईरान जल्द ही मक्का समझौते की परीक्षा लेगा, हालांकि भले ही वह सार्वजनिक रूप से इस कदम की तारीफ करता दिख रहा है। हो सकता है कि तनाव कम होने के बजाय, जैसा कि अमेरिकी चाहते हैं, तनाव और बढ़ जाए।

उच्चतम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जनसंवाद में शामिल होने के लिये अलग-अलग जिलों से आमजन,पर्यावरणप्रेमी और खनन व्यवसाय से जुड़े उद्यमी आए। जितने लोग सभागार के अंदर थे, उससे ज्यादा लोग बाहर लगे टेंट के नीचे बैठे थे। कई लोग सभागार के पोर्च में खड़े थे, जगह ही कम पड़ गई थी। यह बैठक सुबह 10 से 12 बजे तक चली।

शरद पवार की पार्टी परिसीमन बिल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं कि इंडिया गठबंधन का यह सहयोगी दल संसद में प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर सरकार का समर्थन कर सकता है।

सूत्रों के अनुसार, बैठक करीब आधे घंटे तक चली। सांसदों ने महाराष्ट्र में सूखे की स्थिति और सिंचाई से जुड़े मुद्दों के अलावा, अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित समस्याएं भी प्रधानमंत्री के सामने रखीं।

प्रतिनिधिमंडल ने महात्मा ज्योतिराव फुले, सावित्रीबाई फुले, शाहीर अन्ना भाऊ साठे और तुकडोजी महाराज को भारत रत्न दिए जाने की भी मांग की। सूत्रों ने बताया कि सांसदों ने नवी मुंबई हवाई अड्डे का नाम महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री डी. वाई. पाटिल के नाम पर रखने की मांग भी की। सांसदों ने अपनी मांगों और चिंताओं को लेकर प्रधानमंत्री को एक लिखित ज्ञापन सौंपा और बैठक को सकारात्मक बताया। सूत्रों के मुताबिक, मोदी ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे पर ध्यान देने योग्य हैं और उन्होंने ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया। लेकिन मीटिंग में प्रस्तावित परिसीमन विधेयक और विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक (एसीआरए) पर चर्चा नहीं हुई। सांसदों ने कहा है कि वे एफसीआरए विधेयक का विरोध करेंगे।

बैठक से पहले सुले ने कहा था कि सांसदों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात का समय इसलिए मांगा था, क्योंकि महाराष्ट्र में सहायता के लिए उन्हें धनराशि नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा था, जहां तक परिसीमन विधेयक का सवाल है, इसे अभी पेश ही नहीं किया गया है, तो इसके बारे में क्या कहा जा सकता है? जब विधेयक आएगा, तो ऑल इंडिया अलायंस में इस पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर विधेयक में सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान किया जाता है और यह स्पष्ट रूप से बताया जाता है कि इस विस्तार को किस तरह लागू किया जाएगा, तो एनसीपी (एसपी) विधेयक का समर्थन करेगी। यह बैठक एनसीपी के दोनों धड़ों के बीच संभावित सुलह की अटकलों के फिर तेज होने के बीच हुई है। दोनों गुटों के नेताओं और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के बीच हुई मुलाकातों की खबरों के बाद इन अटकलों को और बल मिला है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908